प्रयागराज, रविवार 18 मई 2025 से शनिवार 24 मई 2025 तक
वर्ष-14, अंक-20
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

2025 महाकुम्भ
14वर्ष
संघर्ष कि यात्रा

वर्ष-14 अंक-20 प्रयागराज, रविवार 18 मई 2025 से शनिवार 24 मई 2025 तक पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

12.05.2025

13.05.2025

14.05.2025

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

15.05.2025

16.05.2025

17.05.2025

रोजगार मेले का आयोजन 19 मई को,रोजगार मेले में 550 रिक्त पदों पर की जाएगी चयन की कार्यवाही

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, प्रयागराज द्वारा दिनांक 19.05.2025 को राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लि0, उद्योग नगर, नैनी, प्रयागराज परिसर में प्रातः 10:00 बजे से रोजगार मेले का आयोजन किया जाना है । उक्त मेले में निजी क्षेत्र की कम्पनी याजिकी इण्डिया प्रा0लि0, कृष्णा मारूति प्रा0लि0, मदरसन मेट ऑटोमटिव एवं द गोल इण्डिया आदि द्वारा लगभग 550 विभिन्न रिक्त पदों पर चयन की कार्यवाही की जायेगी। रोजगार मेलों में हाईस्कूल / इण्टर / स्नातक/ आई0टी0आई0/ डिप्लोमा / बी0टेक0/ ड्रेस मेकिंग ट्रेड कोर्स उत्तीर्ण, आयु सीमा 18 से 35 वर्ष के अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in पर अपना पंजीयन करके अपने समस्त अंक-पत्र एवं जाति प्रमाण-पत्र की छायाप्रति के साथ प्रतिभाग कर सकते हैं।अभ्यर्थी रिक्तियों से सम्बन्धित विस्तृत विवरण रोजगार संगम पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं। इस मेले में प्रतिभाग हेतु यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

रोजगार मेले का आयोजन 19 मई को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला सेवायोजन कार्यालय, रायबरेली के तत्वावधान में 19 मई 2025

को रोजगार मेले का आयोजन जनता इण्टर कॉलेज गूढ़ा शिवगढ़, रायबरेली में किया जाना प्रस्तावित हैं जिसमें निजी क्षेत्र की वर्धमान टेक्सटाइल्स लि0, बद्दी हिमाचल प्रदेश, सुजुकी मोटर मेहसाढ़, गुजरात एवं कानपुर प्लास्टिकपैक लि0 (कानपुर देहात) द्वारा प्रतिभाग किया जाना है। जिसमें आई0टी0आई0, हाईस्कूल, इण्टर, स्नातक अभ्यर्थी के रिक्त पदों पर बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा। इच्छुक अभ्यर्थी मेले में अपने साथ मूल शैक्षिक अभिलेख एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ सम्मिलित हो सकते है। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिये सर्वप्रथम अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल http://rojgaarsangam.up.gov.in पर ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। पंजीकरण में किसी प्रकार की असुविधा होने पर जिला सेवायोजन कार्यालय, रायबरेली में संपर्क किया जा सकता है।

फ्लैट बायर्स की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी ने बिल्डर्स के साथ की बैठक

नोएडा। फ्लैट बायर्स की लगातार बिल्डर्स द्वारा रजिस्ट्री ने करने की लगातार शिकायतें प्राप्त होने पर आज डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण एवं ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण तथा यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के 95 बिल्डर्स की बैठक आयोजित हुई, जिसमें तीनों प्राधिकरणों के प्रतिनिधिगण तथा अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अतुल कुमार, सहायक महानिरीक्षक निबन्धन (प्रथम) बीएस वर्मा, सहायक महानिरीक्षक निबन्धन (द्वितीय) ब्रिजेश कुमार के साथ जनपद गौतमबुद्धनगर के समस्त उप निबन्धक तथा विहान ग्रीन्स, रतन बिल्डटेक प्रा0लि0, यमुना बिल्डटेक (मिगसन) प्रा0लि0, एस0 जे0पी0 होटल्स एण्ड रिसोर्ट्स, महालक्ष्मी इन्फ्राहेम प्रा0लि, ए0जी0सी0 रियल्टी प्रा0लि, ए0टी0एस0, देविका गोल्ड होम्स प्रा0लि0,

के0वी0आई0आर0 टावर्स प्रा0लि0, टेक्नोसिटी अपार्टमेंट, आई0आई0टी0एल0 निम्बस द एक्सप्रेस पार्क व्यू, कैपिटल इन्फ्राप्रोजेक्ट्स प्रा0लि0, रूद्रा बिल्डवेल इन्फ्रा प्रा0लि0, अरिहन्त इन्फ्रा रियल्टर्स प्रा0लि0, महागुन माईवुड्स इत्यादि बिल्डर्स के बिल्डर्स प्रतिनिधि एवं अनिबन्धित बिल्डर्स फ्लैट के आवंटीगण द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। जिन बिल्डर्स के प्रतिनिधि बैठक में उपस्थित नहीं हुए उनके विरूद्ध जिलाधिकारी ने कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने दिनांक 09.05.2025 तक ओ0सी0सी0सी0 प्राप्त एवं सब लीज डीड की अनुमति प्राप्त नोएडा/ग्रेटर नोएडा/यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के बिल्डर प्रोजेक्ट्स के बकाया समस्त फ्लैट्स की रजिस्ट्री 31 मई, 2025 तक करने के कड़े निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा मल्टीस्टोरी बिल्डर प्रोजेक्ट के प्रेमोटर/बिल्डर को कड़ी चेतावनी दी गयी कि आगामी 15 दिवस में बकाया फ्लैटों की रजिस्ट्री न कराने पर भारतीय स्टाम्प अधिनियम एवं रेरा अधिनियम के प्राविधानों के अन्तर्गत कड़ी कार्यवाही की जायेगी। इस सम्बन्ध में नोएडा प्राधिकरण के 30 बिल्डर, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण/यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के 65, बिल्डर को स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग के अधिकारियों द्वारा बकाया फ्लैटों की रजिस्ट्री कराने हेतु नोटिस जारी किया गया है। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित समस्त आवंटीगणों एवं बिल्डर्स प्रतिनिधियों को सुना तथा आवंटियों के अनिबन्धित फ्लैटों की रजिस्ट्री कराने हेतु तत्सम्बन्धित बिल्डर्स के प्रतिनिधियों को कड़े निर्देश दिए। सहायक महानिरीक्षक निबंधन प्रथम व द्वितीय द्वारा बिल्डर्स को सूचना दिया गया कि तीनों प्राधिकरणों की ग्रेटर नोएडा व नोएडा प्राधिकरण में इन फ्लैटों के निबन्धन के लिये आवश्यकतानुरूप कैम्प का आयोजन किया जायेगा। बैठक में उच्चाधिकारियों द्वारा उप निबन्धकों को निर्देशित किया गया कि बकाया फ्लैटों की रजिस्ट्री के सम्बन्ध में बिल्डर एवं आवंटियों की प्रत्येक समस्या का तत्काल निदान करें।

उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्य द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र वन स्टॉप सेन्टर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र व कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया गया

रायबरेली ।उत्तर प्रदेश राज्य

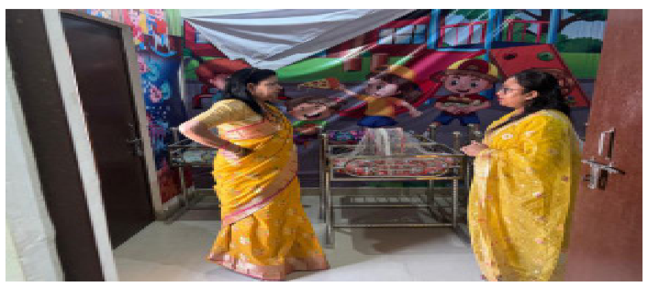

महिला आयोग की मा0 सदस्य पूनम द्विवेदी द्वारा दो दिवसीय जनपद भ्रमण कार्यक्रम के दौरान आज द्वितीय दिन सदस्य द्वारा गोरा बाजार स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के समय आंगनबाड़ी केन्द्र पर कायाकल्प के सभी पैरामीटर्स पूर्ण पाए गए 3 से 6 वर्ष तक के 18 बच्चें उपस्थित मिले। मा0 सदस्य ने बच्चों से अक्षर ज्ञान व गिनती ज्ञान के सम्बन्ध में जानकारी ली। बच्चों द्वारा 2 अक्षर वाले शब्द जोड़कर पढ़कर सुनाए गये। तथा बच्चों से गिनती भी सुनी गयी। निरीक्षण में आंगनबाड़ी केंद्र पर संतोषजनक स्थिति मिली। तत्पश्चात मा0 सदस्य द्वारा महानन्दापुर स्थित वन स्टाप सेन्टर का निरीक्षण किया गया, जहां पर सभी कार्मिक रोस्टर के अनुसार उपस्थित मिले तथा वहां पर केन्द्र प्रबन्धक से कार्यालय के समस्त अभिलेखों महिलाओं से संबंधित प्राप्त प्रकरणों का अवलोकन तथा महिलाओं से संबंधित प्रकरणों की जानकारी ली गयी तथा केन्द्र प्रबंधक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इसके बाद मा0 सदस्य द्वारा विकास खण्ड सतांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जतुआ टप्पा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गयी। उन्होंने कहा कि सामुदायिक केन्द्र में आने वाले मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलती रहे इस पर विशेष ध्यान देते हुए सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किया जाये।इसके पश्चात मा0 सदस्य द्वारा कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय सतांव रायबरेली का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई सामान्य पाई गयी और बालिकाओं का नामांकन शत-प्रतिशत रहा। मा0 सदस्य द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि विद्यालय में आवासीय बालिकाओं के शिक्षा व स्वास्थ्य सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश दिए।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला कारागार का किया गया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली राजकुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में अनुपम शौर्य अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा जिला कारागार, रायबरेली का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अनुपम शौर्य अपर जिला जज/सचिव द्वारा जिला कारागार की महिला बैरक, चिकित्सालय व लीगल ऐड क्लीनिक का निरीक्षण किया गया। सचिव द्वारा दौरान निरीक्षण बन्दियों से उनके पास अधिवक्ता उपलब्धता के सम्बन्ध में व जिसकी जमानत न्यायालय से होने के बाद भी जमानतदार न दाखिल होने के कारण रिहाई नहीं हो सकी हो के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी। निरीक्षण उपरांत महिला बन्दियों के विधिक अधिकार विषय़ पर विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन महिला बैरक में किया गया। इस विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर में जिला कारागार में निरुद्ध महिला बन्दियों की शिक्षा एवं व्यवसाय के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। जिससे अधिक से अधिक महिला बन्दी लाभान्वित हो सके। निरीक्षण के दौरान जेलर हिमांशु रौतेला, चीफ लीगल एड डिफेन्स काउंसिल राजकुमार सिंह, जेल चिकित्सक डा0 सुनील अग्रवाल, उपकारापाल धर्मपाल सिंह व उपकारापाल सुमैया परवीन उपस्थित रही।

कालूराम चौधरी बने उत्तराखंड सरकार के उप महाधिवक्ताङ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा।

उत्तराखंड सरकार ने वरिष्ठ अधिवक्ता कालूराम चौधरी को सुप्रीम कोर्ट में उप महाधिवक्ता (डिप्टी एडवोकेट जनरल) नियुक्त किया है। यह नियुक्ति 'उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय में राज्य विधि अधिकारियों की नियुक्ति तथा पदावधि के लिए सामान्य अनुश्रवण, 2016' के अंतर्गत की गई है, जिसे उत्तराखंड के महामहिम राज्यपाल की औपचारिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। चौधरी का विधिक क्षेत्र में लंबा और सक्रिय योगदान रहा है। वे बार एसोसिएशन गौतमबुद्ध नगर के दो बार अध्यक्ष रह चुके हैं और उत्तर प्रदेश बार काउंसिल की अनुशासन समिति के सदस्य भी रह चुके हैं। अपने कार्यकाल में उन्होंने वकालत पेशे को नीतिपरक दिशा देने के साथ-साथ समाज के प्रति अधिवक्ताओं की जिम्मेदारी को भी मजबूती से प्रस्तुत किया है।उनकी इस प्रतिष्ठित नियुक्ति से न सिर्फ अधिवक्ता समुदाय बल्कि पूरा क्षेत्र गौरवान्वित है। सूरजपुर बार एसोसिएशन में इस खबर के बाद उत्साह और खुशी का माहौल देखा गया। अधिवक्ताओं ने इसे चौधरी की योग्यता, मेहनत और ईमानदारी का सम्मान बताया।अब चौधरी सुप्रीम कोर्ट में उत्तराखंड सरकार का विधिक पक्ष रखेंगे। उनके अनुभव, विधिक कौशल और निष्पक्ष दृष्टिकोण से सरकार को विभिन्न संवेदनशील मामलों में प्रभावी समर्थन मिलने की उम्मीद है।

शहीद स्मारक सेक्टर 29 में तिरंगा यात्रा का हुआ भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। भाजपा नोएडा महानगर द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा मे मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश सरकार मे राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल, माननीय सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ.महेश शर्मा, राज्य सभा सांसद सुरेन्द्र नागर, विधायक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह, जिला अध्यक्ष महेश चौहान, कैप्टन विकास गुप्ता, नवाब सिंह नागर, श्रीमती विमला बाथम गोपाल अग्रवाल एवं पूर्व अध्यक्ष मनोज गुप्ता रहे। ये यात्रा शहीद स्मारक सेक्टर 29 से ब्रह्मपुत्र मार्केट के सामने से होते हुए मेट्रो स्टेशन सेक्टर 18 पर समाप्त हुई। यात्रा समाप्त होने पर श्री कपिल अग्रवाल ने कहा कि तिरंगा भारत के शौर्य व पराक्रम का प्रतीक है। राष्ट्र संकट के समय हमारा धैर्य और एकता ही सबसे बड़ी ताकत होती है। प्रधानमंत्री का धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब के आदमपुर एयर बेस पर जाकर सैनिकों का हौसला बढ़ाने का काम जो किया है, वह तीनों सेनाओं का मनोबल बढ़ाने वाला है।डॉ महेश शर्मा ने भी अपने संबोधन में कहा कि पड़ोसी देश पाकिस्तान ने भारत के अमन चैन को छेड़ने का काम किया था, भारतीय सेनाओं ने उसे मिट्टी में मिलाने का काम किया है। तीनों सेनाओं ने एयर स्ट्राइक, सर्जिकल स्ट्राइक और अब आपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकवादियों के शिविरों को बर्बाद करने का काम किया है। विधायक पंकज सिंह ने कहा कि पहले कांग्रेस शासन ने आतंकवादी घटना की सिर्फ निंदा होती थी, पर अब इस नए भारत में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद का जवाब हमारी सेना ऑपरेशन सिंदूर के जरिए देती है।जिलाध्यक्ष श्री महेश चौहान ने कहा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए देश के 140 करोड़ नागरिक एकजुट हैं, हम सभी सेना के जवानों के साथ खड़े हैं। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं का इस तिरंगा यात्रा को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। इस यात्रा में कार्यक्रम संयोजन डिंपल आनंद, उमेश त्यागी, तन्मय शंकर, चमन अवाना, सुचित्रा कक्कड़, प्रमोद बहल, राम निवास यादव, हर्ष चतुर्वेदी, महेशअवाना, राकेश शर्मा, उमानंदन कौशिक, विनोद शर्मा, अमित त्यागी, भूपेश चौधरी, वी एस चौहान, उमेश यादव, प्रदीप चौहान, ओम यादव, सत्य नारायण महावार, प्रज्ञा पाठक, राम किशन यादव, गौतम शर्मा, प्रवेश चौहान, कमल, गिरिजा सिंह, उमेश यादव, राहुल, विपुल, दीनबंधु आदि कार्यकर्ता रहे।

डीएम की अध्यक्षता में अपराध, कानून व्यवस्था व अभियोजन कार्यों की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में अपराध, कानून व्यवस्था एवं अभियोजन कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट के बचत भवन सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि अभियोजन कार्यों को और गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से गंभीर मामलों में प्रभावी पैरवी की जाए ताकि अधिक से अधिक दोषियों को सजा दिलाई जा सके। अभियोजन वादों का त्वरित व समयबद्ध निस्तारण कराया जाए। गैंगेस्टर एक्ट जैसे गंभीर मामलों में समय से गवाही कराते हुए कड़ी सजा दिलाई जाए। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि न्यायालय में गवाहों से शत प्रतिशत साक्ष्य परीक्षण कराया जाये, ताकि अभियोजन मजबूत हो सके। जिलाधिकारी ने सभी शासकीय अधिकारियों और अधिवक्ताओं से कहा कि अभियोजन कार्यों में कोई ढिलाई न हो ताकि न्याय का पूर्ण पालन हो सके।

गरीब महिलाओं व बालिकाओं को सेनेटरी पैड वितरित कर किया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जेजे कॉलोनी सेक्टर 5, हरौला

नोएडा ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट की संस्थापक भारती नेगी के सहयोग से आज अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस पर माताओ बहनो को महामारी के दौरान बहुत ही उपयोगी सेनेटरी पैड का वितरण किया सभी माताओ बहनों को बताया गया कि यह केवल उनकी स्वच्छता बनाए रखने में मदद करता है बल्कि उन्हें बीमारियों से भी बचाता है महामारी के दौरान सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है और सैनिटरी पैड का वितरण इस दिशा में एक बार महत्वपूर्ण कदम है भारती नेगी ने बताया महामारी के दौरान कई महिलाएं आर्थिक रूप से कठिन समय से गुजरती है जिससे सेनेटरी पैड खरीदना उनके लिए मुश्किल हो सकता है सेनेटरी पैड का वितरण उन महिलाओं को सहायता प्रदान करता है जो अन्यथा अपने मासिक धर्म को प्रबंधित करने में सक्षम होगी सेनेटरी पैड का वितरण महिलाओं को अपने शरीर और स्वास्थ्य के बारे में शिक्षा प्रदान करने में मदद करता है जो उन्हें स्वस्थ जीवन शैली बनाए रखने में मदद करता है। एवं पाठशाला में पढ़ने वाले सभी प्यारे बच्चों को मसालो के पैकेट वितरण किए गए। उपस्थित. भारती नेगी, जीएस नेगी, रीना सैयद फहीम अहमद, आरती, प्रीति, राखी, चांदनी, पुनीत जैन, आलोक, उषा शर्मा, फरीन सिख आदि लोग उपस्थित रहे।

आजमगढ़ में गाड़ी टकराने पर महिला की गोली मारकर हत्या

आजमगढ़। दबंगों ने 55 साल की महिला की गोली मारकर हत्या कर दी। शुक्रवार को दामाद की कार में टक्कर के बाद महिला बीच बचाव करने गई थी। तभी आरोपियों ने दामाद के ऊपर गोली चला दी। गोली महिला की पीठ में जा लगी। गोली लगते ही महिला वहीं जमीन पर गिर गई। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। आननफानन में लोग अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर एसपी ग्रामीण फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की। पूरा मामला अतरौलिया थाना क्षेत्र के नाजुपुर गांव का है।मृतक रामावती के बेटे कृष्णा ने बताया- मेरे जीजा संजीव दोपहर में एक बजे कार से बाजार गए थे और घर लौट रहे थे। रास्ते में बिसकेतु सिंह, जो अपने दो छोटे भतीजों के साथ बाइक से बाल बनवाकर लौट रहा था। उनकी बाइक की कार से हल्की टक्कर हो गई। इस बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई। इसके बाद वो लोग अपने घर से लाठी-डंडा लेकर आए और जीजा को मारने लगे। मम्मी को पता चला तो वो भी वहां झगड़ा छुड़ाने के लिए चली गईं। बाद में पता चला कि उन लोगों ने मम्मी को गोली मार दी और उनकी मौत हो गई। रामावती के बेटे कृष्णा ने बताया- हम लोग चार भाई बहन हैं। तीन बहनें मुझसे बड़ी हैं जबकि मैं सबसे छोटा हूं। सबसे बड़ी दीदी की शादी हो गई जबकि दो बहनों की शादी होनी बाकी है। मेरे पापा रामबली खेती-किसानी करते हैं। दीदी की तबीयत खराब होने पर जीजा जी घर आए थे।रामावती देवी की बेटी नेहा ने बताया- मैं अपने मायके आई हुई थी। बताया कि मामले की जानकारी मिलने के बाद मौके पर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है।

कविगुरु रबीन्द्रनाथ टैगोर और काज़ी नज़रुल इस्लाम के बर्थ एनिवर्सरी के अवसर पर रोजेज एंटरटेनमेंट द्वारा रबिन्द्र संगीत का कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

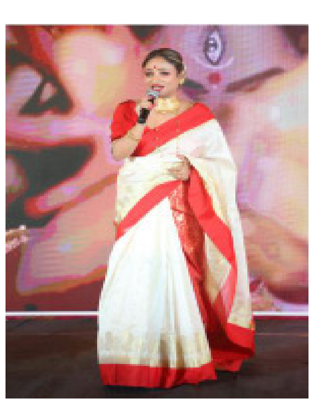

कविगुरु रबीन्द्रनाथ टैगोर और काज़ी नज़रुल इस्लाम के बर्थ एनिवर्सरी के अवसर पर रोजेज एंटरटेनमेंट द्वारा रबिन्द्र संगीत का कार्यक्रम एवं बंगाली कैलेंडर लॉन्चिंग किया जा रहा है इस अवसर पे रवींद्रसंगीत पे नृतय एवं गान का आयोजन किया जा रहा है. इस कार्यक्रम के माध्यम से नई युवा युवतियों में इसकी प्राथमिकता को उजागर करने का प्रयास किया जा रहा है. जहाँ आजकल नई पीढ़ी अपनी संस्कृति को कहीं भूलती जा रही है वहीँ इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों में इसकी प्राथमिकता दर्शाने का एक प्रयास है.. इस प्रोग्राम की आयोजक हिना कौसर का कहना है की आज की पीढ़ी जहाँ पश्चिमी सभ्यता के पीछे भाग रही है वहीँ हमे चाहिए की अपनी संस्कृति अपने आने वाले नई पीढ़ि को समझायें और सही मार्गदर्शन दे केर अपने सभ्यता संस्कृति का महतवा समझने की जरूयत है.इस कार्यक्रम का आयोजन कोलकाता में ऐकतान ऑडिटोरियम में 23 मई को किया जा रहा है ..

यूपी के 5 शहरों में बारिश, गोरखपुर-बहराइच में तेज आंधी,प्रयागराज में इतनी गर्मी कि फव्वारे से पानी डाल रहे

यूपी में शुक्रवार को मौसम बदल गया। मुरादाबाद, पीलीभीत और रामपुर समेत पांच शहरों में बारिश हुई। बहराइच में धूल भरी आंधी आई। इतनी तेज हवा चली कि टीनशेड उड़ गए और पेड़ों की टहनियां टूट गईं। गोरखपुर में भी धूल भरी आंधी चली। महाराजगंज में बूंदाबांदी हुई है।सहारनपुर में भी तेज हवाएं चल रही है। हल्की बूंदाबांदी हुई है।जहां एक तरफ बारिश हो रही है, वहीं दूसरी तरफ भीषण गर्मी भी पड़ रही है। प्रयागराज में इतनी गर्मी है कि नगर निगम ने फव्वारे से सड़कों पर पानी का छिड़काव शुरू करा दिया है। अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया है। बेली अस्पताल में हीटवेव की चपेट में आए लोगों के लिए 10 बेड रिजर्व किए गए हैं।वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों के पैर न जलें, इसलिए जूट के मैट बिछाए गए हैं। इसके साथ ही पूरे मंदिर कॉरिडोर परिसर को जर्मन हैंगर से पैक किया गया है। कॉरिडोर परिसर में कूलर और पंखे भी लगाए गए हैं।ओआरएस घोल की भी व्यवस्था की गई है।बुधवार को आगरा सबसे गर्म शहर रहा। यहां का पारा 43.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने आज 42 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया कि 20 मई तक बारिश होने की संभावना है। अगर बारिश हुई तो पारे में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। हालांकि, उमस बढ़ने की संभावना भी है।

महिला डांसर संग अश्लील वीडियो पर दी सफाई, कहा- संगठन ने बोलने से मना किया

बलिया। भाजपा नेता बब्बन सिंह रघुवंशी ने महिला डांसर के साथ अश्लील हरकत की। इसका वीडियो भी सामने आया। इसमें दिख रहा है कि कार्यक्रम के दौरान डांसर उनके पास आकर नाचने लगती है। नाचते हुए वह उनकी गोद में बैठ जाती है। इसके बाद भाजपा नेता महिला डांसर के साथ अश्लील हरकत करने लगते हैं। इस पूरे घटनाक्रम के बाद बब्बन सिंह रघुवंशी को भाजपा ने पार्टी से निकाल दिया। लेकिन, चुभने वाले सवालों पर हाथ जोड़कर उठ खड़े हुए। एक एजेंसी पूछने पे उन्होंने बताया मैंने एसपी-डीएम को लिखित शिकायत की है। हमारी राजनीतिक छवि खराब करने के लिए यह वीडियो वायरल किया गया। मैं बांसडीह से टिकट का दावेदार था। उसके लिए यह सब साजिश की गई है। साजिश के तहत बारात में कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर मुझे पिलाया गया था।पार्टी को मैं जवाब दूंगा। पार्टी में ही रहूंगा, मरते दम तक।इसके बाद हमारे अगले सवाल के पूरा होने से पहले ही बब्बन सिंह ने बातचीत बीच में ही छोड़ दी। उन्होंने हाथ जोड़े और उठकर चले गए। कहा- संगठन के मंत्री ने मना किया है कि कुछ दिनों तक किसी से कोई बातचीत नहीं करनी है। बब्बन सिंह रघुवंशी ने वीडियो वायरल होने के बाद डीएम-एसपी से लिखित शिकायत की। इसमें लिखा कि उनकी राजनीतिक छवि को खराब करने के उद्देश्य से एक फर्जी वीडियो बनाकर वायरल किया गया है। बताया कि करीब 25 दिन पहले वह राजेश सिंह (प्रधान, दुर्गीपुर, थाना-मनियर) के बेटे की शादी में बारात के साथ बिहार के नरहन गए थे। देर रात बारात पहुंची थी। विवाह स्थल पर बाजा बज रहा था और शामियाना में लोग नाच रहे थे। वो भी शामियाने में कुर्सी पर बैठे थे।भाजपा नेता ने बताया कि शामियाने में उन्हें दो बार कोल्ड ड्रिंक पिलाई गई। इसे पीने के बाद उन्हें कुछ भी याद नहीं रहा।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ द्वारा जन-शिकायतों को सुनते हुए उनका निस्तारण किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ प्रतिदिन की भांति बृहस्पतिवार को भी जनतादर्शन में लोगो की जन-शिकायतों को सुनते हुए उनका निस्तारण कर रहे थे। जनता दर्शन में प्रार्थी प्रमोद कुमार केसरवानी निवासी ग्राम-गींज पोस्ट-चॉमू, थाना-बारा ने जिलाधिकारी से अपनी समस्याओं के बारे में बताते हुए कहा कि मेरे एक पैर में हमेशा दर्द रहता है, जिसके कारण वह अपना जीविकोपार्जन के लिए कार्य करने में असमर्थ है, आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। परिवार का पालन पोषण करने में अत्यधिक परेशानी हो रही है। प्रार्थी प्रमोद कुमार केसरवानी ने जिलाधिकारी से पैर का इलाज एवं जीविकोपार्जन हेतु स्थायी व्यवस्था के लिए राशन एवं घरेलू आवश्यक वस्तुओं की दुकान खोलने के लिए आर्थिक मदद करने के लिए निवेदन किया। जिलाधिकारी ने प्रार्थी प्रमोद कुमार केसरवानी की समस्या को सहानुभूतिपूर्वक सुनते हुए उन्हें सभी अनुमन्य सरकारी सुविधाए जिसके लिए वह पात्र हैं

नोएडा मीडिया क्लब में नई कार्यकारिणी ने कराया हवन

नोएडा मीडिया क्लब की नई कार्यकारिणी ने शुक्रवार को सेक्टर 29 से स्थित मीडिया क्लब में हवन का आयोजन कराया इस दौरान विनोद कुमार शास्त्री द्वारा हवन का कार्यक्रम किया गया जिसमें मीडिया क्लब की नई कार्यकारिणी के अलावा शहर के मीडिया कर्मी भी मौजूद रहे। जिनमें प्रमुख रूप से मीडिया क्लब के उपाध्यक्ष अमित चौधरी, महासचिव जेपी सिंह, सचिव जगदीश शर्मा, कोषाध्यक्ष मनोज वत्स, कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद शर्मा, विनोद कुमार गुप्ता, संगीता चौधरी, सुनैना सिंह, हिमांशु शुक्ला, धीरेंद्र अवाना, सुमन चौधरी, विकास कुमार, हरि, कुणाल जायसवाल, विनायक गुप्ता, मुकेश गुप्ता, ऐ के लाल, महेंद्र, शिव त्यागीआदि मीडिया कर्मी हवन में मौजूद रहे।

42हजार शिक्षकों से पूछेंगे क्यों नहीं जांची कापियां, नोटिस देकर यूपी बोर्ड मांगेगा जवाब, मास्टर जी आप पर क्या कार्रवाई की जाए

प्रयागराज। यूपी बोर्ड 10वीं और 12वीं की कापियों के मूल्यांकन न करने वाले परीक्षकों पर कार्रवाई करने की तैयारी में है। 220 मूल्यांकन केंद्रों पर ऐसे 42 हजार परीक्षकों की सूची बन गई है। उनको यूपी बोर्ड मुख्यालय के 5 क्षेत्रीय कार्यालयों से नोटिस भेजी जाएगी। जबकि शेष 41 मूल्यांकन केंद्रों पर परीक्षकों की सूची आते ही स्पष्टीकरण के बाद उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू होगी। दरअसल, सचिव की ओर से सभी डीआईओएस को पत्र भेजा गया था जिसमें मूल्यांकन कार्य न करने वाले शिक्षकों की पूरी डिटेल मांगी गई थी। अभी तक करीब 42,000 शिक्षकों डिटेल मिली है। अब इन्हें नोटिस देकर पूछा जाएगा कि आखिर, आपने मूल्यांकन कार्य क्यों नहीं किया? क्या परिस्थितियां रहीं जो मूल्यांकन नहीं करने गए थे? मास्टर खुद बताएं...क्या कार्रवाई करें? जब एग्जाम के समय कक्ष निरीक्षक की पूरी ड्यूटी की, तो मूल्यांकन में क्यों गैरमौजूद रहें? ऐसे ही 5 से 6 सवालों का जवाब मांगा जाएगा।यूपी बोर्ड परीक्षा-2025 के लिए 54,37,233 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे जिसमें हाईस्कूल के परीक्षार्थियों की संख्या 27,32,216 तथा इंटरमीडिएट की 27,05,017 थे। हाईस्कूल में 14,49,736 छात्र तथा 12,82,458 छात्राएं पंजीकृत थे। इसी तरह इंटरमीडिएट में पंजीकृत छात्रों की संख्या 14,58,983 तथा छात्राओं की संख्या 12,46,024 थी। इसके अलावा हाईस्कूल में 22 तथा इंटरमीडिएट में 10 ट्रांसजेंडर परीक्षार्थी भी थे। परीक्षा केंद्रों के स्ट्रॉन्ग रूमों की 24 घंटे ऑनलाइन निगरानी सीसीटीवी के माध्यम से कराई जा रही थी। मूल्यांकन के लिए लगाए गए थे डेढ़ लाख परीक्षक यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया-हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में मूल्यांकन के लिए करीब 3 करोड़ कापियां थीं, जिसके मूल्यांकन के लिए करीब डेढ़ लाख परीक्षक लगाए गए थे।यदि सभी परीक्षक समय से कापियों का मूल्यांकन करते तो सभी कापियों का मूल्यांकन 4 से 5 दिन में पूरा हो जाता लेकिन, परीक्षकों की लापरवाही से मूल्यांकन 15 दिन में पूरा हुआ है। परीक्षकों ने मूल्यांकन में ना आकर विभागीय कार्य के प्रति लापरवाही दिखाई है।उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज (यूपी बोर्ड) बोर्ड की कापियों के मूल्यांकन के दौरान मानक से कम कापियों का मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।यूपी बोर्ड ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की करीब तीन करोड़ कापियों का मूल्यांकन करने डेढ़ लाख परीक्षकों को करना था। 30-40प्रतिशत परीक्षकों ने 15 दिन में कापियों का मूल्यांकन किया जबकि बड़ी संख्या में परीक्षकों ने प्रतिदिन पांच से 20 कापियों का मूल्यांकन किया जिससे जो मूल्यांकन तीन से चार दिन में पूरा होना था, वह 15 दिन में पूरा हुआ। कौन परीक्षक कितनी कापियों का मूल्यांकन कितने दिन में किया है यह भी देखा जा रहा है। कम कापियों का मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

बनारस बार एसोसिएशन के अध्यक्ष की कार पर फायरिंग से हड़कंप, गोली लगने से मैकेनिक घायल

वाराणसी। वाराणसी के शिवपुर इलाके

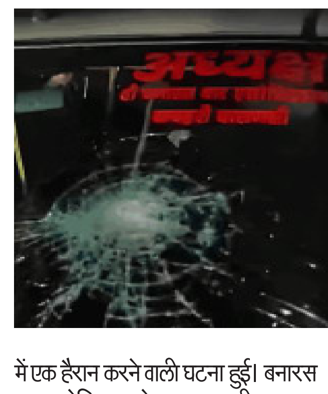

में एक हैरान करने वाली घटना हुई। बनारस बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश कुमार तिवारी की कार पर कुछ बदमाशों ने गोली चला दी। घटना के समय सतीश कुमार तिवारी कार में नहीं थे। एक मैकेनिक कार चला रहा था, जिसे गोली लग गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और बदमाशों को पकड़ने की कोशिश कर रही है। बदमाशों की कार पर भारत सरकार लिखा हुआ था। इस घटना ने वाराणसी की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह घटना शिवपुर थाना क्षेत्र के शुद्धिपुर में हुई। बनारस बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश कुमार तिवारी की कार रिपेयरिंग के लिए आई थी। मैकेनिक सोनू सोनकर और उसके साथी अशोक सोनकर और गणेश कार को धक्का देकर स्टार्ट कर रहे थे। वे शुद्धिपुर पेट्रोल पंप के सामने से यू-टर्न ले रहे थे। तभी बाबतपुर की ओर से एक सफेद रंग की कार आई और उनके पास आकर रुकी।कार में सवार दो लोगों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि गाड़ी ठीक से नहीं चलाने आता है। दोनों तरफ से बहस होने लगी। बहस के दौरान कार सवार एक युवक ने गोली चला दी। गोली मैकेनिक सोनू सोनकर के बाएं कंधे पर लगी। गोली की आवाज सुनकर कार में बैठे तीनों लोग डर गए। वे कार से निकलकर एक गली में भाग गए। बदमाश भी गिलट बाजार की तरफ भाग निकले। घायल मैकेनिक सोनू को उसके साथी अशोक सोनकर और गणेश सिंह मेडिकल ले गए। डॉक्टरों ने उसे बीएचयू के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। डॉक्टरों ने बताया कि सोनू खतरे से बाहर है।

खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि टीम वर्क, अनुशासन और समर्पण का उदाहरण है- समिक बसु

संचालन 'ए' की टीम ने थर्मल टाइटन्स को हराकर शील्ड पर किया कब्जा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अनपरा, सोनभद्र ।हिंडालको रेनुपावर डिवीजन रेनुसागर एवं फोनिक्स क्लब रेनुसागर के संयुक्त तत्वाधान में आदित्य बिड़ला इंटर मीडिएट कालेज के ग्राउण्ड में गुरुवार की देर शाम सर्किल क्रिकेट चैम्पियनशीप की फाइनल मैच के मुकाबले में संचालन 'ए' की टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर थर्मल टाइटन्स टीम को 5 विकेट से हराकर शील्ड पर कब्जा किया।इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि हिंडालको के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी समिक बसु ,क्लस्टर एच आर हेड हिंडालको रेणुकूट जसबीर सिंह एवं हिंडालको रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह ने टॉस कराकर खिलाड़ियों से परिचय करते मैच का शुभारम्भ किया।संचालन 'ए' की क्रिकेट टीम ने टॉस जीतकर पहले

फील्डिंग का निर्णय लिया। मैच के दौरान थर्मल टाइटन्स ने कप्तान नीरज तिवारी के नेतृत्व में पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 12 ओवर में सम्मानजनक स्कोर नही खड़ा कर पाया , मात्र 9ओवर 4 गेंद पर नितेश के 22 रन एवं मनोरंजन सिंह के 9 रनों के वदौलत 49 रन पर ही पूरी टीम आल आउट हो गयी।लेकिन संचालन 'ए' के गेंदबाजों गौरी शंकर,निशांत सिंह,दीपेश, विवेक तिवारी एवं गौरव ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर विपक्षी टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोके रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी संचालन 'ए' की टीम ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया और 3 विकेट खोकर राधे के 13 रन ,दीपेश के 10 रन एवं निशांत सिंह के 9 रनों के वदौलत 7 ओवर 4 गेंद पर लक्ष्य हासिल कर लिया।थर्मल टाइटन्स के मात्र एक सफल गेंदबाज नीरज तिवारी रहे जिन्होंने अपने टीम के लिये दो विकेट चटकाए।मैन ऑफ दी मैच दीपेश रहे।अम्पायर के रूप में दीपांश एवं अमित रहे।स्कोरर इमरान एवं मैच का आँखोदेखा हाल सुमित सिंह ,सीमा तूर एवं प्रभात पांडेय ने बताया।मैच के अंत मे खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर मुख्य अतिथि मुख्य मानव संसाधन अधिकारी समिक बसु ने अपने सम्बोधन में कहा कि खिलाड़ियों ने जो खेल भावना का परिचय दिया जो सराहनीय है।उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि टीम वर्क, अनुशासन और समर्पण का उदाहरण है।विशिष्ट अतिथि हिंडालको रेणुकूट के क्लस्टर हेड जसबीर सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि खेल हमारे जीवन में अनुशासन, सहयोग और प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देता है। हिंडालको रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह अपने सम्बोधन में कहा कि इस तरह के आयोजन कर्मचारियों में ऊर्जा, आत्मविश्वास और सौहार्द्र को बढ़ाते हैं। मैं आयोजन समिति के सफल नेतृत्व फोनिक्स क्लब के सचिव सुधाकर अन्नामलाई एवं उनकी टीम को इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद देता हूं और आशा करता हूं कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर होते रहेंगे।इस अवसर पर एच आर हेड शैलेश विक्रम सिंह, संचालन हेड मनीष जैन,मेंटिनेश हेड जगदीस पात्रा,कुमार हर्षवर्धन, दीपक पांडेय, मनु अरोरा,संदीप यावले ,अरबिंद सिंह, प्रणव सोनी,मृदुल भारद्वाज,मनीष सिंह, सुबोध दवे,ललित खुराना , के आर सन्तोष एवं राजीव मिश्रा रंजीत सिंह,संतोष तिवारी सहित भारी संख्या में क्रिकेट प्रेमी मौजूद रहे।

माँ वैष्णो मॉडर्न पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने रचा सफलता का इतिहास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। माँ वैष्णो मॉडर्न पब्लिक स्कूल, रॉबर्ट्सगंज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने इस वर्ष सीबीएसई की कक्षा 12वीं एवं 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं में अद्भुत प्रदर्शन कर शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालय का परचम बुलंद किया।कक्षा 12 के होनहार छात्र हर्षित सिंह ने 96प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। आयुषी शुक्ला ने 95.4प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान एवं यज्ञभान सिंह यादव ने 94प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी विद्वता का परिचय दिया। इनके साथ प्रखर चौहान (91प्रतिशत) एवं शिव कुमार पांडेय (90प्रतिशत) ने भी श्रेष्ठ प्रदर्शन कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। विशेष उल्लेखनीय है कि इस वर्ष विद्यालय के 30 से अधिक विद्यार्थियों ने 80प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। कक्षा 10 में भी विद्यार्थियों का प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा। श्रेयांश सिंह ने 97प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया और साथ ही सीबीएसई आर्यभट्ट गणित चौलेंज (प्रयागराज जोन) में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी गणितीय प्रतिभा का डंका बजाया। आराधना पटेल ने 94.2प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान तथा वैभव सिंह ने 92.8प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान अर्जित किया। वैभव भी आर्यभट्ट गणित चौलेंज के जोनल टॉपर रह चुके हैं। इस वर्ष विद्यालय कक्षा 10 के 44 से अधिक विद्यार्थियों ने 80प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। इस गौरवशाली उपलब्धि पर विद्यालय के संस्थापक-संरक्षक रमाशंकर दुबे ने छात्रों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं, विद्यालय के सम्माननीय प्रधानाचार्य सत्यदेव श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया और अपने प्रेरणादायक शब्दों से विद्यार्थियों को नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ने हेतु प्रेरित किया।इस अवसर पर विद्यालय परिवार के वरिष्ठ शिक्षकगण संजय पाण्डेय, कृष्णानंद मिश्र,गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को और भी विशेष बना दिया।

सोनभद्र में डेंगू की मुफ्त जांच की सुविधा, सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों के लिए आरक्षित बेड

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अश्वनी कुमार ने राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। जिले में डेंगू रोगियों के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 5 बेड और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 2 बेड मच्छरदानी के साथ आरक्षित किए गए हैं। राज्य स्वास्थ्य मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय लोढ़ी में 10 बेड की व्यवस्था की गई है। सभी स्वास्थ्य केंद्रों और हेल्थ वेलनेस सेंटर पर डेंगू की जांच निःशुल्क है। जिला चिकित्सालय लोढ़ी में सेंटीनल लैब में एलाइजा रीडर से डेंगू की पुष्टि की जाती है। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी वी.बी.डी. ने बताया कि डेंगू मादा एडीज मच्छर से फैलता है। इसे टाइगर मच्छर भी कहा जाता है। यह मच्छर घरों के अंदर साफ पानी में पनपता है।जिला मलेरिया अधिकारी, सोनभद्र ने बताया कि डेंगू से बचने हेतु सोर्स रिडक्शन एक महत्वपूर्ण उपाय है। प्रत्येक व्यक्ति अपने घर के अन्दर असुरक्षित जलस्त्रोतो को नष्ट करे " प्रत्येक रविवार मच्छर पर वार तथा लार्वा पर प्रहार " की थीम के साथ साप्ताहिक साफ- सफाई अपने व्यवहार में लाये। जिले में प्लेटलेट्स की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई है। रावर्टसगंज के ब्लड बैंक में सरकारी अस्पतालों के लिए निःशुल्क और निजी अस्पतालों के लिए 300 रुपए में प्लेटलेट्स उपलब्ध हैं। साई हॉस्पिटल में 500 रुपए और हिंडाल्को हॉस्पिटल में 1100 रुपए में प्लेटलेट्स मिल सकते हैं। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, रेडक्रॉस सोसाइटी और व्यापार मंडल के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन लायंस क्लब सोनभद्र के सचिव श्री किशोरी सिंह ने किया।

संत जोसेफ कान्वेन्ट हाई स्कूल के बच्चों ने लहराया परचम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। संत जोसेफ कान्वेन्ट हाई स्कूल, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र के विद्यार्थियो का परचम विद्यालय की प्रधानाचार्या, सिस्टर किरन जार्ज ने बताया कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा ली गयी सत्र 2024-25 की कक्षा दशवीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम, संत जोसेफ कान्वेन्ट हाई स्कूल, राबर्ट्सगंज के लिए विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शत-प्रतिशत रहा। विद्यालय के छात्र प्रत्युष सावरियां ने 98.00 प्रतिशत अंक के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया, कौस्तुभि पाण्डेय ने 96.00 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान, दीक्षांत देव रघुवंशी और आयुष कुमार सिंह ने 95.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के 23 से अधिक छात्र-छात्राओं ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं जनपद का नाम रोशन किया है। सिस्टर किरन जार्ज ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उनके अभिभावकों को संयुक्त रूप से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

गोवध मामले में फरार आरोपी गिरफ्तारःसोनभद्र पुलिस ने पिकअप मालिक हरेंद्र को हिंदुआरी तिराहे से पकड़ा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस ने गोवध के एक मामले में ढाई साल से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान में रॉबर्ट्सगंज पुलिस ने गाजीपुर के रहने वाले हरेंद्र को हिंदुआरी तिराहे से गिरफ्तार किया।मामला 5 दिसंबर 2023 का है। उस दिन पिकअप नंबर यूपी 61 बीटी 2239 में 7 गोवंशीय पशुओं को वध के लिए ले जाया जा रहा था। पुलिस ने जब वाहन को रोकने का प्रयास किया तो आरोपियों ने पुलिस पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की। पुलिस की सतर्कता से आरोपी वाहन छोड़कर भाग गए।जांच में तीन आरोपियों की पहचान हुई। इनमें बिहार के कैमूर जिले के शमीम अंसारी और सद्दाम अंसारी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। तीसरा आरोपी पिकअप मालिक हरेंद्र था, जो घटना के समय वाहन में मौजूद था। वह लगातार फरार चल रहा था।15 मई 2025 को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने हरेंद्र को रात 8:40 बजे हिंदुआरी तिराहे से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ धारा 307 और गोवध निवारण अधिनियम समेत कई धाराओं में मामला दर्ज है। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया है।

रामपुर बरकोनिया पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट मे वांछित दो अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन के पर्यवेक्षण एंव क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल निर्देशन के क्रम में मंगलवार को मुखबिर खास सूचना पर थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस द्वारा मु0अ0सं0- 41/25 धारा -3(1) उ0प्र0 गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 मे फरार चल रहे 02 नफर अभियुक्तगण 1-राजकुमार यादव पुत्र विग्गन यादव ग्राम चिचलिक थाना मांची जनपद सोनभद्र हालपता ग्राम करौदिया थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र उम्र करीब 36 वर्ष, 2-छविनाथ उर्फ छब्बि पुत्र स्व0 काशी उर्फ मूरहू निवासी ग्राम रामपुर थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र उम्र करीब 38 वर्ष को उनके घर के पास से समय करीब 09.05 बजे गिरफ्तार कर दोनों अभियुक्तगण को न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार करने वाली टीम का विवरण- .कमल नयन दूबे थानाध्यक्ष ,.उ0नि0 सुक्खू राम यादव ,.उ0नि0 रामनिवास यादव ,उ0नि0 सियाराम सिंह , नरेन्द्र सिंह यादव , सन्तोष सरोज , मनीष प्रजापति

पुनः बी सागर को जिला संयोजक के पद की मिली जिम्मेदारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं पूर्व राज्यसभा सांसद बहन कुमारी मायावती के निर्देश पर बहुजन समाज पार्टी सोनभद्र के पूर्व जिला अध्यक्ष बी सागर के ऊपर भरोसा विश्वास जताते हुए बहुजन समाज पार्टी के कारवां को जनपद सोनभद्र में जन-जन पहुंचने के लिए बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर व बहुजन कांशीराम साहब के नीतियों व विचारों को एवं बहुजन समाज पार्टी के शासन में कराए गए कार्यों को जनता के बीच में पहुंचाने के लिए पुनः बी सागर को जिला संयोजक के पद पर आसीन कर जिम्मेदारी दिया गया जिससे कार्यकर्ताओं में हर्षो उल्लास का माहौल बना हुआ है। मुख्य रूप से - संतोष सिंह पटेल अमन मौर्य बलवंत रंगीला अवधेश विश्वकर्मा प्रदीप पांडे मुन्ना लाल भारती पवन प्रधान सहित सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

डाला नगर स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री में कचड़े को जलाने से उठने वाली बदबू व प्रदूषण को लेकर दिया ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। डाला नगर में स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री में कचड़े को जलाने से उठने वाली बदबू व प्रदूषण से परेशान होकर डाला नगर पंचायत अध्यक्षा फुलवंती गोंड़ ने सोशल मीडिया पर खुले शब्दों में दुर्गंध को रोकने को लेकर चेतावनी दी तो वहीं व्यापार मंडल अध्यक्ष मुकेश जैन द्वारा व नव निर्माण सेना के अध्यक्ष अंशु पटेल द्वारा ज्ञापन देकर सम्बंधित अधिकारियों से त्वरित संज्ञान लेने के लिए कहा है। स्थानीय नगर में स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री में कचड़े के जलने से फ़ैल रहे दुर्गंध को लेकर सोशल मीडिया से लेकर तमाम चौक चौराहों पर चर्चा हो रही हैं। बुधवार को डाला उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष मुकेश जैन के नेतृत्व में अल्ट्राटेक सीमेंट यूनिट के अधिकारीयों को ज्ञापन दिया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार ज्ञापन में यह बताया गया कि फैक्ट्री के अंदर बड़े पैमाने पर जलाये जा रहे कचड़े से आबो हवा प्रदुषित हो रही हैं तथा स्थानीय नगर वासियों का जीना दुश्वार हो गया है। कचड़े से उठने वाली बदबू इतनी अत्यधिक होती है कि नाक से स्वास तक लेने में दिक्कत होने लगती है।मजबूरन लोगों को नाक मुंह बांधे रखना पड़ता है ।नगर पंचायत डाला के लक्ष्मण नगर, रेक्सहवा डाला बाजार आदि जगह के लोगों को खाना बनाने के साथ खाने में भी असमर्थता हो रही है।इसके पूर्व में भी फोन द्वारा अल्ट्राटेक प्रबंधन के जिम्मेदार अधिकारीयों को कई बार इस संदर्भ में अवगत कराया गया लेकिन समस्या का निराकरण नहीं हो सका जिसको लेकर नगर वासियों में आक्रोश बढ़ रहा है। दुर्गन्ध से त्वरित निजात दिलाने का काम करें अन्यथा लोगों की समस्या को देखते हुए संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी अल्ट्राटेक प्रबंधन की होगी।वहीं व्यापार मंडल अध्यक्ष मुकेश जैन ने बताया कि एचआर हेड संजीव सिंह राजपूत से मिलकर डाला नगर में फ़ैले दुर्गंध की समस्या को एक पत्रक देकर अवगत कराया गया है जिसको लेकर कम्पनी द्वारा कचरे से उत्पन्न बदबू को जल्द दूर कर लिया जायेगा का आश्वासन दिया गया है।इस मौके पर साकिर अली,डॉ योगेश कृष्ण, हनुमान अग्रहरी आदि लोग मौजूद रहे। वहीं इस सम्बन्ध में डाला नगर पंचायत अध्यक्षा द्वारा अल्ट्राटेक को नगर पंचायत की हवा में ज़हर घोलने की समस्या को लेकर हानिकारक कचरा जलाना बंद नहीं किया तो नगर पंचायत का हर नागरिक आपके खिलाफ सड़कों पर उतर आएगा सोशल मिडिया पर पोस्ट करके चेतावनी दी,फेसबुक पर पोस्ट होते ही चेयरमैन के पक्ष सैकड़ों लोग समर्थन पर आ गए।साथ ही फेसबुक पर ही नगर पंचायत अध्यक्ष ने बताया की अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री द्वारा खुलेआम कचरा जलाना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि हमारी सेहत और हमारे पर्यावरण के साथ भी घोर अन्याय है।हमने धैर्य रखा, हमने उम्मीद कि शायद उनकी समझ में आएगा। लेकिन अब पानी सिर से ऊपर जा चुका है। हमारी सहनशीलता अब समाप्त हो रही है।अल्ट्राटेक, आप हमारे नीले आकाश को धुएँ से काला कर रहे हैं, हमारी स्वच्छ हवा को जहरीला बना रहे हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष होने के नाते, आपको स्पष्ट रूप से चेतावनी देती हूँः यदि आपने तुरंत यह गैरकानूनी और हानिकारक कचरा जलाना बंद नहीं किया, तो नगर पंचायत का हर नागरिक आपके खिलाफ सड़कों पर उतर आएगा।अल्ट्राटेक, सुधर जाइए, वरना नगर पंचायत आपको सुधार देगा।नव निमार्ण सेना के अध्यक्ष अंशु पटेल ने बताया कि अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री में बाहर से आ रहे कचड़े के जलने से आज पुरा नगर परेशान हैं।बदबू इतनी तेज होती हैं कि कोई भी एक जगह पर खड़ा नहीं हो सकता हैं। अल्ट्राटेक कंपनी के कार्यों से हमें आपत्ति नहीं है लेकिन बदबू को रोकने के लिए कार्य करना होगा।आज कई महिनों इस कार्यालय से लेकर उस कार्यालय तक सभी के दरवाजे खटखटा कर इस समस्या से अवगत करवाया जा चुका हैं। अंशु पटेल ने बताया कि बुधवार को सभासद अवनीश पांडेय,प्रशांत पाल समेत दर्जनों लोगों ने डाला चौकी प्रभारी को ज्ञापन सौंपा हैं।

आप'' का भाजपा पर ह्यूमन बैनर हमला, पीओके का छोड़ा मौका-पीएम का देश को धोखा, इतिहास में भारतीय सेना का शौर्य-पराक्रम मोदी की कायरता दोनों होगे दर्ज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बढ़ौली स्वर्णजयंती चौक पर शनिवार को आम आदमी पार्टी ने बिना कोई लक्ष्य हासिल किए पाकिस्तान के साथ युद्ध विराम करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसले पर "आप" ने सोनभद्र के बढ़ौली स्वर्णजयंती चौक पर जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पार्टी का कहना है कि भारतीय सेना पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) वापस कब्जा कर सकती थी, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति के दबाव में आकर प्रधानमंत्री ने यह सुनहरा मौका गंवा कर भारतवासियों को धोखा दिया है।"आप" जिलाध्यक्ष रमेश गौतम ने कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछ रहा है कि उन्होंने पाकिस्तान से इतनी आसानी से साथ सीजफायर क्यों कर दिया? पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना की कार्रवाई को लेकर पूरा विपक्ष एकजुट था। साथ ही, आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, सपा समेत सभी विपक्षी दल प्रधानमंत्री के साथ खड़े थे। प्रधानमंत्री के पास 56 इंच की छाती दिखाने का यह बड़ा मौका था। लेकिन मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के दबाव में आकर सीजफायर कर पाकिस्तान को सबक सिखाने और पीओके वापस लेने का बहुत अच्छा मौका था। लेकिन मोदी ने यह मौका खो दिया। अब ऐसा अच्छा मौका शायद मिले। आज पाकिस्तान कह रहा है कि उसने भारत को हरा दिया। सीजफायर के बाद भी पाकिस्तान से ड्रोन भारत की सीमा में देखे जा रहे हैं। उधर, 'आप' यूथ प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश चौरसिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था और सभी विपक्षी दलों के साथ पूरा भारतीय उनके साथ खड़ा था। हर भारतीय पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों का बदला लेना चाहता था। जब अमेरिका के राष्ट्रपति से यह खबर मिलती है कि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम हो गया है, तो हर भारतीय को गहरा धक्का लगा। क्योंकि यह खबर हमारे प्रधानमंत्री या भारतीय सेना से मिलनी चाहिए थी। जब यह मामला भारत पाकिस्तान का है तो हमें सीजफायर की जानकारी तीसरे देश के प्रमुख से क्यों पता चलता है? आज हर एक भारतीय बहुत निराश है। भारत के पास पीओके वापस लेने का बहुत अच्छा मौका था। विपक्ष समेत पूरा भारत नरेंद्र मोदी के साथ था। शायद ऐसा मौका फिर न मिले। वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष केवल कुशवाहा ने कहा कि जब चंडीगढ़ में स्वयंसेवकों की भर्ती की बात थी, तो ढेरों युवा एक साथ आकर कहने लगे कि हम भारतीय सेना और केंद्र सरकार का समर्थन करेंगे। हम भारत के साथ हैं। लेकिन प्रधानमंत्री ने ट्रंप के दबाव में आकर युद्धविराम कर दिया। आज हर भारतीय इस फैसले से बहुत नाराज है और हम इसका विरोध करेंगे। किसी भी राजनीतिक दल ने नरेंद्र मोदी या केंद्र सरकार के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया। सभी दलों ने कहा कि हम एकजुट होकर खड़े हैं। लेकिन अमेरिका के दबाव में युद्धविराम घोषित किया गया। इसमें कोई समझौता भी नहीं हुआ। उधर पाकिस्तान युद्ध जीतने का दावा कर रहा है। यह बहुत दुख की बात है कि जब हर भारतीय एकजुट था, तब प्रधानमंत्री ने युद्धविराम करवा दिया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष गोविंद चौबे, संरक्षक राजेंद्र मौर्या, विधान सभा अध्यक्ष दिनेश पटेल, अनवर अली अंसारी, प्रेम नाथ कन्नौजिया, विनोद शर्मा, कमला प्रसाद, लक्ष्मण मौर्या, परदेशी पटेल, शमशान अली, गुलाम रसूल आदि शामिल रहे।

'सम्पूर्ण समाधान दिवस'पर डीएम एसपी ने सुनी फरियादियों की समस्याए

सोनभद्र। 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' के अवसर पर जिलाधिकारी बद्रीनाथ सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा द्वारा संयुक्त रूप से तहसील घोरावल पर जन शिकायतों को सुना गया तथा 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' के अवसर पर आये फरियादियों की समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। साथ ही निर्देशित किया गया कि जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके। इसी क्रम में अपर जिलाधिकारी सहदेव मिश्रा व अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह सीओ रणधीर मिश्रा द्वारा तहसील सदर पर व जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारियों द्वारा अपने सर्किल में पड़ने वाले तहसील पर 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को सुना गया तथा सम्बन्धित को त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

मंत्री ने ग्रैंड अगस्त्य परिवार को नए प्रतिष्ठान की दिए शुभकामनाएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भाजपा के वरिष्ठ नेता मध्य प्रदेश शासन में मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम विभाग प्रह्लाद पटेल के सिंगरौली आगमन पर मध्य प्रदेश टूरिज्म के प्रतिष्ठित होटल ग्रैंड अगस्त्य में भव्य स्वागत किया गया। स्वागत के इस अप्रतिम क्षण में जिले के सांसद,मध्य प्रदेश शासन की राज्य मंत्री एवं सभी विधायक व अन्य जनप्रतिनिधि, संगठन के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मंत्री ने ग्रैंड अगस्त्य परिवार को इस नए प्रतिष्ठान की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दिया।पारिवारिक वातावरण में अपना महत्वपूर्ण समय विताकर संचालकों का धनबाद किया।संचालक बंधु राकेश अहलावत, अशोक पूनिया एवं चड्ढा ने मंत्री के आगमन के लिए कृतज्ञता ज्ञापित किया।इस अवसर पर मंत्री जिले में आयोजित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं पारिवारिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। श्रृंगी ऋषि की तपस्थली सिंगरौली में आपका हार्दिक स्वागत बंदन अभिनंदन है ।

5 हजार से ज्यादा बकाया होने पर कट जाएगी बिजलीःकनेक्शन जुड़वाने के लिए 10 से 25फीसदी राशि जमा करनी होगी

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज में स्मार्ट मीटर वाले घरों में बिजली बिल के बकाया को लेकर नए नियम लागू किए गए हैं। विद्युत वितरण खंड रॉबर्ट्सगंज के अधिशासी अभियंता एके. सिंह ने बताया कि नगर क्षेत्र में अब तक 14 हजार घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। करीब 2500 और स्मार्ट मीटर लगाए जाने बाकी हैं।नए नियमों के तहत स्मार्ट मीटर में 5 हजार रुपए से अधिक बकाया होने पर बिजली कनेक्शन स्वतः बंद हो जाएगा। एक किलोवॉट भार तक के उपभोक्ताओं को कनेक्शन दोबारा चालू करवाने के लिए बकाया राशि का कम से कम 10 प्रतिशत जमा करना होगा। दो किलोवॉट या उससे अधिक भार वाले उपभोक्ताओं को बकाया का 25 प्रतिशत जमा करना अनिवार्य होगा। उपभोक्ताओं को कनेक्शन जुड़वाने के लिए बिल भुगतान की रसीद खंडीय कार्यालय में दिखानी होगी। कनेक्शन जोड़ने का काम सिर्फ कार्यदिवस में शाम 6 बजे तक ही किया जाएगा। इसके बाद अगले दिन सुबह 10 बजे से ही कनेक्शन जोड़े जाएंगे। अगर मीटर में विद्युत सप्लाई दिखने के बावजूद बिजली नहीं आ रही है, तो इसका मतलब है कि बकाया के कारण कनेक्शन कट गया है।

ऑटो पलटने से दो की मौतःराबर्ट्सगंज से आ रहे 8 यात्री घायल, दो बुजुर्गों ने दम तोड़ा

सोनभद्र। रामगढ़ में एक तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि 8 लोग घायल हो गए।राबर्ट्सगंज से रामगढ़ की ओर जा रहा ऑटो जैसे ही बैलोंडी गांव के पास पहुंचा। अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में 60 वर्षीय विश्वनाथ और 80 वर्षीय सम्पत देवी की मौत हो गई। दोनों शाहपुर के रहने वाले थे।घायलो मे सरयीं निवासी 60 वर्षीय पारस और कमलाकांत, करवनिया के 40 वर्षीय कुमार, शाहपुर के 50 वर्षीय राम आधार, रायपुर थाना क्षेत्र के बिजवार निवासी 50 वर्षीय कमला और उनकी 8 वर्षीय बेटी किरण, तथा शिवगढ़ की 25 वर्षीय मंजू शामिल हैं।हादसे में साइकिल क्षतिग्रस्त पुलिस ने सभी घायलों को एम्बुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तियरा चतरा पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने विश्वनाथ और सम्पत देवी को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का इलाज जारी है।ऑटो में समाज कल्याण विभाग की ओर से निशुल्क साइकिल लेकर लौट रही तीन लड़कियां भी सवार थीं। हादसे में उनकी साइकिलें क्षतिग्रस्त हो गईं। एक लड़की को मामूली चोटें आई हैं।थाना प्रभारी दिनेश प्रकाश पांडेय के अनुसार, ऑटो को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

थाना म्योरपुर पुलिस द्वारा फरार चल रहे 01 नफर वारण्टी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम में फरार चल रहे व पुरस्कार घोषित अपराधियों तथा वांछित वारण्टियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) व क्षेत्राधिकारी दुद्धी के कुशल निर्देशन में थाना म्योरपुर पुलिस द्वारा मा0 न्यायालय जेएम सोनभद्र द्वारा निर्गत वारण्ट के क्रम में मु0नं0- 690/13 अंतर्गत धारा 323, 504, 506, 427 भादवि से सम्बन्धित 01 नफर वारण्टी अभियुक्त सीताराम पुत्र जयमंगल निवासी ग्राम म्योरपुर, थाना म्योरपुर जनपद, सोनभद्र उम्र करीब 75 वर्ष को आज दिनाँक 17.05.2025 को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- सीताराम पुत्र जयमंगल निवासी ग्राम म्योरपुर, थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र उम्र करीब 75 वर्ष।गिरफ्तारी करने वाले पुलिस टीम- 1.उ0नि0 सुभाषचद्र मिश्रा थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र, 2.हे0का0 योगेन्द्र कुमार यादव थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र।

आगरा में दूसरे के नाम चल रही पेठा दुकाने, नकली देकर ब्रांड कर रहे थे बदनाम, पुलिस ने 12 बोर्ड उतरवाए

आगरा। 'पंछी पेठा' के नाम पर

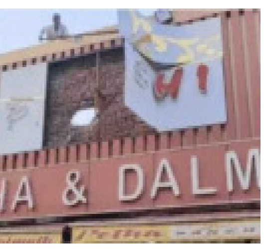

नकली दुकानें चल रही थीं। इस पर पुलिस ने शनिवार को अभियान चलाकर 12 दुकानों के बाहर लगे बोर्ड हटवा दिए। ये कार्रवाई 'पंछी पेठा' वालों की शिकायत पर की गई। उनके पास शिकायत आ रही थी कि 'पंछी पेठे' के नाम पर लोगों को नकली पेठा दिया जा रहा है। इससे उनके ब्रांड का नाम बदनाम हो रहा था।'पंछी पेठा' के नाम से शहर में दर्जनों दुकानें हैं। इसमें से कितनी असली पंछी वालों की है, इसकी जानकारी किसी के पास नहीं है।'पंछी पेठा' के असली मालिक सुभाष चंद गोयल और अमित गोयल ने पुलिस में शिकायत की। कहा-कई लोग मेरे ब्रांड के नाम पर शहर में व्यापार कर रहे हैं। इस वजह से पिछले 2 साल मुझे करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है।साथ ही लोगों को खराब क्वालिटी दे रहे हैं। इससे मेरे ब्रांड की साख बिगड़ रही है। दुकानों पर 'पंछी पेठा' के बोर्ड लगवा लिए हैं।ग्राहक को असली नकली का अंतर नहीं पता है। कई बार खराब पेठे की शिकायत भी होती है। इससे 'पंछी पेठा' की क्रेडिबिलिटी खत्म हो रही है।वहीं, पुलिस ने 'पंछी पेठा' और नमकीन के नाम से संचालित दुकानों से बोर्ड और बैनर उतरवा दिए गए। फतेहाबाद रोड, ताजगंज में कई दुकानों पर कार्रवाई की। इसके बाद शहर में भी यह अभियान चलाया जाएगा।

कांग्रेस अपने ही नेता से क्यों जलती है? शशि थरूर की काबिलियत पर सियासी घमासान, बीजेपी ने पूछा सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि

थरूर की अंतरराष्ट्रीय ख्याति और वाकपटुता की बीजेपी ने जमकर तारीफ की, लेकिन साथ ही सवाल भी उठाया कि अगर थरूर इतने काबिल हैं, तो उनकी अपनी पार्टी में उनकी जगह क्यों नहीं बन पा रही? बीजेपी प्रवक्ता अमित मालवीय ने तंज कसते हुए पूछा कि क्या कांग्रेस को थरूर से जलन है? या वो पार्टी की 'हाई कमान' से ज्यादा लोकप्रिय होने की सजा भुगत रहे हैं?'यह सारा खेल शुरू हुआ 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। सरकार ने इस हमले के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च किया और थरूर को एक खास जिम्मेदारी सौंपी। उन्हें सात दलों के एक समूह का नेतृत्व करना था, जो दुनिया भर में जाकर भारत का पक्ष रखेगा और पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ आवाज बुलंद करेगा। थरूर ने एक्स पर लिखा, 'जब देश को मेरी जरूरत होगी, मैं पीछे नहीं हटूंगा। जय हिंद!'कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने खुलासा किया कि राहुल गांधी ने इस मिशन के लिए कुछ नेताओं की लिस्ट किरेन रिजिजू को दी थी, लेकिन उसमें थरूर का नाम नहीं था। बीजेपी ने इस पर चुटकी लेते हुए कहा, 'इतने बड़े कद के नेता को कांग्रेस ने क्यों नजरअंदाज किया?' रमेश ने बाद में सफाई दी कि शायद रिजिजू ने मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से बाद में बात की, और किसी खास नाम पर चर्चा नहीं हुई।थरूर के सरकार के साथ कदमताल करने से कांग्रेस के कुछ नेताओं की भवें तन गईं। कांग्रेस वर्किंग कमेटी (ण्ण्) की मीटिंग में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य नेताओं ने साफ कहा कि 'यह व्यक्तिगत विचार रखने का समय नहीं है।' एक नेता ने तो थरूर पर 'लक्ष्मण रेखा पार करने' का आरोप तक लगा दिया। जयराम रमेश ने भी दो टूक कहा, 'थरूर जो बोलते हैं, वो उनका निजी विचार है, पार्टी का नहीं।'सरकार ने इस मिशन के लिए अलग-अलग पार्टियों के 'बेस्ट स्पीकर्स' को चुना है, ताकि दुनिया को भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति समझाई जा सके। थरूर के अलावा इस लिस्ट में बीजेपी के रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, जेडी(यू) के संजय झा, डीएमके की कनिमोझी, एनसीपी-एसपी की सुप्रिया सुले और शिवसेना के श्रीकांत शिंदे शामिल हैं। चार नेता एनडीए से हैं, जबकि तीन इंडिया ब्लॉक से। मालवीय ने इस लिस्ट पर तंज कसते हुए कहा, 'कांग्रेस के चुने हुए नाम हैरान करने वाले हैं!'पहलगाम हमला 22 अप्रैल को हुआ था, जिसमें 26 लोगों की जान गई। इसके जवाब में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया, जो पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ एक सैन्य कार्रवाई थी। अब थरूर और उनका समूह दुनिया को यह बताएगा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ कितना सख्त है। तिरुवनंतपुरम से सांसद और विदेश मामलों की संसदीय समिति के अध्यक्ष शशि थरूर ने इस पूरे मामले में गरिमा बनाए रखी। उन्होंने हाल के इंटरव्यू में ऑपरेशन सिंदूर और भारत के रुख का खुलकर समर्थन किया। लेकिन उनकी इस सक्रियता ने कांग्रेस के कुछ नेताओं को असहज कर दिया।

हिंदुत्व छोड़कर नरक में गिरे, अब कर रहे स्वर्ग की तलाश... एकनाथ शिंदे ने उद्धव सेना पर बोला हमला

ठाणे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री

एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत की लिखी पुस्तक के विमोचन से पहले पार्टी पर निशाना साधा है। शिंदे ने उद्धव सेना पर सत्ता के लिए दिवंगत बाल ठाकरे की हिंदुत्व विचारधारा को त्यागने का आरोप लगाया है। राउत की किताब 'नरकतला स्वर्ग' (नरक में स्वर्ग) का शनिवार शाम को मुंबई में विमोचन किया जाएगा। शिंदे ने ठाणे में संवाददाताओं से कहा कि अगर वे बालासाहेब ठाकरे के आदर्शों के प्रति वफादार रहे होते, तो वे नरक में नहीं गिरते और आज ऐसी स्थिति में नहीं पहुंचते जहां वे अब स्वर्ग की तलाश कर रहे हैं। एकनाथ शिंदे ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे हिंदुत्व की विचारधारा में पूरी तरह से निहित थे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसे नेताओं के प्रति उनके मन में अपार सम्मान था। उन्होंने कहा कि बालासाहेब ने गुजरात और देश के लिए उनकी प्रतिबद्धता और काम को पहचाना था। ठाकरे की दूरदर्शिता ने मोदी-शाह को हिंदुत्व के सही पथप्रदर्शक के रूप में पहचाना।उद्धव ठाकरे का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि जो लोग अब कांग्रेस के साथ जुड़ गए हैं और बालासाहेब के आदर्शों को त्याग दिया है, वे उनके फैसलों के पीछे के कारणों को कभी नहीं समझ पाएंगे। उन्होंने कहा कि वे उनकी विरासत से बहुत दूर चले गए हैं। साल 2022 में शिंदे के विद्रोह से शिवसेना विभाजित हो गई थी। इसके बाद ठाकरे को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

वाराणसी के 50 दरोगा एफआईआर तक नहीं लिख पाते, 589 में से 145 रिव्यू में फेल हुए, भड़के कमिश्नर ने लगाई क्लास

वाराणसी। यूपी में कमिश्नरेट लागू होने के बाद पहली बार वाराणसी में पुलिसिंग का रिव्यू किया गया। इसमें कई सब इंस्पेक्टर की पोल खुल गई। रिव्यू में 589 दरोगा शामिल हुए। इनमें 145 ऐसे निकले, जो 75 में 25 नंबर भी नहीं ला सके। रिव्यू में सामने आया कि 50 से ज्यादा दरोगा ईंट तक नहीं लिख पाते। 6 दरोगा 'स्टार परफॉर्मर' बने, इन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। वहीं, फेल होने वालों को विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने कहा- रिव्यू से ही सबकी रिपोर्ट तैयार की जाएगी।पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने अपने कैंप कार्यालय में शुक्रवार की देर शाम मंथली रिव्यू किया। उन्होंने बताया- कमिश्नरेट में तैनात सब इंस्पेक्टर के मासिक कार्य के आधार पर उनकी परफार्मेंस रिपोर्ट तैयार की गई है। 75प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले सब इंस्पेक्टर में मंडुवाडीह थाने के राजदर्पण तिवारी व अमरजीत कुमार, रोहनिया थाने के विकास कुमार मौर्य, चेतगंज थाने की मीनू सिंह, कोतवाली थाने की निहारिका साहू और रामनगर थाने की अंशू पांडेय शामिल हैं।589 सब इंस्पेक्टर में 145 न्यूनतम अंक 33प्रतिशत भी नहीं पा सके। इन सभी को एक माह के लिए पुलिस लाइन में

अटैच कर प्रशिक्षण कराया जाएगा। 100 दरोगा ऐसे निकले, जिन्हें पब्लिक डीलिंग नहीं आती है। वहीं, 444 ने संतोषजनक अंक पाए। कार्यशैली में सुधार के प्रशिक्षण के साथ परेड और फुट पेट्रोलिंग भी कराई जाएगी। इसके अलावा रिव्यू के आधार पर फेल दरोगा के परफॉर्मेंस में सुधार के लिए प्रत्येक दिन 10-10 दरोगा की पुलिस कमिश्नर खुद काउंसलिंग करेंगे। कामकाज के ढर्रे में सुधार न होने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने कैंप कार्यालय पर क्राइम मीटिंग में जनता की शिकायतों के निस्तारण, सुगम यातायात व अपराध नियंत्रण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सबसे पहले हुक्का बार व स्पा सेंटर में अनैतिक गतिविधियों पर कार्रवाई की जाए। एसीपी और थानेदार शहर में आनॅलाइन सट्टा, जुआं पर नकेल कसें। इसके अलावा सड़कों पर स्टंट करने वाले, ब्लैक फिल्म लगी गाड़ियों, शराब तस्करों पर एक्शन लें। लूट, चैन स्नैचिंग समेत आपराधिक घटनाएं भी रुकनी चाहिए। पुलिस कमिश्नर ने बाजारों में रात्रि गश्त कर चोरी रोकने और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी समेत फुट पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही सीयूजी फोन अनिवार्य रूप से अटेंड करने की चेतावनी दी।वाराणसी में महिला से अभद्रता और उसे थाने से भगाने वाले इंस्पेक्टर को थाने का चार्ज दिया गया है। दागी इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार को मिर्जा मुराद थाने का नया एसएचओ बनाया गया है। 5 महीने पहले 29 दिसंबर 2024 को इंस्पेक्टर प्रमोद लाइन हाजिर किए गए थे। उन्हें बाद में डायल-112 का प्रभारी बनाया गया था। क्राइम मीटिंग के दौरान पुलिस कमिश्नर ने लाइन हाजिर करने का आदेश दिया था, शुक्रवार को ऐसी ही एक मीटिंग में उन्हें इंस्पेक्टर मिर्जामुराद के तौर पर तैनाती का आदेश किया गया। असफल निरीक्षक सुधीर कुमार त्रिपाठी को लाइन हाजिर किया गया है। क्षेत्र में उनकी शह पर जुआ होने और आरोपियों पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप भी लगता रहा है।

अब नहीं उछल पाएगा तुर्किये! फ्लिपकार्ट और रिलायंस ने दी ऑनलाइन 'चोट', सामान आउट ऑफ स्टॉक

नई दिल्ली। पाकिस्तान के प्रेम में पगलाए तुर्किये को बहुत दिनों तक झेलने के बाद अब भारत ने टाइट करना शुरू कर दिया है। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच जिस तरह से तुर्किये ने खुलकर पाक का साथ दिया, वो हिमाकत तो चीन भी ना कर पाया। तुर्किये की हरकत के बाद भारतीय जनता में बड़ा गुस्सा है। लोग तुर्किये से आने वाले सामानों का बहिष्कार कर रहे हैं। अब फ्लिपकार्ट और रिलायंस ने भी तुर्किये के ब्रैंड्स को ऑनलाइन चोट पहुंचाना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फ्लिपकार्ट की एक और शॉपिंग वेबसाइट मिंत्रा और रिलायंस के आजयियो पर कई तुर्कीश ब्रैंड को आउट ऑफ स्टॉक कर दिया गया है। ऐसे में अगर कोई गलती से भी इन ब्रैंड्स का सामान खरीदता, तो वह गुंजाइश भी खत्म कर दी गई है।मिंत्रा ने तुर्किये के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ट्रेंडयॉल के मार्केटिंग राइट्स भारत में खरीदे हैं। टीओआई टेक की रिपोर्ट के अनुसार, मिंत्रा ने पर लिस्ट सभी तुर्कीश ब्रैंडों की सेल को अस्थायी तौर पर सस्पेंड कर दिया है। यह ब्रैंड महिलाओं के बीच काफी पॉपुलर है। रिपोर्टों के अनुसार, मिंत्रा अपनी पार्टनरशिप को फिर से देख रही है। इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि तुर्कीश बैंड अब मिंत्रा पर कब आएंगे। कहा यह भी जा रहा है कि इस तरह की पार्टनरशिप को हमेशा के लिए बंद किया जा सकता है।रिलायंस के आजिया पर तमाम तुर्कीश ब्रैंड और कपड़े सेल किए जाते हैं। ये सभी ब्रैंड आउट ऑफ स्टॉक दिखा रहे हैं। एनबीटी टेक ने इन सभी ब्रैंड की उपलब्धता आजियो पर चेक की। ब्रैंड्स के प्रोडक्ट ऐप पर लिस्ट तो हैं, लेकिन उन्हें खरीदा नहीं जा सकता है। सभी प्रोडक्ट आउट ऑफ स्टॉक दिखाए जा रहे हैं। ईटी से बातचीत में रिलायंस के स्पोक्सपर्सन ने कहा है कि देश के लोगों के साथ अपनी एकजुटता दिखाने के लिए हम अपने ऑफर्स को फिर से परख रहे हैं। यह भी बताया गया है कि रिलायंस ने तुर्की में अपना ऑफर्स बंद कर दिया है और जल्छ आजयियो से तुर्कीश ब्रैंड्स को हटा दिया जाएगा।रिलायंस ने कुछ साल पहले तुर्की की एक टेक्सटाइल कंपनी के साथ पार्टनरशिप की थी। वह भी अब खत्म हो गई है। कंपनी ने कहा है कि तुर्कीश ब्रैंड भी अब उन्हें ग्लोबल कस्टमर्स में शामिल हो गए हैं, जिन्हें हम खास तरह से ट्रीट नहीं करते। कंपनी ने कहा है कि उसने शुक्रवार को आजियो से सभी तुर्कीश ब्रैंड को हटा दिया है। हालांकि लिस्टिंग में ये ब्रैंड अभी भी दिख रहे हैं। ऐप से पूरी तरह ब्रैंड्स को रिमूव नहीं किया गया है

एलन मस्क ने अपना नाम बदलकर रखा 'केकियस मैक्सिमस', क्या है इसका मतलब? जानें

नई दिल्ली। टेस्ला और स्पेस एक्स जैसी कंपनियों के सीईओ एलन मस्क पहचाने जाते हैं अपने अजीबोगरीब कारनामों के लिए। कहने को तो वो दुनिया के सबसे अमीर लोगों की फेहरिस्त में आते हैं, लेकिन उनके कई काम चर्चा की वजह बन जाते हैं। एलन मस्क ने अपना नाम बदल दिया है। एक बारगी यकीन नहीं होगा, लेकिन ऐसा हुआ है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एलन मस्क ने यह किया है। शनिवार को उन्होंने अपनी प्रोफाइल में नाम बदलकर केकियस मैक्सिमस रख लिया। हाल ही में उनकी प्रोफाइल फोटो पर मस्क का नाम गोर्कलोन रस्ट था। नाम बदलने के साथ-साथ मस्क ने अपनी प्रोफाइल फोटो को भी चेंज किया है। एक्स पर अपना नाम बदलने के अलावा मस्क ने प्रोफाइल फोटो भी चेंज कर लिया है। फोटो में वह कवच वगैरह पहने हुए दिख रहे हैं, जैसे किसी जंग के लिए रवाना होने वाले हैं। फोटो में उन्होंने खुद को केकियस मैक्सिमस का सम्राट बताया है। ऐसे में यह जानना भी जरूरी हो जाता है कि आखिर केकियस मैक्सिमम है क्या और मस्क इसे क्यों प्रमोट कर रहे हैं।रिपोर्टों के अनुसार, केकियस मैक्सिमस एक क्रिप्टो करेंसी है। जब से एलन मस्क ने उसे प्रचारित किया है, क्रिप्टो करेंसी की कीमत बढ़ गई है। टीओआई टेक की रिपोर्ट के अनुसार, भले यह नाम रोमन सम्राट जैसा लगता है लेकिन केक शब्द का इस्?तेमाल इंटरनेट पर त्दत यानी जोर से हंसने के संदर्भ में किया जाता है। मैक्सिमस एक लैटिन शब्द है जिसका मतलब होता है सबसे बड़ा। रिपोर्ट के अनुसार, जब से मस्क ने इस नाम को अपनाया है, क्रिप्टो करेंसी की वैल्यू बढ़ गई है। बीते 24 घंटे में इसके ट्रेडिंग वॉल्यूम में 72 फीसदी से अधिक का इजाफा हुआ है। इससे पहले मस्क ने गोर्कलोन रस्ट नाम रखा था, जोकि एक मीम कॉइन को दर्शाता है।एलन मस्क चर्चाओं में बने रहते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों में उन्होंने खुलकर डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया था। ट्रंप के सत्ता में

अमेरिका 1, भारत 2... यह कैसी लिस्ट जिसने दुनिया को किया हैरान, चीन इतना पीछे कैसे?

नई दिल्ली। पिछले हफ्ते भारतीय शेयर बाजार ने कमाल किया है। निफ्टी50 इंडेक्स 4.21प्रतिशत बढ़ा। इस वजह से भारत अमेरिका के बाद दुनिया के बाकी प्रमुख बाजारों से आगे निकल गया। वहीं, चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स सिर्फ 0.76प्रतिशत बढ़ा। इसलिए सवाल उठ रहा है कि चीन इतना पीछे क्यों रह गया। अमेरिका के बाजार जैसे नैस्डैक और एसएंडपी 500 जोरदार बढ़त बनाए हुए हैं। यूरोप के बाजारों में थोड़ी कम तेजी देखने को मिली। पिछले हफ्ते अमेरिका (नैक?डेक, एसएंडपी 500) के बाद भारत सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला दूसरा बाजार रहा। निफ्टी 50 इंडेक?स ने 4.21प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। अमेरिका के नैस्डैक में 7.15प्रतिशत की तेजी आई। यह टेक्नोलॉजी कंपनियों पर आधारित है। एसएंडपी 500 में 5.27प्रतिशत की बढ़त की गई। यह अमेरिकी बाजार का बड़ा इंडेक्स है। डॉव जोन्स में भी 3.41प्रतिशत की अच्छी तेजी आई। ये आंकड़े दिखाते हैं कि अमेरिकी बाजार भी मजबूत स्थिति में हैं।यूरोप के बाजारों में सीएसी 40 (फ्रांस) में 1.85प्रतिशत और डैक्स (जर्मनी) में

1.14प्रतिशत की बढ़त हुई। एफटीएसई 100 (ब्रिटेन) में भी 1.52प्रतिशत की तेजी आई। यूरोपीय बाजारों में थोड़ी कम तेजी देखने को मिली। एशिया के कुछ अन्य बाजारों में भी तेजी आई। हांगकांग के हेंग सेंग और दक्षिण कोरिया के कोस्पी में भी सकारात्मक बढ़त दर्ज की गई। चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स काफी पीछे रहा। इसमें सिर्फ 0.76प्रतिशत की बढ़त हुई। इसीलिए यह सवाल उठ रहा है कि चीन का बाजार इतना धीमा क्यों रहा।दरअसल, चीन की अर्थव्यवस्था में हाल के महीनों में कुछ चुनौतियां देखी गई हैं, जैसे कि प्रॉपर्टी सेक्टर में समस्याएं और उपभोक्ता खर्च में धीमी बढ़ोतरी। इस तरह की चिंताओं ने निवेशकों की धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। इससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ा। चीनी सरकार की तरफ से कुछ क्षेत्रों में लाए गए नए नियम या मौजूदा नियमों में सख्ती निवेशकों को सतर्क कर रही है। अनिश्चितता का माहौल निवेश को हतोत्साहित कर रहा है। भारतीय बाजार के तेजी से बढ़ने की वजह पिछले हफ्ते भारत (निफ्टी 50) के टॉप पर रहने के कई कारण हैं। भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। आगे भी इसके मजबूत रहने की उम्मीदें हैं। यह निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। भारतीय कंपनियों के हालिया तिमाही नतीजे अच्छे रहे हैं। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। भारत में विदेशी निवेशकों का अच्छा प्रवाह देखने को मिला है। इससे शेयर बाजार में तेजी आई है। भारत में घरेलू मांग मजबूत बनी हुई है, जो कंपनियों के प्रदर्शन को सहारा दे सकती है।

भारत के 25 लाख या अमेरिका के 75 लाख? दोनों में कौन बेहतर, एक्सपर्ट ने समझाया मैथ

नई दिल्ला। भारत में सालाना 25 लाख रुपये कमाना अमेरिका के वेतन के हिसाब से कम लग सकता है। लेकिन, वित्तीय तकनीक की जानकार शिवानी गेरा एक जरूरी बात बताती हैं। क्रय शक्ति समानता (परचेजिंग पावर पैरिटी - पीपीपी) के कारण भारत में 25

लाख रुपये सालाना अमेरिका में 70-75 लाख रुपये सालाना कमाने के बराबर है। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत में रहने का खर्च बहुत कम है। यह सिर्फ इतना ही नहीं है कि आप कितना कमाते हैं, बल्कि यह भी है कि उस कमाई से आप क्या-क्या खरीद सकते हैं। भारत में रोजमर्रा के खर्च जैसे किराया, बाहर खाना, घरेलू मदद, स्वास्थ्य सेवा और इंटरनेट अमेरिका से बहुत कम हैं। शिवानी गेरा के अनुसार, सिर्फ वेतन ही सब कुछ नहीं होता। असली बात यह है कि आप अपनी कमाई से क्या हासिल कर सकते हैं। भारत में 25 लाख रुपये कमाने वाला व्यक्ति अमेरिका में ज्यादा कमाने वाले व्यक्ति के बराबर जीवन जी सकता है।भारत में एक छोटे शहर में 1ँप्ख(एक बेडरूम, हॉल, किचन) अपार्टमेंट का किराया 45,000-55,000 रुपये हो सकता है। वहीं, अमेरिका में ऐसा ही अपार्टमेंट 1.5-2 लाख रुपये में मिलेगा। भारत में घरेलू नौकर रखना आम बात है और इसके लिए 12,000 रुपये महीने खर्च होते हैं। जबकि अमेरिका में इसके लिए 2.2 लाख रुपये से ज्यादा देने पड़ सकते हैं। रोजमर्रा के खर्चों में भी यही अंतर दिखता है। भारत में दो लोगों का खाना 500 रुपये में हो जाएगा, जबकि अमेरिका में 2,000 रुपये लगेंगे। भारत में इंटरनेट का खर्च 700 रुपये के आसपास होता है, लेकिन अमेरिका में यह 6,000 रुपये तक जा सकता है। यहां तक कि डॉक्टर के पास जाने की फीस भी भारत में 1,200 रुपये है, जबकि अमेरिका में यह लगभग 10,000 रुपये है।आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका में रहने का खर्च भारत से 263प्रतिशत ज?यादा है। किराया, किराने का सामान, सेवाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसी चीजों में 3 से 20 गुना तक का अंतर है। इसका मतलब है कि डॉलर में ज?यादा वेतन दिखने में अच्छा लग सकता है, लेकिन असल में बजट कम होता है और जीवनशैली में आराम कम होता है।कई भारतीय पेशेवरों के लिए भारत में 25 लाख रुपये सालाना का वेतन अच्छी जीवनशैली देता है। यह लाइफस्टाइल अमेरिका में बहुत ज्यादा वेतन से ही मिल सकती है। भारत में अच्छा मकान, बाहर खाना, घरेलू मदद और दूसरी सेवाएं कम कीमत पर मिल जाती हैं। इससे जीवन आरामदायक और संतुलित रहता है।इसलिए अगली बार जब कोई ज्यादा डॉलर वेतन की बात करे तो यह पूछना जरूरी है कि खर्चों के बाद उनकी जीवनशैली कैसी है। भारत में कम वेतन में भी अच्छी जीवनशैली जी जा सकती है, क्योंकि यहां रहने का खर्च अमेरिका से बहुत कम है। इसलिए, अगर आप भारत में 25 लाख रुपये साल कमा रहे हैं तो निराश न हों। आप अमेरिका में ज?यादा कमाने वाले व्यक्ति के बराबर जीवन जी सकते हैं।

कौन होगा बीजेपी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष? जेपी नड्डा के उत्तराधिकारी की रेस में बचे दो नाम

नागपुर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद बीजेपी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया को टाल दिया था लेकिन ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान के साथ सीजफायर के बाद अब पार्टी जल्द ही राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्?डा के उत्तराधिकारी के नाम का ऐलान कर सकती है। मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के के उत्तराधिकारी के तौर पर अभी तक दर्जनभर से अधिक नामों की चर्चा हो चुकी है। इनमें उत्तर से लेकर दक्षिण तक के कई बड़े चेहरे शामिल हैं। विश्वस्त सूत्रों की मानें तो बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की रेस में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और धर्मेन्द्र प्रधान के नाम पर काफी गंभीरता से मंथन हो रहा है।ऐसे में जब पीएम नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार जाति जनगणना कराने का फैसला कर चुकी है। तब बीजेपी अगर किसी ओबीसी नेता को पार्टी की कमान सौंपती है, तो पार्टी सोशल इंजीनियरिंग को साधने में सफल हो सकती है। धर्मेन्द्र प्रधान और भूपेंद्र यादव दोनों ही ओबीसी हैं।ओडिशा में पिछले साल जब बीजेपी ने लोकसभा चुनावों के साथ प्रचंड जीत दर्ज की थी तो प्रधान का नाम मुख्यमंत्री के लिए भी लिया गया था लेकिन तब तमाम अटकलें गलत साबित हुई थीं। भूपेंद्र यादव और धर्मेन्द्र प्रधान दोनों ही केंद्र में मंत्री बने थे। अब ऐसा कहा जा रहा है अगर पार्टी किसी ओबीसी चेहरे को बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद देने का मना बना चुकी है, ऐसा होने पर उसे बिहार और उसके बाद यूपी चुनावों में इसका फायदा मिलेगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नागपुर दौरे के बाद संगठन चुनावों की प्रक्रिया में तेजी आई थी, लेकिन 22 अप्रैल को पहलगाम में बड़े आतंकी हमले के बाद पार्टी ने तमाम गतिविधियों को रोक दिया था। सूत्रों की मानें तो पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष रुकने के बाद बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष पर बातचीत फिर से शुरू हो गई है। सूत्रों का कहना है कि इस महीने के आखिर तक ऐलान संभव है, क्योंकि बिहार विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर में प्रस्तावित हैं। ऐसे में जो भी नया अध्यक्ष बनेगा। उसके पास तैयारी के लिए करीब 100 से कुछ अधिक दिन ही होंगे।सूत्रों की मानें तो राष्ट्रीय अध्यक्ष की रेस में भूपेंद्र यादव और धर्मेन्द्र प्रधान दोनों बने हुए हैं, लेकिन अनुभव को देखते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के नाम पर सहमति बनने की अधिक उम्मीद जताई जा रही है। भूपेंद्र यादव और धर्मेन्द्र प्रधान की जोड़ी तमाम राज्यों में बतौर प्रभारी अच्छा रिजल्ट पाटी को दे चुकी है, हालांकि पार्टी आलाकमान क्या फैसला लेगा यह ऐलान होने पर ही पता चलेगा।

बिना रिचार्ज बीएसएनएल फ्री दिखा रही 450 लाइव टीवी चैनल, जियो-एयरटेल के पास इसका तोड़ नहीं

भारत की सरकारी टेलिकॉम कंपनी बीएसएनएल ने बड़ा 'खेल' करते हुए अपने सभी यूजर्स को लाइव टीवी चैनल्स की पेशकश फ्री में कर दी है। कंपनी 450 से ज्यादा लाइव टीवी चैनल दिखा रही है और यूजर्स को इसके लिए कोई एक्स्ट्रा पैसा नहीं देना होगा। दावा है कि जो भी रिचार्ज बीएसएनएल के ग्राहक करवाते हैं, उसी रिचार्ज पर यह सुविधा दी जाएगी। अगर लोगों के फोन में इंटरनेट नहीं चलता है, तब भी वह लाइव टीवी चैनल देख पाएंगे। इस सर्विस का नाम बीएसएनएल बीटीवी है। कैसे काम करती है यह सर्विस, आइए डिटेल में जानते हैं।बीएसएनएल बीआईटीवी एक ऐसी टेक्नोलॉजी है, जिसमें कंपनी अपने ग्राहकों को उनके मोबाइल पर 450 से ज्यादा लाइव टीवी चैनल दिखाती है। साथ ही वेब सीरीज और फिल्में भी देखी जा सकती हैं। देशभर के सभी बीएसएनएल ग्राहक इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। इसके लिए ग्राहकों को अलग से कोई रिचार्ज नहीं करवाना होता है। उनके मौजूदा प्लान पर ही इस सर्विस को पेश किया जाता है।बीएसएनएल बीआईटीवी काम करता है डी2एम सर्विस पर। इस टेक्नोलॉजी के तहत लोगों को उनकी डिवाइस पर टीवी चैनल्स के लिए सिग्नल मिलते हैं। बिना इंटरनेट कनेक्शन के टीवी चैनल देखना मुमकिन

होता है। यह तकनीक ठीक वैसे ही काम करती है जैसे मोबाइल में एफएम रेडियो आता है। बीएसएनएल ने अपने ग्राहकों को यह सुविधा देने के लिए ओटीटी प्ले के साथ साझेदारी की है।भले यह सुविधा मौजूदा वक्त में सिर्फ बीएसएनएल ग्राहकों के लिए है, पर जल्द फीचर फोन इस्तेमाल करने वाले लोगों तक भी इसे पहुंचाया जा सकता है। देसी कंपनी लावा और नोकिया ऐसे फीचर फोन्स पर काम कर रहे हैं जो डी2एम टेक्नोलॉजी को सपोर्ट करेंगे। ध्यान देने वाली बात है कि उन फीचर फोन्स में एक ऐसी चिप लगाई जाएगी, जिसमें टीवी चैनल्स के सिग्नल कैप्चर करने की क्षमता होगी। उस तकनीक के कारण लोग अपने फीचर फोन में तमाम चैनल्स फ्री में देख पाएंगे, भले ही वह किसी भी नेटवर्क के साथ जुड़े हों।बीएसएनएल जो सर्विस अपने ग्राहकों को दे रही है, उसका कोई तोड़ फिलहाल जियो और एयरटेल के पास नहीं है। दोनों कंपनियां ऐसी कोई सर्विस ऑफर नहीं करतीं। जियो के पास जियो टीवी और एयरटेल के पास एयरटेल एक्स्ट्रीम जरूर है, लेकिन दोनों सर्विस इंटरनेट डेटा पर चलती हैं। वहीं, बीएसएनएल ग्राहकों को लाइव टीवी देखने के लिए इंटरनेट पर बहुत अधिक निर्भर नहीं होना पड़ता है। जियो-एयरटेल के मुकाबले बीएसएनएल के रिचार्ज प्लान्स भी सस्ते हैं। ये और बात है कि कंपनी अभी तक देश में अपनी 4जी और 5जी सेवाएं रोलआउट नहीं कर पाई है।बीएसएनएल के पास तमाम अच्छे ऑफर्स हैं, लेकिन कंपनी देश में अभी तक 4जी सेवाओं की शुरुआत नहीं कर पाई है। उसने 80 साल से ज्यादा टावरों का डिप्लॉयमेंट कर दिया है, लेकिन सर्विस शुरू होना अभी बाकी है। सरकार का दावा है कि बीएसएनएल पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक पर काम कर रही है। जैसे ही 4जी सेवाएं रोलआउट होंगी। कुछ महीनों बाद उसी नेटवर्क को 5जी में बदल दिया जाएगा। पहले कहा गया था कि बीएसएनएल 4जी को दिवाली 2024 में लॉन्च किया जाएगा, लेकिन इसमें देर होती रही है।

जम्मू कश्मीर के पूंछ में एलओसी के पास लैंडमाइन विस्फोट में सैनिक घायल, तलाशी अभियान में जुटी सेना

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास एक दुखद घटना घटी। एक सैनिक बारूदी सुरंग विस्फोट में घायल हो गया। यह घटना एलओसी के पास हुई। घायल सैनिक को तुरंत चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। सेना के अधिकारी स्थिति का

जायजा ले रहे हैं। इलाके में तलाशी अभियान जारी है। इस घटना से क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है।दरअसल जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (थ्दण) के पास एक दुखद घटना हुई। एक सैनिक जमीनी सुरंग विस्फोट में घायल हो गया। यह घटना तब हुई जब सैनिक थ्दण के पास गश्त कर रहा था। अचानक उसका पैर एक जमीनी सुरंग पर पड़ा। इसके बाद जोरदार धमाका हुआ। विस्फोट के बाद सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। वहां उसका इलाज चल रहा है। सेना के अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं। वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि जमीनी सुरंग वहां कैसे आई?अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि यह जमीनी सुरंग किसने लगाई थी? लेकिन आशंका है कि यह आतंकवादियों का काम हो सकता है। सेना इलाके में तलाशी अभियान चला रही है। वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि वहां और कोई जमीनी सुरंग तो नहीं है। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि सैनिक की हालत स्थिर है और उसका इलाज चल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि हम घटना की जांच कर रहे हैं और जल्द ही दोषियों को पकड़ लेंगे।

सम्पादकीय

सिक्के की तरह जीवन में भी दो पहलू हैं, आप क्या चुनते हैं

शुक्रवार, 9 मई की शाम को मैं काम के सिलसिले में उज्जैन जा रहा था। संयोग से उस दिन प्रदोष व्रत था, जो कि हर महीने दोनों पक्षों (शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष) की त्रयोदशी को पड़ता है। यह उन महत्वपूर्ण हिंदू व्रतों में से है, जिसे मेरी मां बहुत श्रद्धा से करती थीं और इस दिन मंदिर जाना कभी नहीं भूलती थीं। मैं भले काम से देर से लौटूं, लेकिन वह मंदिर जाने के लिए जरूर कहती थीं, कम से प्रदोष के दिन जाना तो अनिवार्य था। उन दिनों को याद करते हुए मैंने उज्जैन में अपने सहयोगी राजेश पांचाल को फोन किया और उनसे महाकाल के दर्शन कराने का अनुरोध किया और उन्होंने कहा कि 'बाहर हल्की बारिश हो रही है, ऐसे में आज से बेहतर दिन क्या हो सकता है!' उन्होंने महाकवि कालिदास की रचनाओं का जिक्र किया, जिनकी कर्मभूमि उज्जैन थी। कालिदास ने कभी कहा था, 'मेघ, तुम अगर जल्दी पहुंच जाओ तो महाकाल की संध्या आरती में गरजना। उस समय जो ढोल बजाए जाते हैं, उसका श्रेय तुम्हें मिलेगा।' पंचांग में प्रदोष की तिथि और बाहर का सुहावना मौसम...जब मैंने इस सुखद संयोग और संबंध के बारे में सुना तो मैंने कहा, 'वाह, काश मैं शाम की आरती में शामिल हो पाता और भगवान की स्तुति करके उनका आशीर्वाद ग्रहण कर पाता।' उन्होंने विनम्रता से कहा, 'मैं आपकी प्रार्थना बाबा महाकाल तक पहुंचा दूंगा क्योंकि वही तय करते हैं कि उनके धाम में कौन-सा भक्त, कब उनसे मिल सकता है, वह भी ऐसे शुभ अवसरों पर।' इस विनम्रता ने युवा पीढ़ी के प्रति मेरे मन में एक नई श्रद्धा उत्पन्न की, खासकर उस दुनिया में जहां लोग उन चीजों का श्रेय भी ले लेते हैं जो उन्होंने नहीं की होतीं। चूंकि मेरी कार शहर के एक मुख्य चौराहे पर, बत्ती हरी होने का इंतजार कर रही थी, उन्होंने मुझसे पहले से तय एक जगह पर मिलने के लिए कहा। वहां मैंने देखा कि एक बुजुर्ग दंपति, 'पैदल सिग्नल' हरा होने पर सड़क पार करने के लिए आगे बढ़े। वह शायद मंदिर की ओर जा रहे थे और धोती पहनने के कारण उन बुजुर्ग को चलने में शायद थोड़ी दिक्कत हो रही थी। तभी अचानक एक ड्राइवर, जिसे लगा कि उसका बायां मोड़ हमेशा की तरह खाली होगा, वह गाड़ी मोड़ता हुआ उनके रास्ते में आ गया। 'अरे!' वे बुजुर्ग दंपति चिल्लाते हुए पीछे हट गए। ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगाए, खिड़की का शीशा नीचे किया और कंधों व कानों के बीच में मोबाइल फंसाए हुए कहा, 'गलती हो जाती है' और फोन पर बात करने लगा। इस पर वह बुजुर्ग गरजते हुए बोले, 'गलतियां हो जाती हैं? तुम तो हमें सीधा महाकाल के पास पहुंचा चुके होते।' विभूति के लेप से माथे के बीचों-बीच बनी तीन रेखाएं और बीच में कुमकुम का टीका लगाए बुजुर्ग का माथा इसे आवेश में सिकुड़कर आधा रह गया। ड्राइवर बुदबुदाया, 'काश मैं कर पाता!' और तेजी से चला गया। मैंने रुककर उन बुजुर्ग दंपति को लिफ्ट देने का फैसला किया। पर उन्होंने विनम्रता से इंकार कर दिया और कहा, 'जो होता है, अच्छे के लिए होता है।' दंपति ने भगवान से मन्नत मांगी थी कि उनका नौजवान बेटा ठीक हो जाए, और वे नंगे पैर चलकर बाबा महाकाल की चौखट पर आएंगे। मैंने उन्हें शुभकामनाएं दीं और वहां से चला गया। अपना काम निपटाने के ढाई घंटे बाद मैं राजेश से मिला और मंदिर पहुंचा और पाया कि वही बुजुर्ग दंपति मंदिर में आरती के समय मेरे बगल में बैठे थे और उस गलती करने वाले ड्राइवर को आशीर्वाद दे रहे थे। उन्होंने मेरे कान में फुसफुसाते हुए कहा, 'चूंकि उसके कारण हमें देर हो गई और हम इस आरती में शामिल हो सके, नहीं तो हम चूक जाते। इसलिए मैंने उस ड्राइवर के लिए भी प्रार्थना की।' फंडा यह है कि हमारे सृजनकर्ता हमारे जीवन में विकल्प रूपी सिक्के फेंकते हैं और हमें यह चुनने के लिए प्रेरित करते हैं, जो हमें खुशी दे। अच्छे लोग उस क्षण में जीने का चुनाव करते हैं, बजाय इसके लिए अतीत के बारे में सोचते रहें या अनिश्चित भविष्य की खोज में रहें, जैसा कि वह तेज गति से चलने वाला ड्राइवर कर रहा था।

युद्ध थमा, पर डिजिटल-युद्ध की चुनौतियां अभी बाकी हैं

पाकिस्तान को ड्रोन और हथियार उपलब्ध कराने की वजह से तुर्किये का भारत में विरोध हो रहा है। ट्रम्प भी व्यापार-युद्ध को बढ़ावा देने के साथ अपने कारोबारी हितों को आगे बढ़ा रहे हैं। विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए युद्ध की आपदा में अवसर तलाशने से जुड़े 7 पहलुओं की समझ जरूरी है। 1. क्रिप्टो : ट्रम्प के बेटे और दामाद की 60प्रतिशत हिस्सेदारी वाले वर्ल्ड लिबर्टी फाउंडेशन के साथ पाकिस्तान क्रिप्टो काउंसिल की डील के बाद पाकिस्तान दक्षिण एशिया की क्रिप्टो राजधानी बन सकता है। भारत-पाक के बीच हालिया टकरावों के सूत्रधार जनरल मुनीर की इसमें बड़ी भूमिका बताई जा रही है। अफगानिस्तान दुनिया में ड्रग्स का बड़ा केंद्र है। अब पाकिस्तान में क्रिप्टो के फैलाव से भारतीय उपमहाद्वीप में आतंकवाद, ड्रग्स, हवाला और गैर-कानूनी गतिविधियों में बढ़ोतरी हो सकती है। 2. साइबर हमले : महाराष्ट्र साइबर पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार युद्ध के दौरान पाकिस्तान से जुड़े समूहों ने भारत पर 15 लाख से ज्यादा साइबर हमले किए। सीजफायर के बावजूद पाकिस्तान, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, मोरक्को और मध्य पूर्वी देशों से भारत के साइबर ढांचे और वेबसाइट्स पर साइबर हमले जारी हैं। सभी राज्यों की रिपोर्ट जारी हो तो युद्ध के दौरान साइबर हमलों की संख्या करोड़ों में पहुंच सकती है।3. चीनी कैमरे : भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तानी ड्रोनों के हमलों को नाकाम किया, जिसमें इसरो के कार्टोसैट और रिसैट सीरीज के उपग्रहों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निगरानी करने वाले उपग्रहों में रडार इमेजिंग, माइक्रोवेव रिमोट सेंसिंग, अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट (ईओएस) और कार्टोग्राफिक सैटेलाइट होते हैं। इनमें ऑप्टिकल, इन्फ्रारेड, थर्मल और नाइट विजन कैमरों का इस्तेमाल होता है। चीन और दूसरे देशों से आयातित मोबाइल और सीसीटीवी से भारत में जासूसी पर सख्त रोक लगाना जरूरी है। 4. मस्क का स्टारलिंक : मणिपुर में हुई हिंसा की घटनाओं में स्टारलिंक के संचार के इस्तेमाल के सबूत मिले थे। सैटेलाइट इंटरनेट के कारोबार वाली यह ट्रम्प के दोस्त और दुनिया के बड़े उद्योगपति मस्क की कम्पनी है। गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय ने सैटेलाइट इंटरनेट से राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरे की ओर कई बार चेतावनी दी है। सुरक्षा सम्बंधी अनेक मानकों का पालन नहीं करने के बावजूद ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत में मस्क के स्टारलिंक को एलओआई मिलने की खबर चौंकाने वाली है। 5. आईफोन : ट्रम्प ने 500 अरब डॉलर की कंपनी एपल के सीईओ टिम कुक से कहा है कि वो भारत के बजाय अमेरिका में आईफोन बनाएं। साल 2024 में एपल ने भारत में लगभग 4 करोड़ आईफोन बनाए, जो एपल के वैश्विक उत्पादन का लगभग 18 फीसदी था। गौरतलब है कि दुनिया की 18 फीसदी आबादी के साथ भारत एपल और दूसरी अमेरिकी कम्पनियों के लिए सबसे बड़ा बाजार भी है। भारत में आईफोन के उत्पादन के बजाय उनकी एसेम्बलिंग ही होती है। एपल जैसी बड़ी कम्पनियों को भारत सरकार से पीएलआई के तहत बड़े पैमाने पर सब्सिडी मिलती है। ट्रम्प के दबाव के बाद स्मार्टफोन के घटकों पर भारत में टैरिफ कम होने से घरेलू उद्योगों को नुकसान हो रहा है। 6. टैक्स : अमेरिका में रहने वाले लगभग 45 लाख भारतीयों ने साल 2023-24 में लगभग 32 अरब डॉलर की रकम भारत भेजी थी। अमेरिका में पेश बिल के अनुसार एच-1बी वीजा और ग्रीन कार्ड होल्डर वाले गैर-नागरिकों को भारत में पैसे भेजने पर 5 फीसदी का अतिरिक्त टैक्स देना पड़ सकता है। दूसरी तरफ ट्रम्प के दबाव की वजह से भारत ने टेक कम्पनियों पर दस सालों से लगाया जा रहा 6 फीसदी गूगल टैक्स खत्म हो गया है। फेसबुक, गूगल, यूट्यूब, वॉट्सएप, एपल जैसी कम्पनियां भारत में खरबों डॉलर का कारोबार करती हैं। लेकिन मुख्य कम्पनी का स्थायी ऑफिस भारत में नहीं होने की तकनीकी आड़ में टेक कम्पनियां बड़े मुनाफे में कोई टैक्स नहीं देतीं। 7. व्यापार-युद्ध : आपदा में अवसर देखते हुए ट्रम्प के व्यापारिक दबाव की काट में भारत को भी अमेरिकी टेक कम्पनियों से कम्पनी कानून, जीएसटी और आयकर कानून के अनुसार टैक्स की पूरी वसूली करनी चाहिए। डेटा सुरक्षा कानून लागू हो तो सुरक्षित संचार प्रणाली के विकास के साथ विदेशों से बढ़ रहे साइबर हमले और अपराध कम होंगे। विदेशी कंपनियों से टैक्स वसूली से स्वदेशी उद्योगों का विकास, युवाओं को रोजगार, सरकारी खजाने में बढ़ोतरी से विकास कार्यों के लिए वित्तपोषण के साथ आर्थिक विषमता भी कम होगी। महाराष्ट्र साइबर पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार युद्ध के दौरान पाकिस्तान से जुड़े समूहों ने भारत पर 15 लाख से ज्यादा साइबर हमले किए। सीजफायर के बावजूद भारत के साइबर ढांचे और वेबसाइट्स पर साइबर हमले जारी हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

ऊंची 'एट्रिशन दर' को आप कैसे संभालेंगे?

इंदौर एयरपोर्ट के लाउंज में इस वीकेंड एक दिलचस्प वाक्या हुआ। वह व्यक्ति ऊंची कुर्सी पर बैठा हुआ था, जैसी बार काउंटर के इर्द-गिर्द होती हैं। मैं सोफे पर बैठ गया, जो कि उन लोगों के लिए होता है, जो कोई एल्कोहल ड्रिंक नहीं लेना चाहते। उस लाउंज के मालिक सुधांशु वहां आए। हम एक-दूसरे का हालचाल पूछ रहे थे कि बार पर बैठे व्यक्ति ने सुधांशु को बुलाया और कहा, 'क्या आप हमारे लिए कुछ कटी हुई ककड़ी का इंतजाम कर सकते हैं?' सुधांशु ने तुरंत कहा, 'क्यों नहीं?'

उन्होंने कुछ कप उठाए और सर्विंग स्टाफ को दिए और कहा, 'कुछ ताजी ककड़ी लाओ, अच्छी तरह धोकर छोटे टुकड़ों में काट दो।' मैं उस व्यक्ति के चेहरे को देख रहा था, जिसने शायद कुछ ड्रिंक्स पहले ही पी ली थीं। उसका चेहरा गर्व से चमक रहा था और उसकी आंखें उसके साथी को कह रही थीं, 'देखो, इस जगह पर मेरी कितनी पकड़ है।'जैसे ही स्टाफ अंदर गया, घमंड से भरा वो व्यक्ति नाराज हो गया और सुधांशु से कहा, 'आपका स्टाफ अच्छा नहीं हैं।' उसने बारमैन की ओर इशारा करते हुए कहा, 'बस दो मिनट पहले आपके इस आदमी ने मुझे काली मिर्च व नमक डालकर साधारण-सी ककड़ी लाने से मना कर दिया था।' सुधांशु पीछे सूप काउंटर की ओर मुड़े और वहां कुछ काली मिर्च-नमक उठाया और मुस्कराकर कहा, 'यहां आपके लिए काली मिर्च व नमक है, चिंता मत करो, ककड़ी रसोई से आ रही है। खुलकर कहूं, तो ये सिर्फ एक लाउंज है, जहां शराब के अलावा किसी और चीज की बिलिंग नहीं कर सकते और यहां मौजूद सामान पर हमेशा सख्त नजर रहती है। इसलिए वे छोटे-मोटे निर्णय लेने में भी डरते हैं।' 40 मिनट बाद उन दोनों ग्राहकों ने बिल चुकाया और बारमैन को 20 रुपए टिप देने की कोशिश की। उसने लेने से मना कर दिया क्योंकि उस लाउंज के मालिक अभी भी मेरे साथ बात कर रहे थे। चूंकि ग्राहक चार ड्रिंक्स के बाद थोड़े नशे में था, उन्होंने चिल्लाकर कहा, 'आप इसे लेंगे या नहीं?' ये तेज आवाज सुनकर सुधांशु फिर से काउंटर पर गए और महसूस किया कि ग्राहक नशे में है और खुद को सही साबित करना चाहते हैं। सुधांशु ने विनम्रता से कहा, 'सर, चूंकि मैं यहां हूं, इसलिए वे आपकी इस उदारता के साथ की गई पेशकश को स्वीकार करने में संकोच कर रहे हैं, इसे मुझे दे दें, मैं इसे सौंप दूंगा।' यात्री ने अपने दोस्त की ओर देखा, जिसका मतलब था 'देखा?' और चला गया। मेहमानों के जाने के बाद, बारमैन को फाइनेंस पर एक क्रैश कोर्स दिया गया। सुधांशु ने कहा, 'याद रखो, जब कोई गेस्ट कुछ सैकड़ों रुपए खर्च करके आपका प्रोडक्ट ले रहा है, तो आप उसके 10 रुपए की ककड़ी का निर्णय क्यों नहीं ले सकते? भले ही ककड़ी की कीमत 50 रुपए हो, पर बिजनेस तब भी फायदे में होगा।' उन्होंने आगे कहा, 'नशे की हालत में रहने वाले किसी भी कस्टमर से कभी बहस न करें क्योंकि उसकी तेज आवाज यहां बैठे बाकी लोगों को परेशान कर सकती है।' और तब सुधांशु ने एयरपोर्ट लाउंज में कर्मचारियों के रिटेंशन की समस्या बताई। रिटेंशन यानी कर्मचारियों का जल्दी-जल्दी नौकरी छोड़ना। चूंकि एयरपोर्ट लाउंज में नकद पैसों का लेन-देन नहीं होता, इसलिए यात्री भी हॉस्पिटैलिटी कर्मचारियों को टिप नहीं देते। अतिरिक्त आय हमेशा नौकरी में बने रहने की प्रेरणा होती है, ऐसे में एयरपोर्ट की शुरुआती चकाचौंध हटने के बाद सर्विस देने वाले एयरपोर्ट स्टाफ बेहतर अवसरों की तलाश में जल्दी-जल्दी नौकरी छोड़ते हैं। इसलिए इन्वेंट्री पर नजर रखने वाले उद्यमियों (जो कि फूड तैयार करने वाले बिजनेस में कठिन काम है) को लगातार रिप्लेसमेंट पर नजर रखनी पड़ती है और वे छोटी जगहों के युवा कर्मचारियों को लाते हैं, जो शहर और उसकी चमक से आकर्षित होते हैं। फंडा यह है कि अगर अतिरिक्त पारिश्रमिक उच्च एट्रिशन रेट से निपटने का तरीका नहीं है, तो उद्यमियों और फ्लोर मैनेजर्स को उन्हें बनाए रखने के लिए कई और तरीकों का इस्तेमाल करना होगा। उनकी सराहना और उनके आसपास रहकर उनकी पीठ थपथपाना भी एक तरीका है। अगर आपके पास कोई नया विचार है तो मेरे साथ साझा करें।

नौकरियों के बाजार में मानवीय गुणों का मूल्य सबसे ज्यादा है!

पिछले हफ्ते की बात है। भोपाल में एक कॉलेज के स्टूडेंट्स ने ढोल-ताशे वालों को बुलवाया और कॉलेज परिसर के बाहर डांस कर रहे थे, क्योंकि ये उनकी परीक्षा का आखिरी दिन था। हर कोई एक-दूसरे की वाइट शर्ट पर कुछ संदेश लिखकर साइन कर रहा था, मानो अब फिर कभी नहीं मिलेंगे। उनमें से एक स्मार्ट-से छात्र ने एक जोक मारा- 'एक नौजवान युवती ट्रेन में चढ़ी और देखा कि एक व्यक्ति उसकी सीट पर बैठा है। उसने अपनी टिकट देखी और कहा, सर,

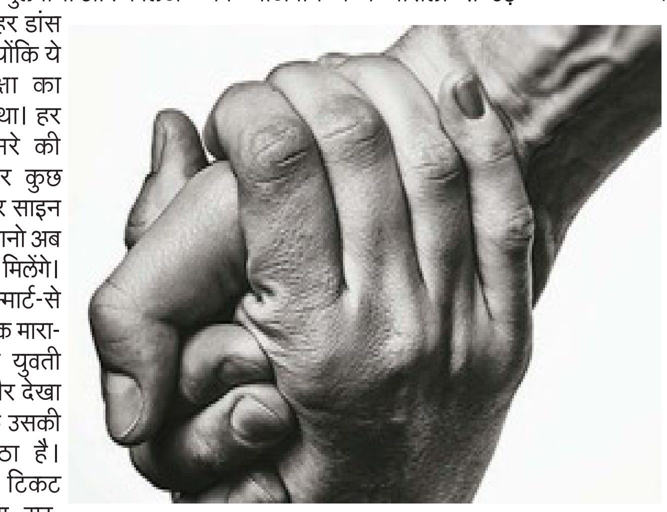

आप शायद मेरी सीट पर बैठे हैं। उस व्यक्ति ने जेब से टिकट निकाली और चिल्लाते हुआ कहा, ध्यान से देखो! ये मेरी सीट है! क्या तुम अंधी हो?' लड़की ने ध्यान से अपनी टिकट देखी और बहस बंद करके चुपचाप बगल में खड़ी हो गई। जब ट्रेन चलना शुरू हो गई, तब वो मुड़ी और कहा, 'सर, आप गलत सीट पर नहीं हैं, गलत ट्रेन में हैं। ट्रेन देवास जा रही है और आपकी टिकट होशंगाबाद की है।' इससे पहले कि जोक सुनाने वाला अपने चेहरे के भाव व्यक्त कर पाता, स्टूडेंट्स की भीड़ जोर से हंसने लगी, अपनी बुद्धिमानी पर पीठ थपथपाई और फिर से डांस करने लगी, जैसे उन्होंने जिंदगी का कोई गोल्डन टिकट जीत लिया हो। और मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि वहां डांस कर रहे अधिकांश स्टूडेंट्स को यह तक नहीं पता था कि ग्रेजुएट होने के बाद जब उनके हाथ में डिग्री होगी, तब उसके बाद क्या करना है। ये वही स्टूडेंट्स हैं, जिन्हें तीन-चार साल पहले बताया गया था कि अगर वे उनकी यूनिवर्सिटी में दाखिला लेंगे, तो दुनिया उनके कदमों पर होगी! पर हकीकत कोसों दूर है। ये साल को वो समय है, जब हमें लगता है कि नौजवान बच्चे घोंसलों से उड़ जाएंगे, जबकि वे घर आकर आराम कर रहे होते हैं। रिजल्ट घोषित होने और उन्हें नौकरियां मिलने से पहले ऐसा हर ही साल होता है। हालांकि विश्वविद्यालयों में परीक्षाएं खत्म हो गई हैं, लेकिन उन्हें पता ही नहीं कि असल जिंदगी की परीक्षा तो अब शुरू हो रही है। वे इस बात से अनजान हैं कि किसी अच्छी यूनिवर्सिटी से पिछले साल अच्छी-खासी डिग्री लेने के बाद भी उनके जैसे कई युवा, जिन्होंने हर रिंग (सर्कस में इस्तेमाल होने वाला बड़ा छल्ला) को आज्ञाकारी रूप से कूदकर पार किया है, वे अभी भी कुछ गिग नौकरियां कर रहे हैं और बड़ी कंपनियों में नौकरी हासिल नहीं कर पाए हैं। यह जाने बिना कि ये कंपनियां केवल सीवी फिल्टर करने के लिए नहीं बल्कि शुरुआती स्क्रीनिंग इंटरव्यू के लिए भी एआई का इस्तेमाल कर रही हैं, वे बस हताश होकर इन कंपनियों में आवेदन कर रहे हैं। कल्पना करें कि आप एक वेबकैम के सामने अकेले बैठे हैं, और एक ऐसा बॉट आपका मूल्यांकन कर रहा है, जिसके साथ आप हाथ भी नहीं मिला सकते। दिलचस्प बात यह है कि पहली मुलाकात हमेशा एआई बनाम एआई होती है। हां, क्योंकि छात्र अपने रिज्यूम बनाने के लिए चैट जीपीटी का प्रयोग कर रहे हैं और कंपनियां इसे समझने के लिए बॉट का उपयोग कर रही हैं। और यह भर्ती को सुगम नहीं बना रहा, बल्कि उल्टा हो रहा है। कंपनियां उन सीनियर्स का समय बचाना चाहती हैं, जो पहले आराम से सीवी चांज लेते थे। इसलिए उन्होंने ये रूटीन काम एआई को सौंप दिए हैं। और माना जा रहा है कि इस प्रक्रिया के कारण ही कम वेतन वाली शुरुआती स्तर की नौकरियों जैसे देखभाल या कंज्यूमर टच पॉइंट जैसे काम आदि के लिए लोग नहीं मिल रहे, क्योंकि एआई मानवता, सहानुभूति और करुणा को नहीं देख सकती। इसलिए अब कंपनियों को, सीवी या रिज्यूम को सीनियर्स द्वारा फिल्टर करने की अपनी पुरानी व्यवस्था में लौटना होगा, ताकि वे एआई से अधिक तेज़ी से कम वेतन वाली रिक्तियों को भर सकें। और इसी समय, युवा आवेदकों को अपने सीवी बनाने में एआई का कम से कम उपयोग करना चाहिए। फंडा यह है कि नौकरी खोजने वालों को अपने अंदर दया- करुणा विकसित करनी चाहिए ताकि दुनिया में फैली निष्ठुरता का मुकाबला कर सकें, वहीं नियोक्ताओं को भी पहले इंटरव्यू में उनसे व्यक्तिगत मुलाकात करनी चाहिए, ताकि उनके अंदर के मजबूत पक्ष व मानवीय गुण देख सकें। नहीं तो एआई दोनों को कंफ्यूज कर देगी- नियोक्ताओं को भी, नौकरी चाहने वालों को भी।

क्या आप टीनएजर्स से सही समय पर पैसों के बारे में बात कर रहे हैं?

वार्षिक परिणाम आ चुके हैं। विश्वविद्यालय पांच वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रमों या तीन वर्षीय ग्रेड पाठ्यक्रमों के लिए स्वीकृति-पत्र भेज रहे हैं। अचानक मध्यम वर्ग के परिवार भविष्य की शिक्षा के खर्चों को पूरा करने के लिए तंग वित्तीय रस्सी पर चलते दिखाई देने लगे हैं। मुझे इसका एहसास तब हुआ, जब एक पिता-पुत्र ने मदद के लिए मुझसे संपर्क किया। पिता इस बात को लेकर स्पष्ट थे कि उन्होंने कॉलेजों में पढ़ाई की वर्तमान लागत का केवल 30प्रतिशत ही आकलन लगाया था और बीते वर्षों में उसी के अनुसार बचत की थी। 'अगर मैं दूसरे बच्चे के लिए बचाई राशि को भी बड़े बच्चे के लिए खर्च कर देता हूं तो मेरे लिए स्नातक की साधारण पढ़ाई और विवाह के खर्चों को भी पूरा करना मुश्किल हो जाएगा,' पिता ने दुःख जताते हुए मुझसे कहा। उन्होंने आगे कहा, 'इसलिए मैं उससे अनुरोध कर रहा हूं कि वह अपनी शिक्षा के खर्चों में समझदारी से काम ले।' और तब, गुरुवार रात हम कॉलेज में प्रवेश लेने जा रहे उस युवा लड़के के लिए वित्तीय योजना बनाने बैठे। दोनों से बात करते हुए मुझे एहसास हुआ कि उन परिवारों के विपरीत- जो फीस के कुछ या सभी पैसों का भुगतान करते हैं- यह परिवार चाहता था कि पिता की बचत के शुरुआती पैसों के अलावा छात्र अपनी शिक्षा के लिए खुद ही जिम्मेदार हो।

मैंने लड़के से एक्सेल चार्ट तैयार करवाया। चार्ट देखते हुए स्वयं पैरेंट्स होने के नाते हम समझ गए कि यह कितना महंगा है, लेकिन एक टीनएजर के लिए वो आंकड़ा ज्यादा मायने नहीं रखता था। मेरा काम एक बाहरी व्यक्ति के रूप में उसे वह समझाना था। मैंने उसके पिता के साथ पूरे साल के खर्च का एक और चार्ट बनवाया। दोनों चार्ट की तुलना करके पाया कि वह अपनी शिक्षा के लिए परिवार की आय में से कितना प्रतिशत पैसा लेने जा रहा था। इसके अलावा, मैंने बताया कि उस किशोर के चार्ट में ट्यूशन फीस, आवास लागत और भोजन-व्यय जैसे खर्चों का कोई विस्तृत ब्योरा नहीं था। ये तीन ऐसे प्रमुख क्षेत्र हैं, जिनमें मासिक आमदनी का 80प्रतिशत खर्च होता है। वह जिस जगह पर रहेगा, उनका किराया भी अलग-अलग होता है। अगर वह विश्वविद्यालय छात्रावास में रहने का फैसला करता है तो अपने घर में जिन सुविधाओं के साथ वह बड़ा हुआ है, उससे उसे समझौता करना होगा। पिछले 10 वर्षों में जो भी विश्वविद्यालय खुले हैं, वे मुख्य शहर से दूर हैं, और उनमें पढ़ाई करने की एक परिवहन-लागत है, जो कुल खर्च का लगभग 20प्रतिशत है। उस युवा लड़के ने अपने चार्ट में इसे भी शामिल नहीं किया था। तमाम खर्चे तय होने के बाद हमने भुगतान के शेड्यूल पर चर्चा की। उसके पिता ने बताया कि वे इसमें कितना योगदान दे सकते हैं। इस बेसलाइन को लिखने के बाद हमने खर्चों को प्रबंधित करने के अन्य तरीकों पर चर्चा की। इनमें बैंक से उधार लेने से लेकर रिश्तेदारों के योगदान तक कई अन्य उपाय शामिल थे। मैं देख सकता था कि उस टीनएजर का चेहरा कठोर और अधिक गंभीर होता जा रहा था। यही वह समय था, जब मैंने उससे पूछा कि क्या 18 की उम्र के बाद तुम्हारे लिए दिन में पांच घंटे किसी जगह काम करना संभव होगा? वह तुरंत तैयार हो गया। फिर हमने एक और चार्ट बनाया, जिसमें हमने उसके स्किल-सेट को लिखा, जिसकी मदद से बाजार से पैसे पाए जा सकते थे। उसके पिता ने आखिरकार उससे पूछा कि नौकरी मिलने तक दो सालों में वह अपने किन खर्चों में कटौती कर सकता है। फिर एक कॉस्ट-कटिंग चार्ट बनाया गया और तीन घंटे की बातचीत के अंत में जाकर किशोर को इस बात का ठीक-ठाक अंदाजा हो गया था कि फाइनेंस क्या होता है और एक-एक रुपया कमाना कितना मुश्किल है। तभी पिता ने कहा कि अगर वह समय के साथ भुगतान करने का वादा करता है तो वे पूरे कोर्स के लिए उसकी वित्तीय-सहायता करेंगे। फंडा यह है कि भले ही आप अपने बच्चों की उनके विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के लिए पूरी तरह से सहायता कर रहे हों, लेकिन उनकी पढ़ाई पर होने वाले खर्चों के ब्योरों में उन्हें भी शामिल करना जरूरी है। यह निश्चित रूप से उन्हें अपनी पढ़ाई को और गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित करेगा।

भारत-पाकिस्तान की कहानी में नैरेटिव अब हमारे हाथ में हो

ऑपरेशन सिंदूर का संदेश स्पष्ट है : भारत राज्य-प्रायोजित आतंकवाद का निष्क्रिय शिकार नहीं बनेगा और पाकिस्तान को

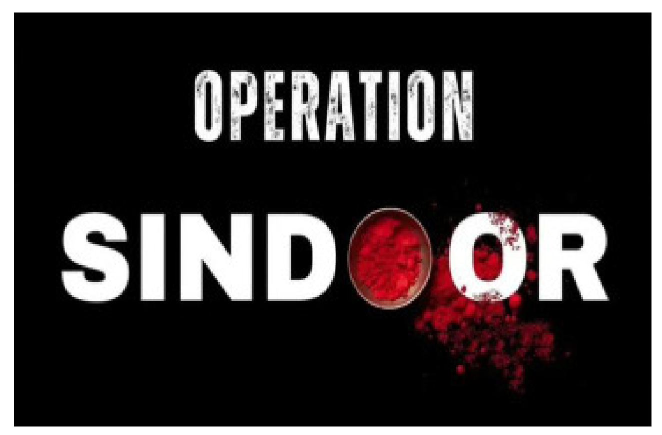

इसके परिणामों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। लेकिन अब यह महत्वपूर्ण है कि अब हम नैरेटिव की कमान संभालें और प्रतिक्रिया करने के बजाय इसे सक्रिय रूप से नियंत्रित करें।अतीत में हम या तो कुछ नहीं करते थे, या केवल ठोस कदम उठाने की चेतावनी देते थे, या दुनिया से संयम और अच्छे आचरण का प्रमाण-पत्र लेने की तत्परता दिखाते थे। जब 1999 में कारगिल में हमारी सीमाओं में घुसपैठ की पुष्टि हुई, तो हम घुसपैठियों को बाहर निकालने में तो कामयाब रहे, लेकिन हमारे सैकड़ों युवा अधिकारियों और सैन्यकर्मियों की जान की भारी कीमत चुकाकर।क्योंकि हमलावर ऊंची जगहों पर बैठे थे और आसानी से हमारे बहादुर फौजियों को निशाना बना सकते थे। उस समय कोई भी दूसरा देश होता तो नियंत्रण रेखा के पार सैनिकों को पैराशूट से उतार देता और हमलावरों के लिए आपूर्ति-लाइनें बंद कर देता।2001 में लश्कर-ए-तैयबा ने भारतीय संसद पर भी हमला किया था। जवाब में हमने सीमा पर सैनिकों की भारी तैनाती के अलावा कुछ नहीं किया। 2008 में मुंबई में हमला हुआ, जिसमें 166 निर्दोष भारतीय मारे गए। कोई संदेह नहीं था कि इस हमले की साजिश पाकिस्तानी सेना और आईएसआई ने रची थी, अजमल कसाब को भी पकड़ लिया गया था, उसके बयान थे। लेकिन हमने कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की। 2016 में जब जैश-ए-मोहम्मद ने उरी पर हमला किया, जिसमें 19 सैनिक मारे गए, तो हमने आखिरकार सर्जिकल स्ट्राइक की। 2019 में पुलवामा हमले के बाद हमने बालाकोट में बमबारी करके जवाब दिया, जिससे पता चला कि भारत में यह कहने की इच्छाशक्ति है कि बस, बहुत हो गया।लेकिन वे सब प्रतिक्रियाएं थीं। अब हमें नैरेटिव का मास्टर बनना है। हर सीजफायर उल्लंघन (2020 में पाकिस्तान द्वारा लगभग 5000 बार ऐसा किया गया) का दोगुना प्रतिकार किया जाना चाहिए। पीओके में घुसपैठ से भी कोताही नहीं बरती जानी चाहिए।इसके अलावा, हमें युद्ध को पाकिस्तान के क्षेत्र में ले जाना होगा। ऐसा करने के लिए हमारे पास दो शक्तिशाली हथियार हैं। इनमें से पहला, 1960 के सिंधु जल समझौते को स्थगित करना सही कदम है, ताकि हम सिंधु, झेलम और चिनाब के पाकिस्तान में प्रवाह को नियंत्रित कर सकें। यह सीमापार दहशत पैदा कर सकता है, क्योंकि पाकिस्तान की जीडीपी का 25इ कृषि पर निर्भर करता है। नदी के प्रवाह के बारे में रियल टाइम डेटा साझा न करना भर भी नुकसान पहुंचा सकता है। दूसरे, अब समय आ गया है कि हम बलूचिस्तान के मुक्ति-संग्राम को बढ़ावा देकर भारत में पाकिस्तान के आतंकवाद का माकूल जवाब दें। पाकिस्तान में सेना-आईएसआई गठजोड़ कमजोर पड़ गया है। हमारे सभी उपायों का मिला-जुला असर पाकिस्तान के लोगों को इस गठजोड़ के खिलाफ खड़ा करने पर केंद्रित होना चाहिए। पाकिस्तान के 'डीप स्टेट' को कमजोर या समाप्त नहीं किया जाता, तब तक कोई स्थायी शांति नहीं हो सकती।

आज के दौर में बुरी नीयत छिपाए नहीं छिपती है

उनमें से एक महिला प्रेमी से शादी करके सुखमय जीवन बिता सकती थी, वहीं दूसरा व्यक्ति तीन दशकों की सेवा के बाद सेवानिवृत्त होकर खुशी से रिटायर्ड लाइफ ?जी सकता था। लेकिन दोनों के इरादे नेक नहीं थे और उनका खुलासा हो गया। उनके उदाहरण इस प्रकार हैं। पहला उदाहरण : बेंगलुरु की एक टेक कंपनी में कार्यरत दो कर्मचारियों ने 31 दिसंबर 2018 को वैवाहिक जीवन की शुरुआत की। युवक 2 लाख रुपए महीने का वेतन पाता था, फिर भी दोनों परिवारों ने साझा तौर पर शादी का खर्च उठाया। लेकिन जब युवक ने पत्नी और उसके पूर्व बॉयफ्रेंड के बीच संदिग्ध वित्तीय लेनदेन देखा तो उसे शक हुआ।वो पांच साल रिलेशनशिप में रहे थे, हालांकि पत्नी ने दावा किया था कि शादी से छह माह पहले ही उनका संबंध समाप्त हो गया था। युवक ने हिन्दू विवाह कानून की धारा 13(1)(आई-ए) के तहत तलाक की याचिका दायर की। उसने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी किसी अन्य पुरुष के साथ संपर्क में है और उसने पूर्व बॉयफ्रेंड से उसकी तुलना करके भद्दी टिप्पणियां की हैं। जब दोनों के बीच तनाव बढ़ा, तो युवक ने अपने स्तर पर जांच शुरू की। एक सोशल साइट पर जॉब इंटरव्यू में युवक ने उसकी पत्नी से उसकी 'पहली शादी' के बारे में सवाल कराया। युवती ने कहा वह शादी समाप्त हो चुकी है और अब वह किसी और के साथ विवाहित है।

अपनी पश्चिमी सीमा पर भी संघर्ष में उलझा है पाकिस्तान

शशि थरूरः पहलगाम हमले की निंदा करते हुए अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने जो बयान जारी किया, वो चौंकाने वाला था। वहां के विदेश मंत्रालय ने हमले में मारे गए नागरिकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए इस पर भी जोर दिया कि ऐसे हमलों से क्षेत्रीय सुरक्षा को खतरा है। पाकिस्तान में आतंकवादियों के आकाओं की भी निंदा की गई। यह पाकिस्तान से तालिबान के बढ़ते अलगाव का पहला संकेत नहीं है। वास्तव में, पिछले साल के अंत तक दोनों के संबंध इतने खराब हो गए थे कि अफगानिस्तान के लिए पाकिस्तान के विशेष प्रतिनिधि मोहम्मद सादिक खान तनाव कम करने के लिए वरिष्ठ तालिबान नेताओं से बातचीत करने के लिए काबुल गए थे। लेकिन तभी 24 दिसंबर को पाकिस्तान वायुसेना ने अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत में कथित पाकिस्तानी तालिबान (जिसे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के रूप में जाना जाता है) के ठिकानों पर हमले किए, जिसमें 46 लोग मारे गए। इस हमले को 21 दिसंबर को टीटीपी के हमले का प्रतिशोध माना गया, जिसमें 16 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे। इसके तीन दिन बाद पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) निदेशालय का नेतृत्व करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने एक रिपोर्ट पेश करते हुए बताया कि पिछले साल आतंकवाद विरोधी अभियानों में पाकिस्तान के सुरक्षा बलों के 383 अधिकारियों और सैनिकों ने अपनी जान गंवाई थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि खुफिया सूचनाओं के आधार पर लगभग 60,000 अभियानों में टीटीपी के सदस्यों सहित लगभग 925 आतंकवादियों को मार गिराया गया था। उन्होंने बताया कि टीटीपी अफगानिस्तान में पनाह लेकर पाकिस्तान के नागरिकों को निशाना बना रहा था। यह बयान विडम्बना से भरा था, क्योंकि अफगान-तालिबान और उससे जुड़े हक्कानी नेटवर्क को पिछली अफगान सरकार और अमेरिकी सेना के खिलाफ रसद, सैन्य और नैतिक समर्थन प्रदान करने का पाकिस्तान का लंबा इतिहास रहा है। इसका अंत 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापसी के रूप में हुआ। कुछ ही सालों में विदेश-नीतियों में कितना फर्क आ जाता है। यहां यह ध्यान देने योग्य है कि भारत आधिकारिक तौर पर तालिबान को अफगान लोगों का प्रतिनिधित्व करने के रूप में मान्यता नहीं देता है। जब अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने पाकिस्तान के अंदर कई स्थानों पर हमलों की घोषणा करते हुए इसकी जिम्मेदारी ली तो टकराव और बढ़ गया। दिलचस्प बात यह है कि अफगान सरकार ने स्पष्ट रूप से यह स्वीकार करने से परहेज किया कि वह पाकिस्तानी क्षेत्र को निशाना बना रही थी। इसके बजाय उसने कहा कि हमले एक 'काल्पनिक रेखा' से परे किए जा रहे थे। वे औपनिवेशिक युग की डूरंड रेखा की ओर इशारा कर रहे थे, जिसे किसी भी अफगान सरकार ने मान्यता नहीं दी है। यह 2,640 किमी लंबी अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमारेखा है। उसके बाद से हालात शांत होते दिखे हैं, लेकिन जाहिर है कि पाकिस्तान का अब अफगानिस्तान पर पहले जैसा प्रभाव नहीं रह गया है। पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस एजेंसी ने तालिबान को पोसने, उसे हथियार और प्रशिक्षण देने और उसकी फंडिंग करने में दशकों बिताए हैं और उसका इस्तेमाल पाकिस्तान के सुरक्षा-प्रतिष्ठान के प्रॉक्सी के रूप में किया है। हालांकि पाकिस्तानी सेना तालिबान के स्वभाव से अवगत थी, लेकिन उसने इस समूह को अफगानिस्तान पर नियंत्रण करने और भारत के खिलाफ रणनीतिक गहराई हासिल करने के साधन के रूप में देखा था। यही कारण था कि 2021 में जब अफगान तालिबान ने काबुल पर कब्जा किया तो पाकिस्तान ने खुलेआम खुशी मनाई थी। लेकिन तालिबान के रूप में पाकिस्तान ने एक भस्मासुर रच दिया है, जो अब उसके नियंत्रण के बाहर हो गया है। अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान का रिश्ता भी एक रणनीतिक दलदल बन चुका है। पाकिस्तान की सरकार में शामिल कुछ तत्व इसके लिए अमेरिका की मदद लेने और अफगानिस्तान में आतंकवादियों को निशाना बनाने के लिए अमेरिका को ड्रोन बेस देने का सुझाव तक दे रहे हैं। यह विचार ही अपने आपमें बेतुका है कि अमेरिकी ड्रोन पाकिस्तान को अफगानिस्तान में अपनी स्वयं की अमेरिका विरोधी नीतियों से पैदा हुए विद्रोह का सामना करने में मदद करेंगे। सेना प्रमुख असीम मुनीर अपने मुल्क की रणनीतिक उलझन के प्रतीक हैं। उन्होंने अफगान हुकूमत से आग्रह किया है कि वे अपने 'परोपकारी इस्लामिक पड़ोसी भाई' को तरजीह दें, टीटीपी को नहीं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव तेजी से बढ़ रहा है। एक जमाने में पाकिस्तान का साथी रहा अफगानिस्तान अब उसके लिए एक 'लायबिलिटी' बन चुका है। भारत को इस समूचे परिदृश्य पर पैनी नजर बनाए रखना चाहिए। (सी.प्रोजेक्ट)

'मुंबई आएगा तो थप्पड़ जरूर मारूंगा', सिंगर मीका सिंह ने खुलेआम दी केआरके को चेतावनी, वीडियो में सिंगर को कहा था- अनपढ़, गधा

नई दिल्ली। कुछ समय पहले ही स्वघोषित क्रिटिक केआरके ने वीडियो जारी कर मीका सिंह के लिए अनपढ़, गधा जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया और साथ ही कहा कि मीका और कपिल शर्मा को उनके गार्ड ने थप्पड़ मारा था। अब इस पर मीका सिंह का रिएक्शन सामने आया है। उन्होंने कहा है कि वीडियो सामने आने के बाद उन्होंने केआरके को कॉल कर धमकाया था। शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में मीका सिंह ने केआरके पर कहा है, वो शुरू से मेरा बच्चा है। न्यू ईयर में मैंने उसको मैसेज किया, हैप्पी न्यू ईयर। मुझे लगा सीधा गालियां दूंगा, तो उसकी फैमिली न सुन ले। पहले मैंने माहौल बनाया, कैसे हो केआरके बेटा, कहां हो। उसने कहा मैंने दुबई छोड़ दिया। मैंने कहा मैं कौन सा दुबई आ रहा हूं। आगे मैंने कहा, हैप्पी न्यू ईयर, भाभी को, बच्चों को। मैंने देखा कि कोई उसके आसपास नहीं है, फिर मैंने कहा, गधे तूने मुझे फिर गालियां दे दी। तू पागल तो नहीं है साले। उसने कहा, भाई तूने गलत बात की, तूने ये कहा, तूने वो कहा। आगे मीका ने कहा, मैंने उससे कहा, सुन मैं तुझसे प्यार बड़ा करता हूं, तू मुंबई जब आएगा, तो मैं तुझे थप्पड़ जरूर मारूंगा। ये तुझे जहां बोलना है बोल दे। तो मुझे बोलता है, हैप्पी न्यू ईयर। उसने जवाब नहीं दिया, बस बोला- हैप्पी न्यू ईयर भाई, मैं लंदन चला गया हूं। मैंने उससे कहा, तू जब भी मुझे मिलेगा, एक मेरा ड्यू है, चाहे मैं मीडिया के सामने मारूं, या अकेले मारूं। गलती क्या है तेरी, वो मैं मिलकर बताऊंगा। दरअसल, कुछ समय पहले मीका सिंह ने लल्लनटॉप

को दिए इंटरव्यू में कहा था कि वो केआरके से दुबई में मिले थे और बदतमीजी की थी। अगले दिन मीका ने कहा था कि उन्हें कुछ भी याद नहीं। इस पर केआरके ने कहा, ये अनपढ़, गंवार बिल्कुल सही कह रहा है। ये मुझे दुबई में मिला था। ये काफी दिनों से मुझे कॉल कर रहा था और कह रहा था आपसे मिलना है। मैंने कहा आ जाओ। तो इसने वादा किया, लेकिन नहीं आया। दूसरे दिन मैंने उसके मैनेजर से पूछा कि जब इसने कहा था कि आएगा तो क्यों नहीं आया। इसके मैनेजर ने मुझे बताया कि वो बहुत डर रहा है। उसे लग रहा है कि वो मेरे घर पर आएगा तो मैं उसे किडनैप कर लूंगा। मैंने उसके मैनेजर से कहा कि मुझे इस फकीर को किडनैप करके क्या मिलेगा। इसके पास है क्या जो मुझे देगा। अगर कोई अमीर आदमी हो उसे किडनैप किया जाए तो उससे कुछ मिल भी सकता है। आगे केआरके ने बताया है, इसके मैनेजर ने मुझसे कहा आप होटल में ही आ जाओ। ये दुबई के एक होटल में ठहरे हुए थे। उस वक्त हनी सिंह बहुत बड़े स्टार हुआ करते थे। जो लोग शो करवा रहे थे, उन्होंने हनी सिंह को बहुत बड़ा सुइट दिया हुआ था और इस लुक्खे सिंगर को एक छोटा सा रूम दिया था, जिसमें एक बेड पड़ा हुआ था। तो हम लोग हनी सिंह के रूम में गए, इसके रूम में नहीं बैठे। केआरके ने बताया है कि मीका ने उन्हें शो देखने बुलाया था, लेकिन वो बहाना बनाकर निकल गए। आगे केआरके ने मुंबई में हुई मीका और कपिल से मुलाकात की बात की। उन्होंने कहा, मीका सिंह ने इंटरव्यू में कहा था कि ये और कपिल शर्मा मेरे घर आए थे और भारी बदतमीजी की थी। हुआ ये था कि रात में इन दोनों ने पी हुई थी। कपिल शर्मा और ये घटिया सिंगर मेरे घर पर आए। उन्होंने घर आकर सिक्योरिटी से कहा कि भाई से मिलना है। सिक्योरिटी ने उन्हें कहा कि भाई सो रहे हैं, अभी नहीं मिल सकते। इन दोनों ने घर के नीचे फोटो खिंचवाए और मिलने की जिद करने लगे। दोनों ने पी हुई थी। सिक्टोरिटी गार्ड ने इनसे जाने को कहा, लेकिन ये जाने को तैयार नहीं थे। तो मेरे सिक्योरिटी गार्ड ने इन दोनों को 2-2, 3-3 तमाचे खींचे। केआरके ने कहा कि अगली सुबह उन्होंने देखा कि कपिल ने कुछ ट्वीट किए हैं, जिसके बाद दोनों की सोशल मीडिया पर बहस हुई थी। केआरके ने ये भी दावा किया कि अगले दिन उन्होंने मीका के घर जाकर उन्हें थप्पड़ मारा था। सलमान की राधे के निगेटिव रिव्यू के कारण केआरके को सलमान ने नोटिस भेजा था। दरअसल, जब मीका ने सलमान का पक्ष लिया तो केआरके ने उन्हें चिरकुट सिंगर बताया था। इसके बाद उनकी तूतू-मैंमैं शुरू हो गई। एक फैन को जवाब देते हुए मीका ने सोशल मीडिया पर पंजाबी में लिखा था, 'वह बॉलीवुड के सिर्फ सीधे-सादे लोगों को चुनता है। अपने बाप से नहीं उलझेगा। मेरे बेटे को कहो कि कृपया मुझे अनलॉक करे। मैं करन जौहर या अनुराग कश्यप नहीं हूं। उसका बाप हूं।'

'आधुनिक समाचार नेटवर्क' के पत्रकार इम्तियाज़ ने लिया मल्टीटैलेंटेड मॉडल, एंकर, इन्फ्लुएंसर और एरोबिक-जुम्बा इंस्ट्रक्टर 'श्वेता खन्ना' का इंटरविव

इम्तियाजः- नमस्कार क्या नाम है आपका?

श्वेता खन्नाः- नमस्ते.. मेरा नाम 'श्वेता खन्ना' है और मैं दिल्ली से हूँ।

इम्तियाजः- आप पेशे से क्या करती हैं?

श्वेताः- मैं एक मॉडल, एंकर, इन्फ्लुएंसर और एरोबिक-जुम्बा इंस्ट्रक्टर हूँ। इस फील्ड में मुझे काम करते हुए लगभग 12-13 साल हो चुके हैं। मेरी प्रोफेशनल जर्नी की शुरुआत एक एरोबिक और जुम्बा इंस्ट्रक्टर के तौर पर हुई थी। फिटनेस से जुड़ाव और लोगों को मोटिवेट करने का जुनून मेरी पहली प्रेरणा बना।

धीरे-धीरे मुझे मॉडलिंग के ऑफर मिलने लगे, खासतौर पर पंजाबी इंडस्ट्री से। मैंने करीब दो साल तक पंजाबी म्यूज़िक इंडस्ट्री में काम किया और कई प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनी। इसके बाद मुझे इवेंट्स और स्टेज शोज़ में भी काम मिलने लगा। मैंने कई बड़े इवेंट्स किए, जहाँ मुझे सिंगर्स के साथ परफॉर्म करने का मौका भी मिला। इस दौरान मेरा कॉन्फिडेंस और अनुभव दोनों बढ़ते गए।

इम्तियाजः- आप इस मुकाम तक कैसे पहुंची?

श्वेता खन्नाः- फिर मेरी जर्नी ने एक और मोड़ तब लिया, जब मुझे हरियाणवी इंडस्ट्री से ऑफर्स आने लगे। आज मैं हरियाणवी इंडस्ट्री में एक एक्टर और मॉडल के तौर पर सक्रिय रूप से काम कर रही हूँ। मुझे कुछ फिल्मों के ऑफर भी मिले हैं और मैं अपनी क्रिएटिव जर्नी को और आगे ले जाने के लिए पूरी तरह समर्पित हूं।

इम्तियाजः- आप आधुनिक समाचार के पाठकों को कुछ संदेश देना चाहेंगी ?

श्वेता खन्नाः- मैं आधुनिक समाचार के पाठकों को यही संदेश देना चाहूंगी कि हार नहीं मननी चाहिए मंजिल मिल कर रहेगी।

अनुष्का शर्मा ने विराट कोहली के रिटायरमेंट पर किया भावुक पोस्ट, विक्की कौशल और रणवीर सिंह का भी बैठा दिल

नई दिल्ली। विराट कोहली के टेस्ट

मैच से संन्यास लेने के बाद अनुष्का शर्मा ने एक भावुक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने उनके संघर्षों और खेल के प्रति अटूट प्रेम को याद किया। विक्की कौशल ने भी कोहली के शानदार करियर को सराहा और अंगद बेदी भावुक हो गए। अनुष्का शर्मा ने विराट कोहली के 14 साल बाद टेस्ट मैच से संन्यास लेने के ऐलान के बाद इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट किया है। उन्होंने उनके साथ स्टेडियम के ग्राउंड से खूबसूरत तस्वीर पोस्ट की है और दिल की बातें शब्दों में बयां कर दी हैं। इनके अलावा विक्की कौशल ने भी एक्टर के रिटायरमेंट पर पोस्ट किया है। इसके पहले अंगद बेदी की आंखों से आंसू छलक उठे थे। अनुष्का शर्मा ने विराट कोहली के साथ अपनी एक प्यारी और यादगार तस्वीर शेयर की है, जिसमें क्रिकेटर सफेद जर्सी में दिखाई दे रहे हैं। और एक्ट्रेस के कंधे पर हाथ रखे हुए हैं। दोनों मुस्कुरा भी रहे हैं। इसके साथ कैप्शन में लिखा, 'वो रिकॉर्ड और मील के पत्थर के बारे में बात करेंगे। लेकिन मुझे वो आंसू याद रहेंगे जो तुमने कभी नहीं दिखाए, वो स्ट्रेगल, जिन्हें किसी ने नहीं देखा, और वह अटूट प्यार जो तुमने खेल के इस फॉर्मेट को दिया।'अनुष्का शर्मा ने विराट कोहली के बारे में आगे लिखा, 'मुझे पता है कि इन सबने तुमसे कितना कुछ छीन लिया। हर टेस्ट सीरीज के बाद, तुम थोड़े समझदार, थोड़े विनम्र होकर लौटे और तुमको इन सबके जरिए से विकसित होते देखना एक विशेषाधिकार रहा है। किसी तरह, मैंने हमेशा ऐसा सोचा था कि तुम सफेद कपड़ों में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लोगे लेकिन तुमने हमेशा अपने दिल की बात सुनी है, और इसलिए मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि इस गुडबाय का हर पल कमाया है।'वहीं, विक्की कौशल ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, 'आपने अपने तरीके से किया और वो ही तरीका बहुत याद आएगा। इस अद्भुत टेस्ट करियर के लिए शुभकामनाएं और यादों के लिए शुक्रिया चैम्प।' वहीं, अंगद बेदी ने क्रिकेटर की फोटो शेयर कर लंबा-चौड़ा पोस्ट किया था और भावुक हो गए थे।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम ने शाहरुख को लगाई थी डांट ऑटोग्राफ मांगा तो इमरान खान ने गुस्से में फटकारा

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच हम आपको बताने जा रहे हैं वो किस्सा, जब पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शाहरुख खान को ऑटोग्राफ मांगने पर डांट लगा दी थी। ये उस समय की बात है, जब न तो शाहरुख खान स्टार थे और न ही इमरान खान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे। ये बात भी कम लोग ही जानते हैं कि एक समय में देव आनंद चाहते थे कि इमरान

खान उनकी फिल्म में काम करें, जब उन्होंने ऑफर ठुकरा दिया तो वो उन्हें मनाने इंग्लैंड तक पहुंच गए थे। शाहरुख खान ने कैपिटल टॉक विद हामिद मीर में ये किस्सा शेयर किया था। ये किस्सा तब का है जब इमरान खान सिर्फ पाकिस्तानी क्रिकेटर थे और शाहरुख खान हीरो नहीं बने थे। यंग शाहरुख, इमरान के बड़े फैन थे। शाहरुख ने बताया, एक मैच के लिए इमरान खान भारत आए थे। पाकिस्तानी टीम का मैच दिल्ली के फिरोज शाह कोटला स्टेडियम में हुआ था, जहां पाकिस्तानी टीम हारने की कगार पर थी। टीम को इमरान से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन वो महज 30 रन बनाकर आउट हो गए। जब इमरान स्टेडियम से निकलने लगे तो ऑटोग्राफ लेने के लिए उतावले शाहरुख उनके काफी नजदीक आ गए। आउट होने से बौखलाए इमरान ने सारा गुस्सा शाहरुख पर निकालते हुए उन्हें जोरदार डांट लगा दी। और गुस्से में उन्हें रास्ते से हटने को कहा। इस बात से शाहरुख का दिल टूट गया। आगे शाहरुख ने बताया था कि 2008 में ट्रैवल विद स्टाइल इवेंट में उन्हें इमरान खान से मिलने का मौका मिला था। इस मुलाकात में शाहरुख खान ने उन्हें पहली मुलाकात का किस्सा भी सुनाया था, जिसे सुनकर वो काफी हंसे थे। एक समय ऐसा था जब भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव नहीं थी। ऐसे में उस समय क्रिकेटर रहे इमरान खान अक्सर भारत आया करते थे। कभी वो अमिताभ बच्चन के साथ बैठकर नुसरत फतेह अली खान के गाने सुनते नजर आते थे, तो कभी उनके और बॉलीवुड एक्ट्रेसेस के अफेयर की खबरें सुर्खियों में रहती थीं। 1985 में खबर थी कि रेखा, इमरान से शादी करना चाहती हैं। स्टार रिपोर्ट नाम के एक पेपर में इंडियन फिल्म जरनल मूवी की रिपोर्ट के हवाले से दोनों की शादी पर लंबा आर्टिकल छापा था। आर्टिकल के अनुसार 1985 के पूरे अप्रैल इमरान ने मुंबई में रहकर रेखा के साथ समय बिताया है।जनरल की रिपोर्ट में लिखा गया था कि रेखा की मां ने एक इंटरव्यू में कहा है कि उन्हें अपनी बेटी के पार्टनर के रूप में इमरान खान से बेहतर कोई नहीं लगता। वो दिल्ली के एक एस्ट्रोलॉजर के पास ये पूछने गई थीं कि क्या इमरान, रेखा के लिए अच्छा ऑप्शन हैं। हालांकि, दोनों का रिश्ता ज्यादा चल नहीं सका। एक इंटरव्यू में इमरान ने कहा था कि वो कभी भी किसी एक्ट्रेस से शादी नहीं करेंगे। इमरान खान ने एक पुराने इंटरव्यू में बताया था कि हिंदी सिनेमा के लीजेंड्री एक्टर देव आनंद उन्हें अपनी फिल्म में काम करने का ऑफर दे चुके हैं, लेकिन इमरान ने वो ऑफर ठुकरा दिया था। उनका ये इंटरव्यू इंडियन न्यूज चैनल पर भी प्रसारित हुआ था। इमरान ने कहा था, आपको यकीन नहीं होगा कि भारत के एक महान एक्टर ने मुझे फिल्म में काम करने का ऑफर दिया था। यहां तक कि वो मुझे मनाने के लिए इंग्लैंड तक पहुंच गए थे। दबाव देने पर इमरान ने बताया कि वो एक्टर कोई और नहीं बल्कि देव आनंद थे। देव आनंद ने भी अपनी ऑटोबायोग्राफी रोमांसिंग विद लाइफ में इस किस्से का जिक्र किया था। जब इमरान खान ने अपनी मां के नाम पर कैंसर हॉस्पिटल बनाना शुरू किया तो उन्हें आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। ऐसे में दिलीप कुमार वो पहले शख्स थे जो मदद के लिए सामने आए थे। फंड के लिए शुरुआती 10 प्रतिशत हिस्सा इकट्ठा करना काफी मुश्किल था, ऐसे में दिलीप कुमार ने न सिर्फ आर्थिक मदद की बल्कि खुद फंड रेजिंग प्रोग्राम का हिस्सा बने। दिलीप कुमार ने पाकिस्तान और लंदन पहुंचकर लोगों से फंड देने की अपील की थी।

दादासाहेब फाल्के पर फिल्म बनाएंगे आमिर और राजकुमार हिरानीःइसी साल अक्टूबर में शुरू होगी शूटिंग

नई दिल्ली। दादासाहेब फाल्के को

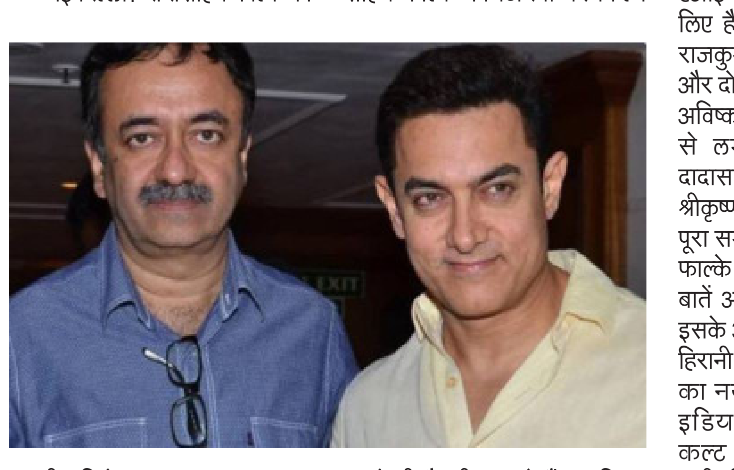

भारतीय सिनेमा का जनक माना जाता है। उन्होंने भारत में फिल्मों की शुरुआत की थी। उनकी याद में सबसे बड़ा फिल्म पुरस्कार 'दादासाहेब फाल्के पुरस्कार' रखा गया है। उनका जीवन और फिल्मों का सफर बहुत दिलचस्प रहा है। अब उनकी कहानी पर एक फिल्म बनने जा रही है। आमिर खान और राजकुमार हिरानी मिलकर दादा साहेब फाल्के की जिंदगी पर फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं।इस फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 2025 से शुरू होने वाली है। आमिर खान अपनी फिल्म 'तारे जमीन पर' की रिलीज के तुरंत बाद इस नई फिल्म में अपने किरदार की तैयारी शुरू कर देंगे। लॉस एंजिलिस के वीएफएक्स स्टूडियो ने फिल्म की कहानी के समय और माहौल को ध्यान में रखते हुए एडवांस एआई डिजाइन पहले ही तैयार कर लिए हैं। इस फिल्म की स्क्रिप्ट पर राजकुमार हिरानी, अभिजात जोशी और दो लेखक हिंदुकुश भारद्वाज और अविष्कार भारद्वाज पिछले चार साल से लगातार काम कर रहे हैं। दादासाहेब फाल्के के पोते चंद्रशेखर श्रीकृष्ण पुसालकर ने इस प्रोजेक्ट का पूरा समर्थन किया है और दादासाहेब फाल्के के जीवन से जुड़ी कई खास बातें और घटनाएं भी शेयर की हैं। इसके अलावा, यह फिल्म राजकुमार हिरानी और आमिर खान की जोड़ी का नया प्रोजेक्ट है, जिन्होंने '3 इडियट्स' और 'पीके' जैसी कल्ट क्लासिक्स और सबसे बड़ी हिट फिल्में दी हैं। ऐसे में यह प्रोजेक्ट भारतीय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक नया बेंचमार्क सेट करने की तैयारी में है।बता दें कि अब तक हिंदी सिनेमा में किसी ने भी दादा साहेब फाल्के और भारतीय सिनेमा की शुरुआत की कहानी को बड़े पर्दे पर नहीं दिखाया है।

आलिया को 'नेपो किड' कहने वालों पर भड़के करणःबोले- पहले उसकी फिल्में देखिए

नई दिल्ली। फिल्ममेकर करण

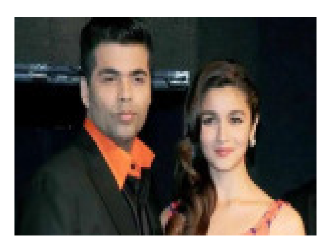

जौहर ने उन लोगों को करारा जवाब दिया है जो अब भी आलिया भट्ट को नेपो किड कहकर बुलाते हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने साफ कहा कि अब वह नेपोटिज्म की इस बहस से तंग आ चुके हैं। गलाटा प्लस के साथ बातचीत में करण जौहर ने कहा, क्या आपने हाइवे देखी है? क्या आपने उड़ता पंजाब देखी है? क्या आपने राजी देखी है? क्या आपने गंगूबाई देखी है? सिर्फ उसकी फिल्में देखिए। अगर इसके बाद भी आप उसे नेपो किड कह रहे हैं, तो आप इस दुनिया के सबसे मूर्ख इंसान हैं और फिर कोई आपकी मदद नहीं कर सकता। स्टार किड को लॉन्च करने पर भी करण जौहर ने कहा, मैं स्टार किड्स के टैलेंट में विश्वास जारी रखूंगा। क्या मैं बॉलीवुड की नफरत का चेहरा हूं और अगर हां तो मुझे ये टैग देने के लिए थैंक्यू।

कांस में जैकलीन को मिला सम्मान, तो 'लापता लेडीज' फेम नितांशी ने रेड कार्पेट पर किया डेब्यू, आउटफिट में संजोई नरगिस, मीना, मधुबाला की तस्वीरें

नई दिल्ली। फ्रांस के रिवेरा शहर

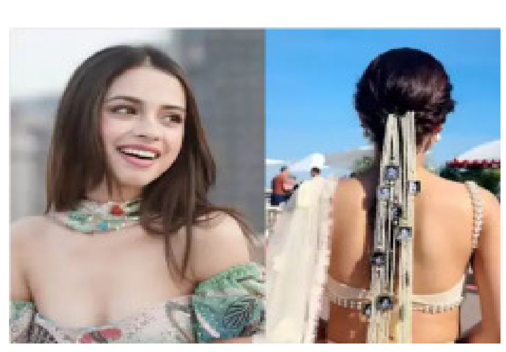

में चल रहे कांस फिल्म फेस्टिवल 2025 में बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस और 'लापता लेडीज' फेम नितांशी गोयल ने अपने स्टाइल और भारतीयता से सबका दिल जीत लिया।जैकलीन फर्नांडिस ने भले ही ओपनिंग सेरेमनी का रेड कार्पेट मिस किया हो, लेकिन तीसरे दिन वो पूरे स्टाइल में कांस पहुंचीं। उन्होंने सफेद शर्ट, सिल्वर टच वाले पैंट और कमर तक फैले मेटैलिक चेन वाले खास लुक में एंट्री ली। बालों को स्लीक बन में बांधकर, मैचिंग इयररिंग्स और ब्लैक पंप्स के साथ जैकलीन का लुक काफी शानदार रहा।जैकलीन को 'वीमेन इन सिनेमा' इनिशिएटिव के तहत दुनिया भर से चुनी गई 6 खास महिलाओं में शामिल किया गया। यह पहल रेड सी फिल्म फेस्टिवल की ओर से शुरू की गई है। इस सम्मान के साथ जैकलीन ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें भी शेयर कीं और लिखा कान्स का पहला दिन। महिला कहानीकारों को बढ़ावा देने वाली पहल 'वुमेन इन सिनेमा' में सम्मानित होने पर प्रसन्नता हुई।' पहली बार कांस के रेड कार्पेट पर उतरीं नितांशी गोयल भी चर्चा में रहीं। उन्होंने दो लुक्स अपनाए, पहला एक स्ट्रैपलेस ब्लैक गाउन जिसमें गोल्डन डिजाइन और हल्का सा ट्यूल लगा हुआ था। वहीं दूसरा लुक पारंपरिक था। जिसमें उन्होंने मोतियों से सजी खास लहंगा साड़ी पहनी थी।

नेपाली मॉडल की खून से लथपथ लाश मिली थी:शरीर के दो टुकड़े हुए, सिर भी धड़ से लटक रहा था, कनाडा जाने से नाराज था जेठ

नेपाल। मशहूर मॉडल अंजना

लामा के मायके कॉल कर जल्द से जल्द ससुराल आने को कहा गया। जैसे ही परिवार पहुंचा तो घर के बाहर पुलिस और पड़ोसियों की भीड़ इकट्ठा थी। ससुराल वाले रोते-बिलखते दरवाजे पर बैठे थे। तभी एक पुलिसवाला अंजना के पिता के पास पहुंचा और उनसे कमरे में चलने को कहा। जैसे ही अंजना के पिता कमरे में पहुंचे तो मंजर भयावह था। वो तुरंत मुंह पर हाथ रख घबराए हुए वहां से बाहर निकल आए। उस बेतरतीब कमरे में अंजना की टुकड़ों में कटी लाश बिस्तर से लटक रही थी। सिर, धड़ से सिर्फ एक नस के सहारे जुड़ा था। अंजना का आधा शरीर बिस्तर पर और आधा जमीन की तरफ लटक रहा था। उनका दाहिना हाथ बीच से काटा गया था, जो लाश से चंद कदमों की दूरी पर ही कटा पड़ा था। एक टांग भी धड़ से अलग दूर पड़ी थी। कमरा-बिस्तर खून से लथपथ था और दीवारों पर भी हर तरफ छींटे थे। अंजना के चेहरे पर चाकू के इतने जख्म थे कि खाल नजर तक नहीं आ रही थी।26 अप्रैल 1995 को अंजना लामा का जन्म नेपाल के हेटौडा में हुआ था। तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ी अंजना बेहद खूबसूरत थीं। अंजना 11वीं क्लास में थीं, जब एक कॉमन दोस्त के जरिए उनकी प्रज्जवल महत से मुलाकात हुई। अंजना लामा, तमंग जाति की थीं, जबकि प्रज्जवल क्षेत्री जाति के थे, जो अपर कास्ट में आते थे। उनका परिवार ललितपुर में रहता था, हालांकि वो नौकरी के सिलसिले में 100 किलोमीटर दूर हेटौडा में रहते थे।कास्ट डिफरेंस के बावजूद दोनों की दोस्ती बढ़ते हुए प्यार में बदल गई। करीब 2 साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद दोनों ने शादी का फैसला कर लिया। जैसे ही ये खबर दोनों के घरवालों तक पहुंची तो खूब हंगामा हुआ। दोनों ही परिवार इस शादी के खिलाफ थे।

'मेरे पिता करीना कपूर के साथ ज्यादा खुश हैं, सैफ पर हमले की रात पापा की वो बात सुन रो पड़े थे इब्राहिम अली खान

नई दिल्ली। सैफ अली खान खान

ने 1991 में अमृता सिंह से शादी की थी और 13 साल बाद वे अलग हो गए। इस दौरान दोनों दो बच्चे सारा और इब्राहिम के पैरेंट्स बने। सैफ अली खान और अमृता सिंह के तलाक के बाद भाई-बहन इब्राहिम अली खान और सारा अली खान का पालन-पोषण मुख्य रूप से उनकी मां ने किया है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि सैफ से इन बच्चों की बॉन्डिंग खराब है बल्कि ये दोनों अपने पिता के उतने ही करीब हैं जितने अपनी मां से हैं। सैफ अली खान ने साल 2012 में दूसरी शादी की और इस बार उन्होंने 10 साल छोटी करीना कपूर खान से निकाह किया। राजीव मसंद के साथ हाल ही में हुई बातचीत के दौरान, इब्राहिम ने बताया कि कैसे उनके माता-पिता के ब्रेकअप ने उन्हें और सारा को प्रभावित किया। जब अमृता और सैफ के तलाक की वजह से उनपर होनेवाले असर के बारे में पूछा गया तो उन्होंने विनम्रतापूर्वक जवाब दिया कि दोनों अपने बच्चों के सामने अपने रिश्ते के हालात को संभालने को लेकर बहुत सावधान थे।उन्होंने कहा, 'मैं चार या पांच साल का था, इसलिए मुझे ज्यादा याद नहीं है। सारा के लिए यह शायद अलग था क्योंकि वो बड़ी थी। लेकिन मेरी मॉम और डैड ने इसका पूरा ख्याल रखा कि मुझे टूटे हुए घर से होने वाला दर्द महसूस न हो। मैंने उन्हें कभी एक-दूसरे पर अपना आपा खोते नहीं देखा, कुछ चीजें बस नहीं होनी चाहिए थी।'वहीं इब्राहिम अपने पिता को पहले से कहीं ज़्यादा अब खुश देखते हैं। इब्राहिम अली खान ने कहा, 'अब मेरे पिता बेबो के साथ बहुत खुश हैं और मेरे दो बहुत ही सुंदर और शरारती भाई हैं। और मेरी मां अब तक की सबसे अच्छी मां हैं। वह मेरा बहुत ख्याल रखती हैं और मैं उनके साथ रहता हूं। सब कुछ बढ़िया है।'इब्राहिम ने सैफ अली खान पर हुए चाकू से हमले को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि जब ये हमला हुआ तो वे नाइट शिफ्ट की शूटिंग कर रहे थे। एक्टर ने कहा कि जब वे हमले के बाद पिता से मिलने हॉस्पिटल पहुंचे तो सैफ ने उनसे कहा, 'अगर तुम वहां होते, तो तुम उस आदमी को पीट देते।' इब्राहिम ने बातचीत में बताया कि ये सुनकर वो रो पड़े थे।बता दें कि हाल ही में 'नादानियां' से इब्राहिम ने बॉलीवुड में डेब्यू किया। ये फिल्म अब नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ हो चुकी हैं। हालांकि, फिल्म'नादानियां' में उनकी एक्टिंग को नेगेटिव रिएक्शन मिला लेकिन वे अपने पिता सैफ़ अली खान और प्रियंका चोपड़ा की दो बेहतरीन सलाहों के साथ पॉजिटिव बने हुए हैं...दो लोगों से। मेरे पिताजी ने कहा कि यह साल 2000 नहीं है जब कोई स्टार बस किसी फ़िल्म में घूम सकता है और वह ब्लॉकबस्टर हो सकती है। आज आपको बहुत तैयार रहना चाहिए, और जल्दी सीखने के लिए खुद को तैयार रखना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात, उन्होंने कहा कि स्क्रिप्ट और फ़िल्म प्रड्यूसर दो ऐसी चीज़ें हैं जिनके साथ आप समझौता नहीं कर सकते।'

जेम्स बॉन्ड फिल्मों के एक्टर जो डॉन बेकर का निधन 89 की उम्र में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली। हॉलीवुड के दिग्गज एक्टर

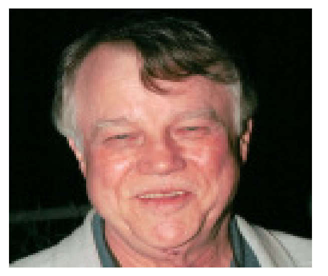

जो डॉन बेकर का 89 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनके परिवार ने बताया कि उन्होंने 7 मई को अंतिम सांस ली। हालांकि, उनकी मौत की वजह सार्वजनिक नहीं की गई थी। उनका अंतिम संस्कार मिशन हिल्स, कैलिफोर्निया में किया जाएगा। जो डॉन बेकर को 1973 की फिल्म वॉकिंग टॉल में शेरिफ बफोर्ड पुसर के रोल से बड़ी पहचान मिली थी। इसके अलावा वह तीन जेम्स बॉन्ड फिल्मों में भी नजर आए थे। जो डॉन बेकर का जन्म 12 फरवरी 1936 को ग्रोसबेक, टेक्सास में हुआ था। मां के निधन के बाद उन्हें उनकी आंटी ने पाला। स्कूल के दिनों में वह फुटबॉल और बास्केटबॉल के शानदार खिलाड़ी रहे। उन्होंने नॉर्थ टेक्सास स्टेट कॉलेज से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई की। इसके बाद वह दो साल अमेरिकी सेना में भी रहे। सेना से लौटने के बाद बेकर न्यूयॉर्क चले गए। वहां उन्होंने मशहूर एक्टर्स स्टूडियो से एक्टिंग की ट्रेनिंग ली।

राशिफल

मेष-:आज दिन का ज्यादातर समय पूजा-पाठ और धार्मिक कामों में बीतेगा। आपके स्वभाव में भी अच्छा बदलाव आएगा। परिवार का माहौल और अच्छा बनाने के लिए कुछ योजनाएं बनाएंगे और कामयाब भी होंगे। घर में खुशी और शांति बनी रहेगी।

वृष-: समाज या सामाजिक कामों में आज दिन का ज्यादा समय बीतेगा। किसी जरूरतमंद दोस्त की मदद करने से मन खुश रहेगा। अपने उसूलों और नियमों से किसी भी तरह का समझौता न करना आपको मजबूत बनाए रखेगा। यह आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा।

मिथुन-:अनुभवी लोगों की सलाह पर चलना आपके लिए फायदेमंद होगा। अच्छी और ज्ञान की बातें पढ़ने में भी समय बीतेगा। पुराने दोस्तों से मिलना पुरानी अच्छी यादों को ताजा करेगा। छात्र अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान दे पाएंगे। यह समय आपके लिए अच्छा है।

अपना लक्ष्य पाने के लिए सही तरीके से काम करे, पक्का सफलता मिलेगी। पैसा लगाने के लिए भी अच्छा समय है। यह काम भविष्य में फायदेमंद रहेंगे। आज आपकी कोई योजना भी पूरी होगी। जिससे आप अपने अंदर नई ताकत और आत्मविश्वास महसूस करेंगे।

सिंह-: पैसे कमाने का कोई मौका मिलेगा और मन को शांत रखकर आप अच्छे से कोई भी फैसला ले पाएंगे। रिश्तों में भी फिर से मिठास आएगी। अगर किसी को पैसा उधार दिया हुआ है, आज उसके वापस मिलने का अच्छा मौका है। इसलिए कोशिश करते रहे।

कन्या-: आज किसी खास व्यक्ति की मदद से कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। आज दिन को बहुत ही अच्छे तरीके से बिताए। आपके कई रुके हुए काम फिर से शुरू होंगे और सफलता भी मिलेगी। यह आपके लिए फायदेमंद होगा।

तुला-: ।आज दिनचर्या में कुछ अच्छा बदलाव महसूस करेंगे। आपके अंदर जोखिम लेने की भी आदत रहेगी, जो कि फायदेमंद साबित होगी। परिवार के किसी बड़े व्यक्ति द्वारा जरूरी सलाह मिलेगी। समाज में भी आपका खास मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक-: नए कामों की योजनाएं बनेंगी। और उनको पूरा करने के लिए अपने जान पहचान वालों का भी साथ मिलेगा। लेकिन सफलता पाने के लिए पक्का इरादा और बहुत ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। विदेश जाने के लिए कोशिश करने वाले लोगों को कोई अच्छी खबर मिलेगी।

धनु-:अपनी जान पहचान वालों या मीडिया से अपने और काम से जुड़ी और जानकारी ले। घर को सजाने के लिए नई चीजें खरीदने की योजनाएं बनेगी। परिवार के साथ घूमने जाने का भी सोचेंगे। यह समय आपके लिए शुभ रहेगा।

मकर-:आज आपको अपने किसी काम में मनचाही सफलता मिल जाएगी। परिवार के साथ भी खुशी के साथ समय बीतेगा। आप अपनी मेहनत और काबिलियत के दम पर कोई खास फैसला लेने में कामयाब रहेंगे। कहीं से कोई अच्छी खबर मिलने से मन खुश रहेगा।

कुंभ-: दोपहर बाद अचानक फायदेमंद हालात बनेंगे। परिवार के किसी बड़े व्यक्ति द्वारा जरूरी सलाह मिलेगी, जो कि फायदेमंद रहेगी। धार्मिक और आध्यात्मिक कामों में आपकी रुचि बढ़ने से आपकी सोच भी अच्छी और संतुलित होगी।

मीन-:आज ग्रहों की चाल आपके लिए बहुत अच्छे हालात बना रही है। आपकी अच्छी और संतुलित सोच द्वारा योजना बनाकर काम पूरे होते जाएंगे। युवा वर्ग अपने किसी लक्ष्य पर पूरा ध्यान देंगे और अच्छे नतीजे भी हासिल करेंगे।

कोहली का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास, कहा- टेस्ट में सीखे सबक जीवनभर याद रहेंगे

नई दिल्ली। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। कोहली ने सोमवार को इंस्टाग्राम लिखा- टेस्ट क्रिकेट ने मेरी परीक्षा ली, मुझे आकार दिया, वो पाठ सिखाए जो जिंदगीभर मुझे याद रहेंगे। विराट कोहली ने 10 मई को बीसीसीआई से कहा था कि मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहता हूं। बीसीसीआई ने कोहली को अपने फैसले पर फिर विचार करने को कहा था। 11 मई को बोर्ड के एक अधिकारी ने उनसे बात भी की थी। दिसंबर/जनवरी में ऑस्ट्रेलिया में हुई बॉर्डर- गावस्कर सीरीज में विराट का प्रदर्शन बेहतर नहीं था। उन्होंने इस सीरीज में 23.75 की औसत से रन बनाए थे। वहीं 8 में से 7 बार ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर आउट हुए। बीजीटी में कोहली ने 9 पारियों में 190 रन बनाए। इनमें एक शतक शामिल था। विराट कोहली ने 123 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने 30 शतक और 31 अर्धशतक बनाए।

विराट ने 7 दोहरे शतक लगाए। 2017 और 2018 में वे टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर चुने गए। विराट ने लिखा, 'टेस्ट क्रिकेट में पहली बार मैंने बैगी ब्लू जर्सी 14 साल पहले पहनी थी। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह फॉरमेट मुझे इस तरह के सफर पर ले जाएगा। इसने मेरी परीक्षा ली, मुझे पहचान दिया और मुझे ऐसे सबक सिखाए, जिन्हें मैं जीवन भर साथ रखूंगा। सफेद जर्सी में खेलना मेरे लिए बहुत ही खास और निजी अनुभव है। परिश्रम, लंबे दिन, छोटे-छोटे पल जिन्हें कोई नहीं देखता, लेकिन यह हमेशा आपके साथ रहते हैं। जब मैं इस फॉरमेट से दूर जा रहा हूं, तो यह आसान नहीं है, लेकिन यह फिलहाल सही लगता है। मैंने इसमें अपना सबकुछ दिया है और इसने मुझे मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा दिया है। मैं खेल के लिए, मैदान पर खेलने वाले लोगों के लिए और हर उस व्यक्ति के लिए आभारी हूं, जिसने मुझे इस सफर में आगे बढ़ाया। मैं हमेशा अपने टेस्ट करियर को मुस्कुराते हुए देखूंगा।' उन्होंने आगे अपनी जर्सी का नंबर '269' लिखा और लिखा 'साइनिंग ऑफ'। बीसीसीआई ने विराट कोहली को थैंक यू कहा। बोर्ड ने लिखा - टेस्ट क्रिकेट में एक युग समाप्त हो गया है, लेकिन विरासत जारी रहेगी। उन्होंने टीम इंडिया के लिए जो योगदान किया, उसे हमेशा याद किया जाएगा। बेस्ट फ्रेंड डिविलियर्स बोले- सच्चा लीजेंडः साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने विराट कोहली को संन्यास लेने पर सच्चा लीजेंड बताया। एबीडी ने कहा कि कोहली की स्किल्स ने हमेशा प्रेरणा दी है। उन्होंने प्यार से कोहली को बिस्कुटी कहा। इस इटैलियन शब्द का मतलब बिस्कुट होता है।विराट कोहली ने कभी कप्तान के तौर पर आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीता। टेस्ट क्रिकेट में बतौर लीडर वे धोनी और रोहित दोनों से आगे हैं। कोहली ने घर में सभी 11 सीरीज जीतीं धोनी और रोहित दोनों की कप्तानी में भारत को घर में टेस्ट सीरीज में हार झेलनी पड़ी। रोहित की कप्तानी में तो न्यूजीलैंड से क्लीन स्वीप भी शामिल है। कोहली ने 2015 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली बार घरेलू मैदान पर कप्तानी की थी। भारत ने 4 टेस्ट की सीरीज 3-0 से जीती। इसके बद कोहली की कप्तानी में टीम ने घर सभी टेस्ट सीरीज जीतीं।

भारत में प्लास्टिक से एक लाख मौतें, डी.ई.एच.पी केमिकल से कई गंभीर बीमारियों का रिस्क

नई दिल्ली। हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में प्लास्टिक का एक्सपोजर बहुत ज्यादा है। लंच बॉक्स और पानी की बोतल से लेकर शैम्पू के डिब्बे व किचन के कंटेनर तक, हम प्लास्टिक से बनी बहुत सी चीजों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि प्लास्टिक में मौजूद कुछ केमिकल हमारी सेहत के लिए खतरनाक हो सकते हैं। हाल ही में 'द लैंसेट ई-बायोमेडिसिन' जर्नल में पब्लिश एक स्टडी में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इसके मुताबिक, प्लास्टिक को मुलायम बनाने के लिए डी-फैथलेट नामक एक खास केमिकल का इस्तेमाल होता है। इस केमिकल का कनेक्शन हार्ट डिजीज से होने वाली मौतों से जुड़ा है। डी.ई.एच.पी फूड कंटेनर, मेडिकल इक्विपमेंट्स, खिलौने और ब्यूटी प्रोडक्ट्स जैसी आम चीजों में पाया जाता है। स्टडी के मुताबिक, डी.ई.एच.पी के संपर्क में आने से साल 2018 में 55-64 साल के करीब 3.5 लाख लोगों की मौतें हुई थीं। ये सभी मौतें हार्ट डिजीज से जुड़ी थीं। इनमें से 1 लाख 3 हजार से ज्यादा मौतें अकेले भारत में दर्ज की गई, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है। चीन और इंडोनेशिया जैसे बड़े प्लास्टिक उत्पादक देशों में भी इसके कारण हजारों मौतें हुईं। ये स्टडी न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स द्वारा दुनिया के 200 देशों में की गई है। स्टडी बताती है कि प्लास्टिक में मौजूद यह केमिकल हमारी सेहत के लिए गंभीर खतरा है और इस पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। एक तरह का केमिकल है, जिसका इस्तेमाल

प्लास्टिक को मुलायम बनाने के लिए किया जाता है। इसे प्लास्टिसाइजर भी कहा जाता है। यह पर्यावरण के लगभग सभी हिस्सों में मौजूद है। इंडस्ट्रियल इलाकों में इसकी मात्रा ज्यादा होती है। आम लोग और कारखानों में काम करने वाले दोनों ही इसके संपर्क में आ सकते हैं। पॉलीविनाइल क्लोराइड प्लास्टिक से बनी चीजों में इसका इस्तेमाल ज्यादा होता है। हालांकि हर प्रोडक्ट में इसकी मात्रा अलग-अलग हो सकती है। किस तरह के प्रोडक्ट्स में डी.ई.एच.पी का ज्यादा इस्तेमाल होता है।यह केमिकल भोजन, पानी, स्किन के संपर्क और हवा में सांस लेने के माध्यम से शरीर में जा सकता है। जैसे प्लास्टिक फूड कंटेनर में गर्म खाना पैक करने व उसे माइक्रोवेव में गर्म करने से डी.ई.एच.पी खाने के जरिए अंदर जा सकता है। साथ ही इसके छोटे कण हवा में मौजूद रहते हैं, जो सांस के जरिए शरीर में प्रवेश कर सकते हैं।वहीं लोशन और क्रीम जैसे कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से भी ये केमिकल शरीर में जा सकते हैं। इसके अलावा खून चढ़ाने और डायलिसिस जैसी मेडिकल प्रक्रियाओं के दौरान भी ये शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। ये केमिकल शरीर के हॉर्मोन का संतुलन बिगाड़ सकता है। इससे सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने से शरीर में इंफ्लेमेशन बढ़ सकता है, जो हार्ट डिजीज के खतरे का कारण बन सकता है। साथ ही ये केमिकल शरीर में चर्बी को ठीक से पचने नहीं देते। इससे मोटापा, डायबिटीज और अन्य गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। चिंताजनक बात ये है कि कम मात्रा में भी रोजाना संपर्क में रहने से ये शरीर में धीरे-धीरे जमा होते रहते हैं और लंबे समय में खतरा बढ़ाते हैं। इससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।भारत में फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया एफएसएसएआई ने फूड कॉन्टैक्ट प्लास्टिक में डी.ई.एच.पी की माइग्रेशन लिमिट तय की है। एफएसएसएआई ने इसकी सीमा 1.5 मिलीग्राम/किलोग्राम तय की है। यह नियम 31 अगस्त 2022 से लागू है। इसका उद्देश्य खाने के संपर्क में आने वाले प्लास्टिक को सुरक्षित रखना है। हालांकि नॉन-फूड प्लास्टिक प्रोडक्ट्स और मेडिकल इक्विपमेंट्स में अभी भी इसका इस्तेमाल खूब होता है।हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में इस्तेमाल होने वाले कई प्रोडक्ट्स में डी.ई.एच.पी मौजूद होता है। इसलिए इससे बचना थोड़ा चैलेंजिंग है। हालांकि इसके खतरे से बचने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं। इसमें सबसे जरूरी कदम ये है कि जहां तक संभव हो, प्लास्टिक प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से बचें। इसके अलावा और कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। सभी तरह के प्लास्टिक एक जैसे खतरनाक नहीं होते। लेकिन कुछ दूसरों की तुलना में ज्यादा नुकसानदायक केमिकल छोड़ते हैं। प्लास्टिक प्रोडक्ट्स पर दिए गए रेजिन आइडेंटिफिकेशन कोड जैसे 1, 2, 4, 5, उनकी पॉलिमर संरचना के बारे में जानकारी देते हैं। ये आमतौर पर खाने-पीने के सामान के लिए सुरक्षित माने जाते हैं, लेकिन इनका भी सीमित इस्तेमाल करना बेहतर है। लेकिन सभी कोड सुरक्षित नहीं हैं। नंबर 3 (पॉलीविनाइल क्लोराइड), 6 (पॉलीस्टाइरीन) और 7 (अन्य प्लास्टिक, जिनमें बीपीए जैसे केमिकल हो सकते हैं) से बने प्लास्टिक से बचने की सलाह दी जाती है क्योंकि इनमें नुकसानदायक केमिकल्स हो सकते हैं।

नीरज चोपड़ा ने कैसे पार किया 90 मीटर मार्कःवर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले से कोचिंग ली; ट्रेनिंग के लिए जल्दबाजी में शादी, रिसेप्शन भी टाला

नई दिल्ली। भारत के जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने आखिरकार 90 मीटर के पार भाला फेंका। नीरज ने यह कामयाबी शुक्रवार रात को दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर भाला फेंककर हासिल की। नीरज पिछले 8 साल से 90 मीटर भाला फेंकने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने कहा- इस सीजन में और भी 90 मीटर थ्रो आने वाले हैं। आज से ठीक 9 महीने 7 दिन पहले 9 अगस्त 2024 को नीरज ने पेरिस ओलिंपिक में सिल्वर जीतने के बाद कहा था, 'आज मेरा दिन नहीं था। मुझे लग रहा था कि आज वो दिन है, जब 90 मीटर का थ्रो आएगा, लेकिन भगवान को कुछ और मंजूर था।' 9 महीने 7 दिन में नीरज ने 90 मीटर की बाधा कैसे पार कर ली।जेवलिन में अब तक के इतिहास में दुनिया भर 25 जेवलिन थ्रोअर ही 90 मीटर भाला फेंक सके हैं। एशिया में ऐसा करने वाले 3 प्लेयर ही हैं। इनमें नीरज के अलावा, पाकिस्तान के अरशद नदीम और चीनी ताइपे चाओ-त्सुन चेंग शामिल हैं। 2024 ओलिंपिक से पहले चेंग ही यह कारनामा कर सके थे। नीरज ने वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर जान जेलेजनी से ट्रेनिंग लेने का फैसला लिया। उन्होंने नवंबर 2024 में चेक गणराज्य के जेलेजनी को अपना कोच बनाया। दोनों ने फरवरी महीने में कोचिंग शुरू की। जेलेजनी के नाम भाला फेंक का वर्ल्ड रिकॉर्ड है, उन्होंने 1996 में 98.48 मीटर भाला फेंका था। वे तीन ओलिंपिक में

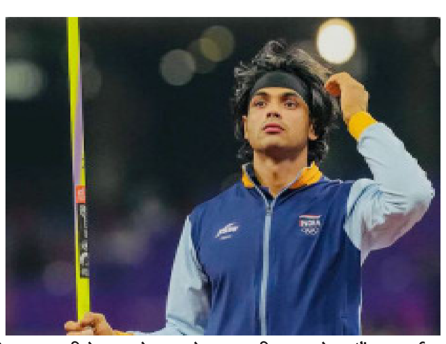

गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। जर्मन बायोमैकेनिक्स विशेषज्ञ डॉ क्लॉस बार्टोनिट्ज की कोचिंग में नीरज ने 2020 में टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीता। उसके बाद पेरिस में सिल्वर मेडल भी हासिल किया। इस बीच नीरज डायमंड लीग, वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे टूर्नामेंट में मेडल जीतते रहे, लेकिन 90 मीटर मार्क हासिल नहीं कर सके। नीरज ने एक इंटरव्यू में कहा था कि कोच जेलेजनी ने पेरिस ओलिंपिक के वीडियो देखकर उन्हें 2 कमियां बताई थीं। उन्होंने नीरज की तकनीक में कुछ बदलाव भी किए थे, जिनका जिक्र नीरज ने एक इंटरव्यू में किया था।वे पेरिस ओलिंपिक में बहुत नीचे भाला फेंक रहे थे, जिससे थ्रो दूर नहीं जा रहा था। वे भाला फेंकते समय अपनी बाईं ओर झुक रहे थे। जिससे ज्यादा बल नहीं लग पा रहा था। जेलेजनी से जुड़ने के बाद नीरज ने अपनी कमर की चोट के लिए जेलेजनी के बताए गए डॉक्टर से सलाह ली। नीरज ने एक इंटरव्यू में कहा था, 'मैं अपनी चोट के कारण अपनी तकनीक में 100 प्रतिशत नहीं दे पा रहा था। मैं प्राग में जेलेजनी के डॉक्टर के पास गया और उन्होंने कुछ एक्सरसाइज बताई।'नीरज काफी समय से कमर की चोट से परेशान थे। उन्होंने माना कि वे चोट की वजह से पेरिस ओलिंपिक में अपना बेस्ट प्रदर्शन नहीं कर पाए। सिल्वर जीतने के बाद नीरज ने कहा था- 'मुझे लगता है कि मैं फाइनल में अधिक दूरी तक थ्रो कर सकता था। भले ही मानसिक रूप से मैं तैयार था, लेकिन मेरा शरीर मेरी कमर की चोट के बढ़ने के डर की वजह से पीछे हट रहा था। मैं ट्रैक पर रनअप के साथ संघर्ष कर रहा था, जिसके कारण मेरे कई अटेम्ट फाउल रहे।' नीरज चोपड़ा को अपनी ट्रेनिंग की शुरुआत करने के लिए जल्दबाजी में शादी करनी पड़ी। इतना ही नहीं, रिसेप्शन को भी टालना पड़ा। नीरज ने अपनी सीक्रेट शादी के सवाल पर एक चैनल से कहा था- 'मुझे ट्रेनिंग करनी थी, इस वजह से जल्दी में शादी की।'नीरज ने कहा था- ऐसा नहीं कि मेरी शादी की खबर किसी को नहीं थी। काफी लोगों को जानकारी थी, जिसमें फैमिली और क्लोज फ्रेंड भी थे। हम सभी को अच्छे तरीके से इनवाइट करना चाहते थे। वह ऐसा टाइम था कि मुझे ट्रेनिंग शुरू करनी थी। मेरा कॉम्पिटिशन का सीजन शुरू होने वाला था। पहले था कि सीजन के बाद ट्रेनिंग स्टार्ट करूंगा, लेकिन फिर भी सबको बुलाने में काफी टाइम लग जाता।

तपती गर्मी में नवजात को कंबल में लपेटना पड़ सकता है भारी

माता-पिता को यह डर रहता है कि नवजात शिशुओं को एसी या कूलर की हवा में रखने से उन्हें ठंड लग सकती है।लेकिन पैरेंट्स की इस आदत पर पर डॉक्टर ने कड़ी आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इससे बच्चे को परेशानी झेलनी पड़ सकती है। इसलिए पैरेंट्स ऐसा न करें। न्यू बॉर्न बेबीज भी हमारी-आपकी तरह इंसान ही हैं। उसका तापमान भी हमारे बराबर ही होता है, तो इसलिए उसे बहुत ज्यादा ढकने या फिर कंबल में रखने की जरूरत नहीं है। बस हल्के से कॉटन के कपड़े में रख सकते हैं।

चेहरे पर अरंडी का तेल लगाना कितना फायदेमंद है? जानें इसके 5 फायदे और इस्तेमाल करने का तरीका

हम अपनी स्किन को हमेशा रिंकल फ्री, क्लीयर और ग्लोइंग बनाना चाहते

हैं, लेकिन जिस तरह आज इतने तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट आ गए हैं किसी का भी सिर्फ नेचुरल चीजों पर टिके रहना संभव नहीं है। लेकिन अगर आप चाहें तो कैस्टर ऑयल को अपने स्किन केयर में शामिल कर सकते हैं।वैसे तो चेहरे पर लगाने के लिए आपको बादाम, नारियल और न जाने कितने तरह के तेल मिल जाएंगे, लेकिन कैस्टर ऑयल को हम सबसे ज्यादा फायदेमंद कह सकते हैं। इसे हिंदी में अरंडी का तेल कहा जाता है, जिसका इस्तेमाल स्किन और हेयर हेल्थ को बेहतर बनाने के लिए क्या जाता रहा है। आपको बता दें कि अरंडी का तेल सदियों से अपने औषधीय और सौंदर्य गुणों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। आज हम आपको इस लेख में कैस्टर ऑयल को चेहरे पर लगाने के 5 फायदों और इस्तेमाल करने का तरीका बताने वाले हैं। एंटी-एजिंग के साथ एक बार इसके फायदे जानने के बाद आप खुद ही इस तेल को अपने स्किन केयर में शामिल कर देंगे। आइए हम आपको इसके फायदों के बारे में बताएं।अरंडी का तेल एक प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है। इसका गाढ़ा टेक्सचर स्किन में आसानी से प्रवेश करता है और नमी को लॉक करने में मदद करता है। इसमें मौजूद रिसिनोलिक एसिड त्वचा की बाहरी परत को मजबूत करता है, जिससे स्किन कम सूखती है और लंबे समय तक हाइड्रेट रहती है।

रोस्टन चेज वेस्टइंडीज के नए टेस्ट कप्तानःदो साल बाद टीम में वापसी ब्रैथवेट की जगह लेंगे; ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज ने दो साल से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे ऑलराउंडर रोस्टन चेज को टीम का कप्तान नियुक्त किया है। वह क्रैग ब्रैथवेट की जगह लेंगे। ब्रैथवेट ने इस साल के मार्च में टेस्ट कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। वेस्टइंडीज ने उनकी कप्तानी में खेले 39 मैच में से 10 टेस्ट जीते, 22 हारे और सात ड्रॉ रहे।चेज ने आखिरी बार मार्च 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट खेला था। तब से वेस्टइंडीज ने 13 टेस्ट खेले, लेकिन उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। अब टीम में वापसी के साथ ही उन्हें कप्तान बनाया गया है। इससे पहले वे एक वनडे और एक टी-20 में कप्तानी कर चुके हैं। चेज की अगुआई में टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज खेलेगी, जो 25 जून से ब्रिजटाउन में शुरू होगी। चेज ने अब तक 49 टेस्ट में 2265 रन बनाए हैं, जिसमें 5 शतक शामिल हैं। उनका औसत 26.33 है। गेंद से भी उन्होंने 85 विकेट लिए हैं। शुरुआत में उनका प्रदर्शन शानदार रहा था। पहले 10 टेस्ट में उनका बैटिंग एवरेज 48.53 रहा, लेकिन इसके बाद उनका ग्राफ गिरा।वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तान के लिए रोस्टन चेज के अलावा जॉन कैम्पबेल, टेविन इमलाच, जोशुआ दा सिल्वा, जस्टिन ग्रीव्स और जोमेल वारिकन जैसे खिलाड़ी भी रेस में थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने बताया कि कप्तान चुनने के लिए एक 'डेटा-आधारित, साइकोमेट्रिक टेस्ट वाला प्रोसेस' अपनाया गया था। सभी प्रक्रिया के बाद रोस्टन चेज को कप्तान चुनने का फैसला किया गया। सीडब्लूआई अध्यक्ष डॉ. किशोर शैलो ने इस चयन को वेस्टइंडीज क्रिकेट की सबसे सोच-समझकर की गई प्रक्रिया बताया। कोच डैरेन सैमी ने भी कहा कि, चेज को उनके साथियों का सम्मान मिला है और वो टीम को आगे ले जाने के लिए जरूरी लीडरशिप क्वालिटीज दिखा चुके हैं।

रात में बार-बार पेशाब जाने की आदत से नींद होती है डिस्टर्ब, 5 चमत्कारी नुस्खे?

नई दिल्ली। रात में बार-बार वॉशरूम जाना यानी 'नोक्ट्यूरिया' सिर्फ एक छोटी सी परेशानी नहीं, बल्कि नींद की क्वालिटी, दिनभर की ऊर्जा और मानसिक फोकस को बुरी तरह प्रभावित करने वाला मसला है। पहला नुस्खा है - सूखा धनिया और मिश्री। इसे बराबर मात्रा में पीसकर एक चम्मच रात को सोने से पहले गुनगुने पानी के साथ लेना चाहिए। सूखा धनिया मूत्रनलिका को शांत करता है और अतिरिक्त पेशाब बनने की क्रिया को नियंत्रित करता है। वहीं मिश्री का शीतल प्रभाव शरीर को रिलैक्स करता है। ये उपाय पेशाब की बारंबारता को कम करने के साथ-साथ पेट के विकारों में भी राहत पहुंचाता है। सबसे अच्छी बात ये है कि ये नुस्खा पूरी तरह नेचुरल है और किसी भी उम्र के व्यक्ति के लिए सुरक्षित है।

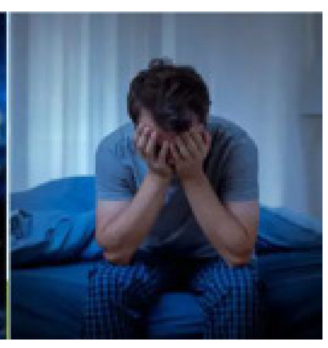

दूसरा आसान और असरदार नुस्खा है - काले तिल और गुड़। तिल को हल्का भूनकर गुड़ के साथ रोजाना एक छोटा लड्डू बनाकर सोने से पहले खाएं। तिल में मौजूद मिनरल्स ब्लैडर की मांसपेशियों को मजबूत करते हैं, जबकि गुड़ शरीर को गर्मी और ऊर्जा देता है। यह उपाय खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो रात में ठंड लगने या यूरिन कंट्रोल में कमजोरी के कारण वॉशरूम जाते हैं। यह उपाय शरीर की संपूर्ण क्रिया को संतुलित करता है और नींद को बाधित नहीं होने देता। सौंफ का इस्तेमाल अक्सर पाचन के लिए किया जाता है, लेकिन यह मूत्र रोगों में भी बेहद लाभकारी है। एक चम्मच सौंफ को एक कप पानी में उबालकर छान लें और गुनगुना होने पर इसे रात में सोने से आधा घंटा पहले पिएं। यह काढ़ा ब्लैडर को आराम देता है, सूजन कम करता है और पेशाब की आवृत्ति को संतुलित करता है। इसके नियमित सेवन से यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन की संभावना भी कम होती है। इसका स्वाद हल्का मीठा और ठंडक देने वाला होता है, जिससे नींद भी अच्छी आती है।सिर्फ घरेलू नुस्खे ही नहीं, बल्कि कुछ सरल जीवनशैली के बदलाव भी इस समस्या से राहत दिला सकते हैं।

30प्रतिशत डायबिटीज खत्म कर देगी 1 देसी चीज, हजारों साल से खा रहे हैं लोग, हड्डियों में भरेगा कैल्शियम

नई दिल्ली। डायबिटीज एक खतरनाक बीमारी है, जिसका मेडिकल साइंस के पास कोई परमानेंट इलाज नहीं है। लेकिन इसे मैनेज जरूर किया जा सकता है। 1 देसी चीज से खाने के बाद बढ़ने वाली शुगर को 30 प्रतिशत कम कर सकती है। यह इंडियन सुपरफूड आंवला है। यह विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स का पावरहाउस होता है, जो पूरे साल मिलता है। डायबिटीज कम करने का फूडः यह पोस्ट मील शुगर लेवल कम करने के साथ फास्टिंग शुगर लेवल भी कम रखता है। यह लेवल कम से कम 8 घंटे तक कुछ ना खाने के बाद मापा जाता है। इसे अक्सर सुबह उठने के बाद चेक किया जाता है। आंवला इतना फायदेमंद है कि हजारों साल से इसका सेवन किया जा रहा है। आंवला खाने के 2 तरीके हैं आंवला को रोजाना भोजन में शामिल कर सकते हैं। सबसे पहले इसे आप कच्चा खा सकते हैं। आप इसे भोजन के साथ ले सकते हैं। दूसरा तरीका आंवला शॉट लेना है। सुबह खाली पेट आंवला का जूस पीकर दिन की बढ़िया शुरुआत कर सकते हैं।आंवला में खूब सारा विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जहां विटामिन सी कोलाजन बूस्ट करके स्किन को ग्लोइंग बनाने में मदद करता है। वहां एंटीऑक्सीडेंट इम्यूनिटी बढ़ाकर फ्री रेडिकल से लड़ता है।यह सभी जानते हैं कि आंवला में फाइबर प्रचुर होता है। जो पाचन और गट हेल्थ को बेहतर बनाता है और साथ में कब्ज से बचाता है। लेकिन क्रोमियम बहुत कम फूड में मिलता है। यह मेटाबॉलिज्म बढ़ाने के साथ ब्लड शुगर कंट्रोल रखता है।आंवला दो प्रमुख मिनरल देता है। एक कैल्शियम और दूसरा आयरन, जहां कैल्शिमय हड्डियों व दांतों की मजबूती के लिए जरूरी है, वहीं आयरन रेड ब्लड सेल्स बनाने में मदद करता है। जिससे एनीमिया का खतरा भी दूर होता है।

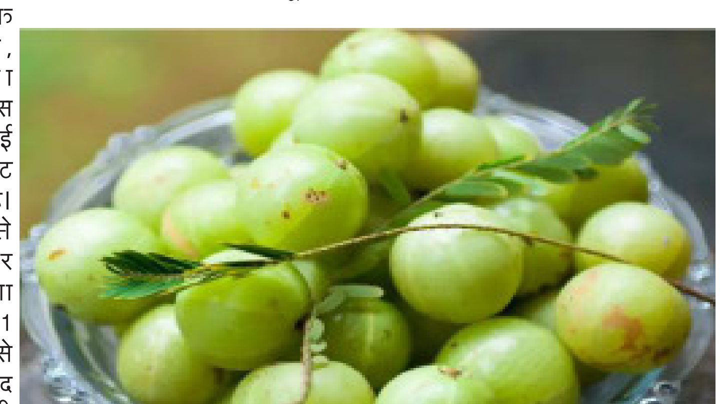

तेंदुलकर-गावस्कर के बाद वानखेड़े स्टेडियम में रोहित शर्मा स्टैंड,माता-पिता ने उद्घाटन किया, भारतीय कप्तान बोले- सपने में भी नहीं सोचा था

नई दिल्ली। भारतीय वनडे कप्तान रोहित शर्मा के नाम पर वानखेड़े स्टेडियम के एक स्टैंड का नाम रखा गया है। यह लेवल-3 स्टैंड है, जो पहले दिवेचा पवेलियन के नाम से जाना जाता था। रोहित के पिता गुरुनाथ शर्मा और माता पूर्णिमा शर्मा ने शुक्रवार को इस स्टैंड का उद्घाटन किया। इस मौके पर भारतीय वनडे टीम के कप्तान रोहित ने कहा- मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। मेरे लिए खेल के महान खिलाड़ियों के बीच अपना नाम होना खास एहसास है। रोहित के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और नेशनल कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार भी मौजूद थे।रोहित शर्मा ने कहा, यह जो हो रहा है, मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। बचपन में मैं मुंबई और भारत के लिए खेलना चाहता था। मेरे लिए खेल के महान खिलाड़ियों के बीच अपना नाम होना, इस फीलिंग को मैं बता नहीं सकता। यह इसलिए भी खास है क्योंकि मैं अभी भी खेल रहा हूं। मैंने दो फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले लिया है, लेकिन मैं अभी भी एक फॉर्मेट खेल रहा हूं। रोहित ने आगे कहा- 'आईपीएल में दिल्ली के खिलाफ 21 तारीख को जब मैं यहां खेलूंगा तो यह एक खास एहसास होगा। जब भी ऐसा मैं भारत के लिए भविष्य में यहां खेलने उतरूंगा तो यह और भी खास हो जाएगा। मैं

इतने सारे लोगों, खासकर मेरे परिवार, मेरी मां और पिताजी, मेरे भाई, उनकी पत्नी और मेरी पत्नी, जो यहां मौजूद हैं, के सामने यह बड़ा सम्मान पाकर आभारी हूं। मैं अपनी खास टीम, मुंबई इंडियंस का भी शुक्रिया अदा करता हूं।'वानखेड़े स्टेडियम के दिवेचा पवेलियन लेवल-3 का नाम अब रोहित शर्मा स्टैंड रखा गया है। यह प्रस्ताव महाराष्ट्र के नेता मिलिंद नार्वेकर द्वारा पेश किया गया था, जिसे पिछले महीने वार्षिक बैठक में मंजूरी मिली थी।वहीं, ग्रैंड स्टैंड लेवल-3 को अब शरद पवार स्टैंड के नाम से जाना जाएगा, जबकि लेवल-4 का नाम बदलकर अजीत वाडेकर स्टैंड कर दिया जाएगा। वानखेड़े स्टेडियम के ऑफिस का नाम अब पूर्व अध्यक्ष अमोल काले की याद में रखा गया है। रोहित शर्मा अब सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर जैसे पूर्व महान खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिनका नाम पहले से ही मौजूद है। रोहित की कप्तानी में भारत ने 9 महीने में 2 आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम की थी। 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप और 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भी उपविजेता रही थी।रोहित शर्मा ने 7 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर स्टोरी शेयर कर रिटायरमेंट की जानकारी दी थी।रोहित शर्मा और विराट कोहली ने 7 और 12 मई को टेस्ट से संन्यास ले लिया। उनके रिटायरमेंट से टीम में लीडरशिप की कमी हो गई। रोहित 4 साल से कप्तान थे, वहीं कोहली की कप्तानी में टीम ने 8 साल तक विदेश में 15 टेस्ट जीते।जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, मोहम्मद शमी और रवींद्र जडेजा ही टीम के सीनियर प्लेयर बचे। राहुल और बुमराह को कप्तानी का अनुभव है। वहीं युवा शुभमन गिल और ऋषभ पंत भी कप्तानी की रेस में बने हुए हैं।

बटलर के जाने के बाद गिल को स्टैंड लेना होगा-रैना, कहा- प्लेऑफ में उनकी कमी खलेगी गावस्कर बोले, शुभमन में कप्तान बनने की क्षमता

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय खिलाड़ी सुरेश रैना का मानना है कि कप्तान शुभमन गिल

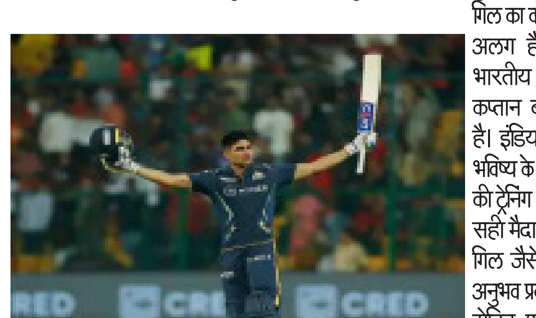

को अच्छे से खेलते हुए टीम के लिए स्टैंड लेना होगा। आईपीएल-2025 के टॉप-5 ऑरेंज कैप होल्डर में 3 बल्लेबाज गुजरात टाइटंस के हैं। टीम के टॉप बैटर्स तो फॉर्म में हैं, लेकिन मिडिल ऑर्डर का प्रदर्शन अब तक खास नहीं रहा है।जियोहॉटस्टार प्रेस रूम (रेस टू प्लेऑफ) में रैना ने सवाल जोस बटलर के प्लेऑफ के समय इंटरनेशनल ड्यूटी की वजह से वापस इंग्लैंड जाने पर कहा, टीम को उनकी कमी खलेगी। बटलर की जगह श्रीलंका के कमिंडू मेंडिस को चुना गया है। लेकिन उनका लेवल मैच करना अलग बात है।भारत के संभावित टेस्ट कप्तान शुभमन गिल पर सुनील गावस्कर ने कहा, गिल का कॉम्पिटिशन सबसे अलग है। उनके अंदर भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान बनने की क्षमता है। इंडियन प्रीमियर लीग भविष्य के भारतीय कप्तानों की ट्रेनिंग के लिए बिलकुल सही मैदान है जो शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों को अनुभव प्रदान कर रहा है। रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान गिल इंग्लैंड दौरे पर भारत की कप्तानी कर सकते हैं और ऋषभ पंत उप कप्तान हो सकते हैं। रोहित के बाद विराट कोहली ने भी संन्यास ले लिया था, जिससे टीम को दोबारा बनाने की जिम्मेदारी हेड कोच गौतम गंभीर पर है। गावस्कर ने कहा कि गिल के अलावा अन्य संभावित कप्तान जैसे ऋषभ पंत तथा श्रेयस अय्यर को तैयार होने में कम से कम दो साल लगेंगे। पंत इस समय लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी कर रहे हैं जबकि अय्यर इस आईपीएल में पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं।

इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया-ए का ऐलान,अभिमन्यु ईश्वरन कप्तानी करेंगे; करुण नायर की वापसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इंग्लैंड

दौरे के लिए इंडिया-ए का ऐलान कर दिया है। डोमेस्टिक क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले अभिमन्यु ईश्वरन को कप्तान बनाया गया है, जबकि ध्रुव जुरेल उनके डिप्टी बनाए गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बताया कि शुभमन गिल और साई सुदर्शन दूसरे मैच से टीम के साथ जुड़ेंगे। टीम को इंग्लैंड में तीन मैच खेलने हैं। इनमें दो मैच इंग्लैंड लायंस के खिलाफ होंगे, जबकि तीसरा मैच भारतीय क्रिकेट टीम के साथ खेला जाएगा। इस टीम में करुण नायर, शार्दूल ठाकुर और ईशान किशन जैसे बड़े नाम हैं। तनुष कोटियान, आकाश दीप भी शामिल हैं। शार्दुल ठाकुर का सीनियर टीम का हिस्सा बनना तय माना जा रहा है।इस टीम में कई सीनियर टीम के प्लेयर्स को जगह दी गई है। इनमें ओपनर यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, ध्रुव जुरेल, नीतीश कुमार रेड्?डी, शार्दूल ठाकुर जैसे नाम हैं।यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, ध्रुव जुरेल (उपकप्तान, विकेटकीपर) नीतीश कुमार रेड्?डी, शार्दूल ठाकुर, ईशान किशन (विकेटकीपर), मानव सुथार, तनुष कोटियान, मुकेश कुमार, आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, खलील अहमद, ऋतुराज गायकवाड, सरफराज खान, तुषार देशपांडे और हर्ष दुबे।

आईएसआई भारत में खालिस्तानी समर्थकों को उकसा रही,पंजाब-हरियाणा में आतंकी नेटवर्क दोबारा एक्टिव कर रही

नई दिल्ली। पाकिस्तान से भारत का तनाव भले ही कम हो गया हो, लेकिन भारत में अशांति फैलाने के एजेंडे पर पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई अभी भी काम कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, आईएसआई ने युद्धविराम की घोषणा के बाद खालिस्तान समर्थकों को उकसाना शुरू कर दिया है, जिससे कि भारत में कोई बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम दिया जा सके। आईएसआई कनाडा में खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस के चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू और दूसरे खालिस्तानी आतंकियों की मदद ले रहा है। इनके जरिए पंजाब, हरियाणा व अन्य राज्यों में खालिस्तानी आतंकियों के नेटवर्क को फिर से एक्टिव करने का काम शुरू कर दिया है। खालिस्तानी आतंकियों की साजिश भारत में पुलिस थानों, सेना व सरकारी

प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की है। साजिश को अंजाम देने के लिए बीते कुछ दिनों में एक नया पैटर्न देखने को मिला है। फरार खालिस्तानी आतंकी अब फिर से भारत आने लगे हैं, ताकि यहां किसी बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम दिया जा सके। खुफिया एजेंसियों ने इसको लेकर देश की सभी सुरक्षा जांच एजेंसियों को आगाह किया है। इसके बाद से एनआईए, पंजाब-दिल्ली-चंडीगढ़ पुलिस व अन्य राज्यों की पुलिस अलर्ट मोड पर हैं। कुछ राज्यों पर कार्रवाई भी की गई है।खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तान से ऑपरेट किए जा रहे खालिस्तान समर्थित सोशल मीडिया अकाउंट को इंटरसेप्ट किया है। ये सभी बॉट संचालित अकाउंट हैं और इनमें खुद को भारतीय दर्शाया गया है। ये सोशल मीडिया अकाउंट किसी न किसी सिख व्यक्ति की पहचान या नकली नाम से बनाए गए हैं। खालिस्तान समर्थकों को भड़काने वाले 100 वीडियो केंद्र ने ब्लॉक किए हैं। आतंकी पन्नू के 50 से अधिक बॉट सोशल मीडिया अकाउंट भी बंद हुए हैं।भारत-पाकिस्तान के बीच 10 मई शाम सीजफायर हुआ था। हालांकि, पाकिस्तान ने लगातार दो और सीजफायर का उल्लंघन किया था। 12 मई को दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच दोबारा चर्चा हुई थी। जिसमें बॉर्डर से सैनिक कम करने और एक-दूसरे के खिलाफ कार्रवाई रोकने पर सहमति बनाई गई थी।खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस के चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू ने दावा किया है कि पटियाला के कैंट इलाके में आर्मी स्कूल की दीवारों पर खालिस्तान और पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लिखे गए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर-पाकिस्तान डमी फाइटर जेट के झांसे में फंसा था उसके एयर डिफेंस सिस्टम के ऑन होते ही भारत ने स्ट्राइक की थी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायु सेना ने दुश्मन के एयर डिफेंस कवच को तोड़ने की ऐसी नायाब तरकीब अपनाई थी, जिसे इस संघर्ष की बड़ी उपलब्धि के तौर पर हमेशा याद रखा जाएगा।

भारतीय वायु सेना ने असली फाइटरों जेट की जगह डमी फाइटर जेट का इस्तेमाल किया था। इसके लिए अनमैंड एरियल व्हीकल्स का सहारा लिया गया था। डीआरडीओ के लक्ष्य और ब्रिटिश बंशी यूएवी को जेट जैसा दिखाने के लिए वजनी बनाया गया। इनमें इंफ्रारेड सिग्नेचर जोड़ा गया था ताकि पाकिस्तानी वायु सेना को लगे कि असली फाइटर आ रहे हैं। पाकिस्तान के मुरीद एयरबेस, सियालकोट, सरगोधा और रहीम यार खान के सामने इन डमी फाइटर जेट की उड़ान भेजी गई थीं। इससे पाकिस्तानी एयर डिफेंस सक्रिय हो गया। पाकिस्तान ने एचक्यू-9 मिसाइल बैटरियों और राडार नेटवर्क को एक्टिवेट कर दिया। भारतीय वायु सेना ने इस स्थिति का फायदा उठाया। हैरोप ड्रोन्स ने पाकिस्तानी मिसाइल बैटरियों और राडार साइट्स को नष्ट कर दिया। इसके चलते पाकिस्तानी वायु सेना बिना रक्षा कवच के रह गई थी। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के कई एयरबेस तबाह किए थे। प्राइवेट कंपनी मक्सर के सैटेलाइट ने इन तबाह एयरबेस की फोटोज जारी की थीं। मक्सर ने पाकिस्तान के जिनकी फोटोज जारी की, उनमें सरगोधा, नूर खान, भोलारी और सुक्कुर के एयरबेस थे। फोटोज में साफ देखा जा सकता है कि हमले के पहले और बाद में वहां क्या स्थिति थी।सेना ने 7 मई की सुबह बताया था कि पाकिस्तान और पीओके में 9 टारगेट पहचाने गए थे। इन्हें हमने तबाह कर दिया। लॉन्चपैड, ट्रेनिंग सेंटर्स टारगेट किए गए। इनके नाम हैं..पीओके में मुजफ्फराबाद स्थित लश्कर के सवाई नाला ट्रेनिंग सेंटर को सबसे पहले निशान बनाया गया। सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम हमले के आतंकियों ने यहीं ट्रेनिंग ली थी।, मुजफ्फराबाद का सैयदना बिलाल कैंप। यहां हथियार, विस्फोटक और जंगल सर्वाइवल की ट्रेनिंग दी जाती थी।कोटली का लश्कर का गुरपुर कैंप। पूंछ में 2023 में श्रद्धालुओं पर हमला करने वाले आतंकी यहीं ट्रेंड हुए थे। भिम्बर का बरनाला कैंप।

कोविड की नई लहर का एशिया में खतरा, बढ़े संक्रमण, हॉन्गकॉन्ग में कोरोना के 31 मामले, सिंगापुर में 28प्रतिशत बढ़े, चीन-थाईलैंड में भी अलट

नई दिल्ली। हॉन्गकॉन्ग और सिंगापुर में फिर से कोरोना वायरस के मामले बढ़ने लगे हैं। हॉन्गकॉन्ग में 3 मई तक कोरोना संक्रमण के 31 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से कुछ लोगों की मौत भी हुई है। मरने वालों का आंकड़ा फिलहाल नहीं बताया गया है। हॉन्गकॉन्ग ने भी यह नहीं बताया कि पहला केस कब आया था। सिर्फ जानकारी दी है। इससे पहले सिंगापुर ने भी कोविड अलर्ट जारी करते हुए इस साल कोरोना के मामलों पर अपना पहला अपडेट जारी किया था। सिंगापुर में अप्रैल के आखिरी हफ्ते कोरोना के केसों की संख्या 11,110 थी, जो मई के पहले हफ्ते बढ़कर 14,200 हो गई है। यहां मामलों में 28इ का इजाफा हुआ है। वहीं, रोजाना आधार पर अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या 30प्रतिशत तक बढ़ गई है।स्वास्थ अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि महामारी एक बार फिर से विकराल रूप ले सकती है और इसका असर एशिया के बाकी हिस्सों में भी देखने को मिल सकता है। हॉन्गकॉन्ग में संक्रामक बीमारियों के स्वास्थ्य अधिकारी अल्बर्ट अउ के मुताबिक,, कोरोना वायरस के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि सांस लेने की तकलीफ वाले मरीजों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने का चांस इस साल के हाई पर पहुंच गया है।चीन और थाईलैंड में भी कोविड को लेकर सरकार अलर्ट पर हैं। चीन में बीमारियों की जांच करवाने जा रहे मरीजों में कोविड वायरस पाए जाने के मामले दोगुने हो गए हैं। लोगों को बूस्टर शॉट लेने की सलाह दी गई है। चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड की लहर जल्द ही तेज हो सकती है। वहीं, थाइलैंड में दो अलग-अलग इलाकों मे तेजी से कोविड केस बढ़ने का मामले आए हैं।भारत में कोरोना का पहला मामला जनवरी 2020 में सामने आया था। मार्च 2020 में देशव्यापी लॉकडाउन लागू किया गया।भारत में कोरोना की पहली लहर जनवरी 2020 से फरवरी 2021 तक रही। इस दौरान लगभग 1.08 करोड़ कोरोना के मामले सामने आए।

भेड़ चराते समय 20 फीट दूर गिरी मिसाइल,फलोदी के तीन गांवों में दो घंटे के भीतर हुए चार धमाकों का सच, चश्मदीदों की जुबानी

नई दिल्ली। मैं खेत में भेड़ों को चरा रहा था। इन्हें पानी पिलाकर आगे बढ़ ही रहा था, तभी महज 20 फीट की दूरी पर आसमान से मिसाइल आकर गिरी। बहुत तेज धमाका हुआ। मैं भागकर पेड़ के पीछे छिपा और आंख-कान बंद कर लिए। धमाका इतना तेजा था कि मैं अंदर तक कांप गया। धमाके से सहमी मेरी भेड़ें भी भागी और खेत में लगी जालियों में जाकर टकरा गई। कुछ देर बाद आंखों के आगे से अंधेरा छंटा तो परिवार व रिश्तेदारों को फोन कर सारी बात बताई।' प्रयागसिंह ने अपनी आंखों से पाकिस्तान से आई मिसाइलों को ध्वस्त होते देखा था, जिनसे फलोदी एयरबेस को निशाना बनाया गया था।10 मई की सुबह एक-एक कर 4 मिसाइलों के धमाके फलोदी के 3 गांवों में सुने गए थे। फलोदी के बिठड़ी में भारतीय वायु सेना का एयरबेस स्टेशन है। यह सेंसिटिव जगहों में से एक है। जिन जगहों पर धमाके हुए वो एयरबेस स्टेशन से लगभग 15 से 20 किलोमीटर की दूरी पर ही हैं। सुजानसिंह की ढाणी : पहले आसमान में धुआं दिखा, फिर तेज रोशनी चमकी प्रयाग सिंह ने बताया कि वे नियमित भेड़-बकरियों का रेवड़ (भेड़ों के झुंड) लेकर हमेशा की तरह सुबह निकलते हैं। 10 मई की घटना को याद करते हुए बताते हैं- घड़ी में सुबह करीब 10.40 बजे थे। इस वक्त तक वो घर लौट आते हैं। लेकिन भेड़ों को पानी पिलाने के लिए खेतों में

रुके हुए थे।अचानक आसमान में हलचल होते दिखी। सब धुआं-धुआं सा नजर आ रहा था। इसके 20 मिनट के बाद बहुत तेज बिजली चमकने जैसा महसूस और पलक झपकते ही जोरदार धमाका हुआ। एक मिसाइल मुझसे 20 फीट दूर आकर गिरी। जब मैंने धुआं निकलते देखा तो मुझे लगा कि कोई रॉकेट छूटा है या कोई जेट का अभ्यास चल रहा होगा। मुझे यह नहीं पता था कि वह मेरे पास ही आकर गिर जाएगी। प्रयाग सिंह बताते हैं- मैंने खबर तो पढ़ी थी कि हमला हो सकता है। इसलिए समझ गया कि गोले पड़ने लग गए हैं। पुलिस लगभग आधा घंटे बाद में आई। हालांकि तब तक आसपास रहने वाले लोग और मेरे साथ रेवड़ चराने वाले आ चुके थे।फलोदी में 10 मई को 4 धमाके सुबह करीब 10:30 से दोपहर 12 बजे बीच हुए थे। पहला धमाका सुजान सिंह की ढाणी में 10.40 बजे हुआ, दूसरा धमाका 11 बजे के करीब ढढू गांव में हुआ और उसके बाद दो धमाके 11.56 के आस-पास उग्रास गांव में हुए। यह इलाके बॉर्डर से करीब 120 से 150 किलोमीटर की दूरी पर हैं।फलोदी के गांव ढढू में सुजान सिंह की ढाणी के रहने वाले गोपाल सिंह ने बताया कि वे हमले वाली जगह से 500 मीटर की दूरी पर ही रहते हैं। 10 मई को 4 बड़े धमाके हुए। इनमें से एक उनके घर के पास हुआ। धमाके की आवाज सुन, हम लोग घरों से बाहर निकलकर आए। हमने देखा यहां पर तकरीबन 20 फीट लंबी मिसाइल गिरी थी। इससे पहले आसमान में दो फाइटर जेट दिखे थे। संभावना है, दोनों मिसाइलें उन्हीं जेट ने मार गिराई होगी।उग्रास गांव के रहने वाले भंवरलाल फौजी ने बताया कि शनिवार के दिन तकरीबन 11.56 बजे हम कहीं जाने के लिए घर से बाहर निकले थे। अचानक आसमान में फाइटर जेट की तेज आवाज के बीच धुआं निकलता दिखा। इसके बाद हमने ऊपर से मिसाइल को नीचे गिरते हुए देखा। सब लोग दहशत में आ गए थे कि अब किसके ऊपर गिरेगी। वो मिसाइल तेजी से पास के ही खेत में आकर गिरी। लगभग 15 से 20 फीट लंबाई की मिसाइल थी। उग्रास में शनिवार को थोड़ी-थोड़ी दूरी पर ही दो जगह धमाके हुए थे। जिस जगह मिसाइल गिरी, वहां से मात्र 60 मीटर की दूरी पर 8 से 10 घर हैं। यहां लगभग 100 लोगों की आबादी रहती है।धमाके वाली जगह से 200 मीटर दूर रहने वाले सदासुख ने बताया कि मैं घर में बैठा था। मिसाइल को आसमान से आते हुए देखा था। कुछ देर में ही धमाका हुआ। उस वक्त डर लगा था। मुझे लगा था कि एक दो मिसाइल और शायद आकर गिरेगी।उग्रास गांव के ही पप्पू राम ने बताया कि धमाके की आवाजें सुनने के बाद हम सब लोग दहशत में आ गए थे। उसके बाद हम लोग सुरक्षित रहने के लिए घरों में चल गए थे। पहले धमाके के करीब 10 से 15 मिनट बाद फिर से धमाका सुनाई दिया। इसके बाद मिसाइल आकर गिरी। उस वक्त एक दो दिन थोड़ा डर लगा था। लेकिन अब कोई डर वाली बात नहीं है।

ट्रम्प के प्रवासियो को निकालने पर सुप्रीम कोर्ट की रोकःअमेरिकी राष्ट्रपति नाराज, कहा- जज अपराधियों को देश से निकालने नहीं देंगे

नई दिल्ली। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को ट्रम्प के वेनेजुएला के अप्रवासियों को देश से निकालने के फैसले पर रोक लगा दी है। कई अप्रवासी अभी टेक्सास की एक हिरासत केंद्र में बंद हैं। ट्रम्प प्रशासन 1798 के 'एलियन एनिमीज एक्ट' के जरिए उन्हें जल्द से जल्द देश से बाहर भेजना चाहता था।ट्रम्प प्रशासन के फैसले पर रोक लगाते हुए कोर्ट ने कहा कि सरकार को लोगों को देश से निकालने से पहले उन्हें कानूनी प्रक्रिया का पूरा मौका देना होगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि ट्रम्प प्रशासन ने जो तरीका अपनाया, जैसे कि 24 घंटे में बिना सुनवाई को अप्रवासी को देश से बाहर भेज देना, यह कहीं से सही नहीं है।एलियन एनिमीज एक्ट युद्ध के समय का बनाया हुआ कानून है जिसमें दुश्मनों को देश से निकालने के लिए कोई भी कानूनी कार्रवाई नहीं करनी होती है। हालांकि अमेरिकी संविधान के कुछ प्रावधान के जरिए इसे कोर्ट में चुनौती दी गई थी।अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को ट्रम्प के वेनेजुएला के अप्रवासियों को देश से निकालने के फैसले पर रोक लगा दी है। कई अप्रवासी अभी टेक्सास की एक हिरासत केंद्र में बंद हैं। ट्रम्प प्रशासन 1798 के 'एलियन एनिमीज एक्ट' के जरिए उन्हें जल्द से जल्द देश से बाहर भेजना चाहता था। ट्रम्प प्रशासन के फैसले पर रोक लगाते हुए कोर्ट ने कहा कि सरकार को लोगों को देश से निकालने से पहले उन्हें कानूनी प्रक्रिया का पूरा मौका देना होगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि ट्रम्प प्रशासन ने जो तरीका अपनाया, जैसे कि 24 घंटे में बिना सुनवाई को अप्रवासी को देश से बाहर भेज देना,

यह कहीं से सही नहीं है।एलियन एनिमीज एक्ट युद्ध के समय का बनाया हुआ कानून है जिसमें दुश्मनों को देश से निकालने के लिए कोई भी कानूनी कार्रवाई नहीं करनी होती है। हालांकि अमेरिकी संविधान के कुछ प्रावधान के जरिए इसे कोर्ट में चुनौती दी गई थी।इस फैसले का मतलब है कि प्रवासियों को यह जानने और अदालत में चुनौती देने का अधिकार है कि उन्हें क्यों निकाला जा रहा है। हालांकि यह फैसला अभी अस्थायी है और इस पर पूरी कानूनी लड़ाई अभी बाकी है। सुप्रीम कोर्ट ने मामला एक निचली अदालत (फिफ्थ सर्किट कोर्ट) को वापस भेज दिया है ताकि वहां इसे और अच्छे से सुना जा सके। यह वहीं अदालत ने जिसने अप्रैल में इस मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था। अदालत के फैसले पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नाराजगी जताई है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा- सुप्रीम कोर्ट हमें अपराधियों को देश से बाहर निकालने की इजाजत नहीं देगा।ट्रम्प दूसरी बार सत्ता में आने के बाद से ही देश में अवैध तौर पर रह रहे लोगों को निकालने में जुटे हैं। ट्रम्प प्रशासन ने एलियन एनिमीज एक्ट का इस्तेमाल करते हुए मार्च 2025 में वेनेजुएला के लगभग 137 अप्रवासियों को अल सल्वाडोर भेज दिया था। ट्रम्प का आरोप था कि ये अपराधी हैं और कुख्यात गिरोड 'ट्रेन डे अरागुआ' से जुड़े हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन प्रवासियों में से कई के खिलाफ कोई आपराधिक आरोप नहीं थे और इन्हें बिना उचिता कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना हिरासत में ले लिया गया था। अल सल्वाडोर में इन अप्रवासियों को दुनिया की सबसे खतरनाक मानी जाने वाली सीकोट जेल में भेज दिया गया। यह जेल मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए बदनाम है। अल सल्वाडोर में जनवरी 2023 में एक जेल का निर्माण हुआ था। इसका नाम 'आंतकवादी बंदी केंद्र' है जिसे सीकोट के नाम से भी जाना जाता है। यह दुनिया की सबसे बड़ी जेलों में से एक है। इसमें 40 हजार से ज्यादा कैदी रखे जा सकते हैं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने मार्च के अंत में ट्रम्प प्रशासन के एलियन एनिमीज एक्ट के इस्तेमाल करने पर अस्थायी रोक लगा दी थी। कोर्ट ने कहा कि जब तक इस मामले को पूरी तरह से नहीं सुनते तब तक एक भी अप्रवासी इस एक्ट के जरिए बाहर न भेजा जाए। अब 16 मई को पूरी सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस अस्थायी रोक को और बढ़ा दिया है, और निचली अदालत पर मामले को छोड़ दिया है। इसका मतलब है कि ट्रम्प प्रशासन अभी भी किसी को बाहर नहीं भेज सकता।अदालत ने यह नहीं साफ किया है कि अल-सल्वाडोर भेज दिए गए 137 लोगों का अब क्या होगा? वहीं, निर्वासित व्यक्तियों के परिवारों का कहना है कि उन्हें अपने लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। वे अपने परिवार को लेकर चिंतित हैं। इन लोगों की तरफ से केस लड़ रहे संगठन एसी एल यु के वकील ली गेलरेंट ने कहा कि अदालत का फैसला ट्रम्प सरकार के लिए एक फटकार जैसा है।

इजराइल ने यमन के 2 बंदरगाहों पर हमला किया, इजराइली विदेश मंत्री बोले- हमला नहीं रोका तो हमास जैसा हाल करेंगे

इजराइल ने यमन के होदेइदाह और सालिफ पोर्ट पर शुक्रवार को हवाई हमले किए। इजराइली सेना ने कहा कि इनका इस्तेमाल हथियार लाने और ले जाने के लिए हो रहा था। यमन में हूती समर्थक टीवी चैनल अल मसीराह ने इन हमलों की पुष्टि की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इजराइली सेना ने इन दोनों बंदरगाहों पर 30 से ज्यादा बम गिराए। इसमें 1 व्यक्ति की मौत हुई है और 9 घायल हुए। हमले के बाद इजराइल ने कहा है हूती विद्रोही अगर हमले नहीं रोकते तो उनका हाल हमास और हिजबुल्लाह नेताओं जैसा होगा। इजराइल ने पिछले साल मोहम्मद देइफ, याह्या सिनवार और हसन नसरल्लाह की हत्या कर दी थी। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने इस कार्रवाई की सराहना की है। उन्होंने कहा कि हमारे पायलट ने हूती आतंकियों के दो ठिकानों पर सफल हमला किया है। हम हूतियों को और नुकसान पहुंचाएंगे। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि हूतियों के पीछे ईरान हैं। हूती सिर्फ एक मोहरा हैं। उनके पीछे जो ताकत है, जो उन्हें समर्थन देती है और निर्देश देती है, वो ईरान है। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि अगर हूती विद्रोही इजराइल पर मिसाइल हमले जारी रखते हैं तो उन्हें और उनके नेताओं को गंभीर खामियाजा भुगतना होगा। उन्होंने कहा कि इजराइली सेना ने

हमास के मोहम्मद देइफ, याह्या सिनवार और हसन नसरल्लाह का जैसा हाल किया था, ठीक वैसे ही यमन में अब्दुल मलिक अल-हूती का किया जाएगा। हूती विद्रोहियों ने अक्टूबर 2023 में गाजा पर इजराइल के हमले के बाद फिलिस्तीनियों के समर्थन किया था। वे इजराइल और रेड सी में इजराइल समर्थक देशों के जहाजों पर हमले कर रहे थे।अल जजीरा के मुताबिक मार्च में गाजा में सीजफायर टूटने के बाद हूती विद्रोहियों ने अब तक कम से कम 34 मिसाइलें और ड्रोन इजराइल पर दागे हैं। इससे पहले हूती विद्रोहियों ने 4 मई को इजराइल के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे बेन गुरियन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया था। मिसाइल ने एयरपोर्ट के परिसर में एक सड़क और एक वाहन को नुकसान पहुंचाया। इजराइली सेना ने माना है कि उनका डिफेंस सिस्टम इस मिसाइल को रोकने में नाकाम रहा। इसके अगले ही दिन इजराइली सेना ने यमन में हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले बंदरगाह शहर हुदैदाह पर भीषण बमबारी की। सेना के मुताबिक हमले में 20 इजरायली वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने हिस्सा लिया। इसके लिए विमानों ने 2000 किमी की दूरी तय की। इजराइली लड़ाकू विमानों ने कम से कम 50 टारगेट पर बम गिराए। इजराइल ने तभी कह दिया था कि अब वह हर मिसाइल हमले का जवाब हवाई हमले से देगा। हालांकि शुक्रवार का यह हमला अमेरिका-हौथी समझौते के बाद का पहला इजराइली हमला है।

अटारी के रास्ते भारत पहुंचे अफगानिस्तान के 5 ट्रक, युद्ध के बीच पाकिस्तान में फंसे थे, आज भी सामान आने की उम्मीद

भारत ने अफगानिस्तान के प्रति सद्भावना दर्शाते हुए अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते अफगानी के ट्रकों को भारत में प्रवेश

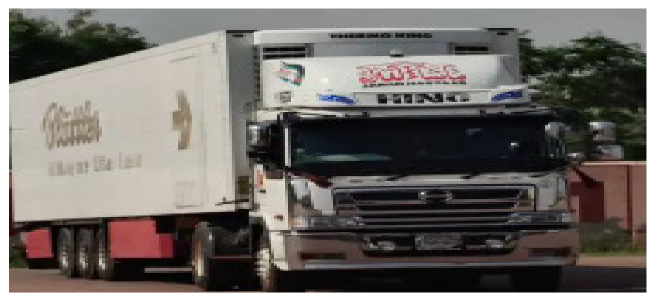

की अनुमति दी है। शुक्रवार को विशेष अनुमति के तहत 5 अफगानी ट्रक भारत में दाखिल हुए, जिनमें से 4 ट्रकों में ड्राई फ्रूट्स और एक ट्रक में मुलट्ठी लदी हुई थी। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब पाकिस्तान के साथ सीमा व्यापार और लोगों की आवाजाही पहलगाम आतंकी हमले के बाद से पूरी तरह बंद है। उस हमले में पाकिस्तानी आतंकियों की भूमिका सामने आने के बाद भारत ने पाकिस्तान के प्रति सख्त रुख अपनाया है। सूत्रों के अनुसार, भारत-पाक संबंधों के तनाव के चलते करीब 150 ट्रक पाकिस्तान में फंसे हुए थे। भारत ने अफगानिस्तान व्यापार के हितों को ध्यान में रखते हुए इन ट्रकों को राहत दी है। आज भी कई और ट्रकों के भारत आने की संभावना जताई जा रही है।23 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद से ही भारत ने पाकिस्तान के लिए कड़ा रुख अपना लिया था। जिसके बाद पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के ट्रकों को भी भारत जाने के लिए रास्ता देने से इनकार कर दिया था। लेकिन, अफगानिस्तान सरकार के कहने पर किस्तान ने आदेश जारी किया था कि 25 अप्रैल तक पाकिस्तान में दाखिल हो चुके ट्रकों को अटारी जाने की अनुमति दी जाती है। उस आदेश में पाकिस्तान ने भी साफ किया था कि इस बीच 150 अफगानी ट्रक पाकिस्तान में फंसे हुए हैं।अटारी, अमृतसर से मात्र 28 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और भारत का पहला मीनी पोर्ट है। यह पाकिस्तान के साथ व्यापार का एकमात्र वैध जमीनी रास्ता भी है। यह चेक पोस्ट 120 एकड़ में फैला हुआ है और सीधे नेशनल हाईवे-1 से जुड़ा है।

अमेरिका से भारत पैसा भेजना अब महंगा पड़ेगाःट्रम्प प्रशासन 5प्रतिशत टैक्स लगाएगा, हर साल 13 हजार करोड़ रुपए ज्यादा चुकाने होंगे

नई दिल्ली। अमेरिका में रहने

वाले भारतीयों के लिए अपने घर पैसे भेजना अब और महंगा हो सकता है। ट्रम्प प्रशासन आउटवर्ड रेमिटेंस यानी अमेरिका से बाहर दूसरे देशों में पैसा भेजने पर 5प्रतिशत टैक्स लगाने की योजना बना रहा है। इससे हर साल भारत आने वाले पैसे पर अतिरिक्त 1.6 अरब डॉलर यानी करीब 13.3 हजार करोड़ रुपए टैक्स देना पड़ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इसके लिए एक बिल लेकर आने वाले हैं। इसका असर 4 करोड़ से अधिक लोगों पर पड़ेगा। इनमें ग्रीन कार्ड होल्डर और एच1बी वीजा पर अमेरिका में रहने वाले भारतीय शामिल हैं।भारत में विदेशों से आने वाला पैसा पिछले एक दशक में दो गुना हो गया है। मार्च 2025 में आई आरबीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2010-11 में प्रवासी भारतीयों ने 55.6 अरब डॉलर भारत भेजे थे। 2023-24 में यह आंकड़ा बढ़कर 118.7 अरब डॉलर हो गया है। भारत को सबसे ज्यादा पैसा अमेरिका, ब्रिटेन, सिंगापुर, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में रहने वाले प्रवासी भारतीयों ने भेजा है। भारत आने वाले कुल पैसे में इन देशों की हिस्सेदारी आधे से ज्यादा रही। खाड़ी देशों की तुलना में भी इन देशों की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है। भारत में विदेशों से सबसे ज्यादा पैसा अमेरिका में रहने वाले प्रवासियों ने भेजा। 2020-21 में भारत आने वाले पैसे में अमेरिका की हिस्सेदारी 23.4प्रतिशत थी जो 2023-24 में बढ़कर 27.7प्रतिशत हो गई है। अमेरिका से प्रवासी भारतीयों ने करीब 32.9 अरब डॉलर भेजे हैं।भारत दुनिया में सबसे ज्यादा रेमिटेंस पाने वाला देश है। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक भारत 2008 लगातार इस लिस्ट में पहले पायदान पर बना हुआ है। ग्लोबल रेमिटेंस में भारत की हिस्सेदारी 2001 में 11प्रतिशत थी, जो 2024 में बढ़कर 14प्रतिशत हो गई है। 2024 में रेमिटेंस प्राप्त करने वाले टॉप 5 देशों में 129 अरब डॉलर के साथ भारत पहले स्थान पर है। इसके बाद मेक्सिको (68 अरब डॉलर), चीन (48 अरब डॉलर), फिलीपींस (40 अरब डॉलर) और पाकिस्तान (33 अरब डॉलर) का नंबर है। इन आंकड़ों को दिसंबर 2024 में वर्ल्ड बैंक ने जारी किया था।

सलमान रुश्दी पर हमला करने वाले हादी मतार को 25 साल की सजा; रुश्दी पर चाकू से 15 वार किए थे

भारतीय मूल के लेखक सलमान रुश्दी पर चाकू से 15 वार किए थे। रुश्दी

रुश्दी पर चाकू से हमला करने वाले हादी मतार (27 साल) को 25 साल की सजा सुनाई गई है। उसे फरवरी में न्यूयॉर्क की एक अदालत ने हत्या की कोशिश और हमले का दोषी माना था। मतार ने अगस्त 2022 में न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम के दौरान के सिर, गर्दन, धड़ और बाईं हथेली पर गंभीर चोटें आई थीं। उनकी एक आंख की रोशनी चली गई थी। नस कट जाने से एक हाथ लकवाग्रस्त हो गया था। इसके अलावा उनके लीवर और आंतों को भी गंभीर नुकसान पहुंचा था।

जॉर्जिया मेलोनी के स्वागत में घुटनों पर बैठे अल्बानिया पीएम,हाथ जोड़कर नमस्ते भी किया, फिर गले मिले दोनों नेता

नई दिल्ली। इटली की प्रधानमंत्री के बावजूद भी बरकरार रहा।

जॉर्जिया मेलोनी अल्बानिया के दौरे पर हैं। यहां इश एडी रामा ने शुक्रवार को घुटनों के बल बैठकर स्वागत किया। रेड कार्पेट पर बैठे रामा ने मेलोनी को नमस्ते भी किया। उनका शानदार अंदाज मूसलाधार बारिश अल्बानिया के प्रधानमंत्री एडी रामा ने 2030 तक देश को यूरोपीय यूनियन में शामिल कराने का वादा किया है। इसके लिए उन्होंने शुक्रवार को राजधानी तिराना में यूरोप के नेताओं की मेजबानी की।

पीएम शहबाज बोले- भारत ने बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया,आर्मी चीफ ने फोन कर बताया, नूरखान एयरबेस को निशाना बनाया

लाहौर। पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल से हमला

पीएम शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा कि 9 और 10 मई की रात भारत ने पाकिस्तान पर किया था। उन्होंने कहा कि आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने उन्हें रात 2:30 बजे फोन कर बताया था कि भारत ने नूर खान बेस और बाकी जगहों पर बैलिस्टिक मिसाइल दागी हैं। शरीफ ने दावा किया कि पाकिस्तान की वायुसेना ने देसी तकनीक और आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल कर देश को बचाया। चीन से मिले जेट्स की आधुनिक टेक्नोलॉजी का भी इस्तेमाल किया गया। इससे पहले शरीफ ने भारत के साथ बातचीत की इच्छा भी जताई थी। एक न्यूज एजेंसी के मुताबिक उन्होंने कहा कि पाकिस्तान, भारत के साथ शांति के लिए बातचीत करने के लिए तैयार है, लेकिन इसमें कश्मीर मुद्दे को शामिल करना होगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोर श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.

1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008

(उ.प्र.) से प्रकाशित

सम्पादक-डा. दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।